3 राजधानी — मौसम का सबसे गर्म दिन रहा रविवार
6 अभिमत — भारत में परमार्थ का बदलता स्वरूप
11 विदेश — गोपी पहले भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक बने
12 स्पोर्ट्स — सात्विक और चिराग ने थाईलैंड ओपन जीता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 191
नई दिल्ली, सोमवार, 20 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों को खुली छूट

राष्ट्रीय-10

शहरी वोटरों पर आज रहेगा चुनाव आयोग का फोकस

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच लोकसभा चुनाव मैदान में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की तीखी बयानबाजी और वादों के बीच, बिहार, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेशों के 49 संसदीय क्षेत्रों में 8.95 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान करेंगे। ज्ञात रहे कि पांचवें चरण के लिए मतदाता सोमवार को अपना वोट डालेंगे। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण की पूर्व संध्या पर, चुनाव आयोग ने रविवार को बताया कि मुंबई, ठाणे और लखनऊ ने अतीत में मतदान के प्रति उदासीनता दिखाई है और इन शहरवासियों से अधिक संख्या में मतदान करने को कहा है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कुछ राज्यों में अत्यधिक गर्मी की स्थिति के कारण सोमवार को यहां मतदाताओं की कम भागीदारी की उम्मीद है।

चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि अतीत में ये शहर मतदान में शहरी उदासीनता से 'पीड़ित' हुए हैं। इसमें कहा गया है, आयोग विशेष रूप से इन शहरवासियों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दाग को मिटाने का आह्वान करता है। पिछले चार चरणों में अब तक 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। आयोग ने 3 मई को भी, दूसरे चरण में मतदान का जिक्र करते हुए, कहा था कि वह कुछ महानगरीय शहरों में मतदान के स्तर से निराश है। चुनाव आयोग ने पिछले महीने कई मेट्रो आयुक्तों को शहरी इलाकों में उदासीनता से लड़ने की रणनीति तैयार करने के लिए इकट्ठा किया था। शहरी और युवा उदासीनता को एक ऐसी घटना के रूप में वर्णित किया जाता है जब युवा मतदाता और महानगरों में रहने वाले लोग चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर आने में विफल रहते हैं। चूंकि गर्मी चरम पर है, गर्म और शुष्क मौसम एक अन्य कारक है जो पांचवें चरण में मतदाताओं की संख्या को प्रभावित कर सकता है।

इस चरण में राहुल गांधी के लिए, रायबरेली दूसरी सीट होगी जहां से वह राष्ट्रीय चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता पहले ही दूसरे चरण में केरल के वायनाड से चुनाव लड़ चुके हैं। रायबरेली नेहरू-गांधी परिवार का क्षेत्र है, जिसका प्रतिनिधित्व उनकी मां सोनिया गांधी 2004 से कर रही हैं। भाजपा ने यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा है। अमेठी में, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जिन्होंने 2019 में राहुल गांधी को हराया था, दूसरा कार्यकाल चाह रही हैं, जबकि गांधी परिवार के सहयोगी केएल शर्मा को कांग्रेस ने मैदान में उतारा है।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं जिनमें राजनाथ सिंह (लखनऊ, यूपी), पीयूष गोयल (मुंबई उत्तर, महाराष्ट्र), साध्वी निरंजन ज्योति (फतेहपुर, यूपी से) और शांतनु ठाकुर (बनगांव, पश्चिम बंगाल) शामिल हैं।); एलजेपी (रामविलास) नेता चिराग पासवान (हाजीपुर, बिहार), शिवसेना के श्रीकांत शिंदे (कल्याण, महाराष्ट्र), और भाजपा के राजीव प्रताप रूडी और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य (दोनों सारण, बिहार) शामिल हैं। संसद में सबसे अधिक संख्या में सांसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश में पांचवें चरण में 14 सीटों पर मतदान होगा, जिसमें पांच केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत दांव पर होगी। इन सीटों में कांग्रेस के गढ़ रायबरेली और अमेठी, फैजाबाद, जिसमें अयोध्या भी शामिल है, भाजपा की हिंदुत्व राजनीति का मुख्य केंद्र भी इस चरण में मतदान करेगा। (शेष पेज 9)

मैदान में सितारे

संसदीय क्षेत्र	प्रत्याशी	पार्टी
रायबरेली	दिनेश प्रताप सिंह	भाजपा
	राहुल गांधी	कांग्रेस
अमेठी	स्मृति ईरानी	भाजपा
	किशोरी लाल शर्मा	कांग्रेस
लखनऊ	राजनाथ सिंह	भाजपा
	रविदास मेहरोत्रा	एसपी
कैसरगंज	करण भूषण सिंह	भाजपा
	भगत राम मिश्रा	समाजवादी पार्टी
	नरेंद्र पांडे	बसपा
हाजीपुर	चिराग पासवान	एलजेपी (रामविलास)
	चन्द्र राम	राजद
सारण	राजीव प्रताप रूडी	भाजपा
	रोहिणी आचार्य	राजद
मुंबई	पीयूष गोयल	भाजपा
	उत्तर भूषण पाटिल	कांग्रेस
बारामूला	उमर अब्दुल्ला	नेशनल कॉन्फ्रेंस
	फैयाज अहमद मीर	पीपुल्स लोकतांत्रिक पार्टी
	सज्जाद गनी लोन	पीपुल्स कॉन्फ्रेंस

दिल्ली की खूनी सड़कों पर प्रतिदिन चार मौतें

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

इस साल 15 मई तक राष्ट्रीय राजधानी में हर दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में लगभग चार लोगों की मौत हो रही है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों से पता चलता है कि 511 घातक दुर्घटनाओं में 518 लोगों की मौत हुई है, जबकि इसी दौरान पिछले वर्ष 2023 में 544 दुर्घटनाओं में 552 लोगों की मौत हुई है। इस विश्लेषण से पता चलता है कि पुलिस के प्रयासों से इस साल कुल 34 लोगों की जान बचाई गई और गंभीर दुर्घटनाओं में भी कमी आई। आंकड़ों की तुलना करने पर दिल्ली की सड़कों पर करीब 33 जानलेवा दुर्घटनाएं होने से बच गईं। दिल्ली यातायात पुलिस के एक बयान में कहा गया है, काफी कोशिशों और रणनीतिक उपायों के माध्यम से, दिल्ली यातायात पुलिस ने चालू वर्ष के दौरान सड़क पर होने वाली मौतों में सराहनीय गिरावट देखी है, जो यात्रियों और निवासियों के लिए सुरक्षित वातावरण को दर्शाता है।

बयान में कहा गया है कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के ठोस प्रयासों ने इस मील के पत्थर को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने, सघन जागरूकता अभियान और आधुनिक तकनीक से लैस यातायात प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन ने सामूहिक रूप से इस सकारात्मक परिणाम में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने दिल्ली की शीर्ष दस सड़कों की पहचान की है जहां इस साल सबसे अधिक गंभीर दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें कहा गया है, इस जानकारी के साथ, हम सड़क सुरक्षा बढ़ाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लक्षित प्रवर्तन उपायों को लागू कर सकते हैं, जिसका लक्ष्य आखिर में इन सड़कों पर होने वाली मौतों को कम करना है। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक सबसे ज्यादा जानलेवा दुर्घटनाएं रिंग रोड इलाके में हुईं। रिंग रोड में लगभग 33 घातक दुर्घटनाएँ हुई। (शेष पेज 9)

47.8 तापमान से राहत पाने की कोशिश

नई दिल्ली में रविवार को इंडिया गेट के पास सेंट्रल विस्टा पार्क में भीषण गर्मी से राहत के लिए फौव्वारों की फुहारों से खुद को भिगोतीं युवतियां।

मालिवाल पर हमला घातक हो सकता था : पुलिस

राजेश कुमार। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल से कथित तौर पर मारपीट और दुर्व्यवहार करने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को शनिवार देर रात तीस हजारी कोर्ट ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस बीच दिल्ली पुलिस की एक टीम मालीवाल के साथ कथित मारपीट की जांच के सिलसिले में रविवार को मुख्यमंत्री आवास से सीसीटीवी डीवीआर सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं ताकि 13 मई को मालीवाल पर हुए कथित हमले की फुटेज हासिल की जा सके। उस दिन केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार ने मुख्यमंत्री आवास पर आप की राज्यसभा सदस्य पर कथित हमला किया था।

दिल्ली पुलिस ने अपने रिमांड पेपर में बिभव कुमार द्वारा स्वाति मालीवाल पर कथित हमले को एक गंभीर मामला बताया है जिसमें क्रूर हमला शामिल है जो घातक हो सकता था। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि यह तथ्य कि जांच के दौरान जेई द्वारा जांच अधिकारी को मुहैया कराई गई पेनड्राइव में वीडियो फुटेज नहीं मिला था और आरोपी द्वारा मोबाइल फोन को फॉर्मेट किया गया था, जो बहुत कुछ बताता है। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई की और इस दौरान दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने किया। पुलिस ने सात दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

अदालत ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई दलीलों पर विचार करने के बाद मुझे लगता है कि मौजूदा मामले में पुलिस हिरासत की आवश्यकता है। तदनुसार, जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा दिए गए आवेदन को आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है और आरोपी को पांच दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेजा जाता है। अदालत ने रविवार को लगभग पौने एब बजे पारित अपने आदेश में कहा। मामले में साक्ष्य इकट्ठा करने के लिए कुमार को मुंबई और राष्ट्रीय राजधानी के अन्य हिस्सों में ले जाने की आवश्यकता के बारे में अभियोजन पक्ष की दलीलों पर गौर किया, जो आरोपी की हिरासत के बिना संभव नहीं था। अदालत ने कहा, बेशक, मामला शुरुआती चरण में है। प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की पुष्टि मजिस्ट्रेट द्वारा शपथ पत्र पर दर्ज किए गए उनके (मालीवाल के) बयान में की गई है और इसके अलावा, पीड़िता या शिकायतकर्ता की चिकित्सकीय जांच में भी इसकी पुष्टि हुई है। मजिस्ट्रेट ने कहा, वह संवैधानिक अदालतों के इस विचार से अवगत है कि मामले की सच्चाई तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी को जांच पूरी करने का अवसर दिया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही आरोपी के अधिकारों को भी संरक्षित किया जाना चाहिए। अदालत ने जांच अधिकारी से कुमार को औपचारिक (शेष पेज 9)

तीन आपराधिक कानूनों के खिलाफ अर्जी पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय भारतीय आपराधिक कानूनों में व्यापक संशोधन वाले तीन नए कानूनों के अधिनियमन को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। पुराने कानूनों में विभिन्न प्रकार के दोषों और विसंगतियों के मद्देनजर आपराधिक कानूनों में बदलाव की मांग की जाती रही है। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। लोकसभा ने पिछले साल 21 दिसंबर को तीन प्रमुख कानूनों भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक को पारित किया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन विधेयकों पर अपनी मुहर लगा दी थी। नए कानून क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीन नए कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए वकील विशाल तिवारी की जनहित याचिका में कहा गया है कि इन विधेयकों को संसद में बिना किसी चर्चा के पारित किया गया था क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलंबित थे। याचिका में अदालत से एक विशेषज्ञ समिति तुरंत गठित करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता का आकलन करेगी।

वन्यजीव तस्करी रोकने को यूट्यूब से हटाए वीडियो

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

वन्यजीव तस्करी को हत्तोसाहित करने की दिशा में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए, संरक्षित जानवरों के अवैध व्यापार, अवैध शिकार, शिकार और खाना पकाने से जुड़े 1,158 वीडियो हटा दिए हैं, इसका कारण यूट्यूब वन्यजीव तस्करों का पसंदीदा केंद्र बन गया है। डब्ल्यूसीसीबी के सूत्रों ने कहा कि यह मंच तोते, दुर्लभ कछुए और पैंगोलिन जैसे प्रतिबंधित वन्यजीवों से जुड़े विज्ञापन और बिक्री की सुविधा प्रदान करता पाया गया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के तहत देश की शीर्ष वन्यजीव अपराध नियंत्रण एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ऐसे और भी वीडियो जांच के दायरे में हैं। यूट्यूब सबसे लोकप्रिय सोशल वीडियो प्लेटफॉर्म है। अक्टूबर 2023 तक, लगभग 46.2 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ भारत यूट्यूब के लिए सबसे बड़ा बाजार है, इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील और अन्य देश हैं।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कई वन्यजीव तस्करों ने कानून का उल्लंघन करते हुए संरक्षित सहित वन्यजीव प्रजातियों के जीवित और शरीर के अंगों की बिक्री के माध्यम से आसानी से पैसा कमाने के लिए इस मंच का बड़े पैमाने पर उपयोग करना शुरू कर दिया है। डब्ल्यूसीसीबी में आयुक्त अतिरिक्त अरविंद के चौरसिया ने कहा, वास्तव में, एक बार जब यूट्यूब के पात्रता मानदंड उनके यूट्यूब चैनलों द्वारा पूरे कर लिए जाते हैं, तो ये वन्यजीव अपराधी यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम में शामिल होकर मुद्रीकरण योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं और विज्ञापन से राजस्व जैसे यूट्यूब पर विभिन्न मुद्रीकरण धाराओं के माध्यम से पैसा कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूसीसीबी और ट्रैफिक इंडिया, वाइल्डलाइफ ट्रेड मॉनिटरिंग नेटवर्क इंडिया जो डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर) और इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के सहयोग से काम करता है, भी इन अपराधियों की तलाश में है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से मिली सूचना के बाद पिछले एक साल में कम से कम पांच ऑपरेशनों में पैंगोलिन और बाघ की खालें जब्त की गईं। कार्यप्रणाली के बारे में बात करते हुए, अधिकारी ने कहा कि अक्सर, डब्ल्यूसीसीबी स्वयंसेवक यू-ट्यूब पर अपलोड किए गए पोस्ट में सुराग के लिए टिप्पणियों पर गौर करते हैं, जिससे संभावित खरीदारों की पहचान हो सकती है। कभी-कभी, इसमें ज़्यादा समय नहीं लगता - खरीदार और विक्रेता टिप्पणियों में अपने नंबर छोड़ देते हैं। डब्ल्यूसीसीबी अधिकारी ने कहा, डब्ल्यूसीसीबी ने पिछले एक साल में अब तक कानूनी सहायता टीम ने यूट्यूब से सामग्री हटाने का नोटिस भेजकर इन वन्यजीव साइबर योद्धाओं द्वारा साझा किए गए इनपुट के आधार पर वन्यजीवों के अवैध शिकार, शिकार, (शेष पेज 9)

अमेरिका से दवा वापस मंगाने से कई कंपनियों को झटका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में निर्मित कफ सिरप के कारण दुनिया भर में 141 बच्चों की मौत का मामला सामने आने के महीनों बाद निर्माताओं को अपने उत्पाद वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह पाया गया है कि विनिर्माण मुद्दों के लिए प्रमुख फार्मा कंपनियां डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सन फार्मा और अरबिंदो फार्मा अमेरिकी बाजार से अपनी दवाएं वापस ले रही हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की नवीनतम जारी रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज वयस्कों और बच्चों में रक्त फेनिलएलनिन के स्तर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा के लगभग 20,000 कार्टन वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए के अनुसार, प्रिंसटन, न्यू जर्सी में स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, इंक, जेवीगटोर (सैप्रोप्टेरिन

डाइहाइड्रोक्लोराइड) पाउडर फॉर ओरल सॉल्यूशन (100 मिलीग्राम) को वापस ले रही है क्योंकि यह कम शक्तिशाली है। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी इसी कारण से सैप्रोप्टेरिन डाइहाइड्रोक्लोराइड की एक और खेप भी वापस ले रही है।

सैप्रोप्टेरिन डाइहाइड्रोक्लोराइड का उपयोग हाइपरफेनिलएलनिनमिया (एचपीए) के इलाज के लिए किया जाता है, जो रक्त में फेनिलएलनिन के उच्च स्तर की विशेषता वाली स्थिति है। यह विशेष रूप से (शेष पेज 9)

दर्दनाक: गाजियाबाद में कुत्तों के झुंड ने चार साल की बच्ची को नोचकर मार डाला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में कुत्तों का आतंक जारी है। इस बार कुत्तों के एक झुंड ने मुरादनगर थाना क्षेत्र में एक 4 साल की बच्ची को काटकर मार डाला। बच्ची की मौत परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रोकर बुरा हाल है। मुरादनगर के भीकनपुर में भट्टे पर काम करने वाला जरीफ अपनी पत्नी रुखसाना और दो बच्चों के साथ रहता है। जरीफ की चार वर्षीय बेटी फरहीन खेल रही थी। इसी दौरान कुछ कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसी दौरान वहां मौजूद करीब 10 कुत्तों ने उसे दोबारा काटना शुरू कर दिया। इससे वह खून से लथपथ होकर जोर-जोर से चिल्लाने लगी। फरहीन के रोने की आवाज सुनकर उसकी मां रुखसाना वहां पहुंची और कुत्तों को भगाकर बच्ची को उठाया। महिला की चीख-पुकार सुनकर लड़की के पिता और कई अन्य लोग भी वहां पहुंच गये। इसके बाद मां रुखसाना और पिता जोरिफ खून से लथपथ फरहीन को लेकर संजय नगर स्थित संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे। वहां मौजूद डॉ. रणजीत सिंह ने बच्ची को इमरजेंसी में भर्ती कर एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई। बाद में बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल बच्ची को लेकर जीटीबी पहुंचे एंबुलेंस सेवा के प्रोग्राम मैनेजर जयविंदर सिंह ने बताया कि जब उसे जीटीबी में भर्ती कराया गया तो डॉक्टरों ने तुरंत उसे ऑक्सीजन दी। उसके शरीर पर गंभीर घाव थे। वहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। शनिवार रात करीब 9 बजे उसकी मौत हो गई। एसीपी नरेश कुमार ने बच्ची की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि देर शाम बच्ची की इलाज के दौरान जीटीबी में मौत हो गई।

नोएडा में तोड़ी जाएंगी अवैध इमारतें, 15 हुई सील

- गिराने के लिए एजेंसी का चयन, 5 फ्लोर तक के निर्माण पर होगी कार्रवाई

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा में पिछले दो महीने से चल रहे अभियान के तहत 35 से ज्यादा इमारतों पर लिखा ये अवैध निर्माण है। 15 इमारत को सील किया गया। यानी इन 50 इमारत को अब तोड़ा जाएगा। जून में मतगणना के बाद बड़ा एक्शन देखने को मिलेगा।

तोड़ने का काम बाहरी एजेंसी करेंगी। पहले फेज में सर्किल.3 ने इसकी शुरुआत की है। प्राधिकरण ने बीआर चावला नाम की एजेंसी का चयन किया है। इसका बॉन्ड भी तैयार हो गया है। ये एजेंसी 10 इमारत को पहले फेज में तोड़ेगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इमारतों को तोड़कर निकलने वाले मलबा को बेचकर एजेंसी अपना खर्च निकालेगी और प्राधिकरण को भी रुपए देगी। एजेंसी के पास मशीनें होंगी, जो आस.पड़ोस की इमारतों को बिना नुकसान पहुंचा, और बगैर खतरे के आसानी व तेजी के साथ तोड़ सकेंगी। अब पुलिस बल की मांग की गई है। दूसरी तरफ इमारतों को स्वयं ध्वस्तीकरण के लिए अंतिम नोटिस भी जारी किया गया है। पुलिस मिलते ही निजी एजेंसी से इन इमारतों को तोड़ने की शुरुआत की जाएगी। प्राधिकरण दो महीने से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर रहा है। प्राधिकरण को अपना लैंड बैंक बढ़ाना है।

इसलिए अवैध निर्माण पर कार्रवाई की जा रही है। ऐसा दोबारा न हो इसलिए लगातार भू माफियाओं को चिह्नित किया जा रहा है। अब तक 133 शिकायत प्राधिकरण ने नोएडा पुलिस की है। जिस पर कार्रवाई की जा रही है। ये सभी शिकायत नोएडा के दस सर्किल की ओर से अपने अपने क्षेत्र में हो रही अवैध निर्माण को लेकर दी गई थी।

प्राधिकरण ने दो महीने में 1 लाख 33 हजार 362 वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए अपने कब्जे में लिया। इस जमीन की कीमत करीब 656.71 करोड़ रुपए है। ये जमीन प्राधिकरण अधिसूचित और अर्जित जमीन है। जिस पर मास्टर प्लान 2031 के अनुसार प्लानिंग नियोजित है। इसलिए इस जमीन पर बिना प्राधिकरण आवंटन बनाई गई हर निर्माण अवैध है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बरौला की जो 10 इमारत तोड़ने के लिए चिह्नित हुई हैं, उनमें से कई नाले के किनारे हैं। इसके साथ ही अवैध इमारत भी हैं। बात अगर इनकी जमीन की करें तो राजस्व रिकॉर्ड में दो खसरा नंबर पर हैं। नियमों को ताक पर रखकर यहां इमारत खड़ी कर दी गईं। यह पूरा एरिया वर्क सर्कल.3 के क्षेत्र में आता है। कई मंजिल की ये इमारत एक दिन में नहीं बनी हैं। धीरे-धीरे निर्माण होता रहा। प्राधिकरण के जिम्मेदार आंख बंद कर बैठे रहे। अब जब निर्माण तोड़ना चुनौती बन गया है तो एजेंसी का चयन किया गया है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

नोएडा। नगर के मुख्य तिराहे के पास जनता इंटर कॉलेज के गेट पर फंदा लगाकर युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच में लगी है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से बहराइच के रहने वाले नंदू गुप्ता परिवार के साथ नगर के सूरज विहार कॉलोनी में रहते हैं उनका बेटा रोहित गुप्ता नगर के जीटी रोड स्थित एक किराना दुकान पर नौकरी करता था।

देर शाम को वह घर पर खाना खाने के बाद बाहर घूमने के लिए निकला था। और वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। रविवार को सुबह के समय जनता इंटर कॉलेज गेट पर फंदा लगा शव मिला। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को भी बुला लिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

अरबों रुपये के जीएसटी फर्जीवाड़े में शामिल तीन उद्यमी दिल्ली और जयपुर से गिरफ्तार

- देश भर में 2600 से अधिक फर्जी कंपनी खोलकर लगाया था चूना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा।

देश भर में 2600 से अधिक फर्जी कंपनी खोलकर सरकार को 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान पहुंचाने वाले एक गिरोह के तीन उद्यमियों को क्राइम रिस्पांस टीम एसओजी और सेक्टर-20 पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों पर नोएडा पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

तीनों बीते आठ माह से फरार चल रहे थे। इस मामले में नोएडा पुलिस अब तक 47 आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ऋषभ जैन पुत्र योगेश जैनए तरूण जिन्दल पुत्र पवन कुमार जिन्दल तथा शुभम जिंदल पुत्र पवन कुमार जिन्दल को दिल्ली और जयपुर राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि तीनों फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर ठगी कर रहे थे। लंबे समय से वांछित चल रहे आरोपियों पर नोएडा पुलिस ने 25.25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गिरफ्त में आए तीनों आरोपी उद्यमी हैं और इनका मेटल समेत अन्य का कारोबार है। शुभम और तरुण सगे भाई हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कई ऐसी कंपनी और फर्म बनाई जिसका वजूद सिर्फकागजों पर रहा। धरातल पर वह कंपनी थी ही नहीं। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाई गई कंपनी की आरोपियों ने बिलिंग की और इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम कर सरकार से करोड़ों रुपये ले लिए। तीनों आरोपी पूर्व में जीएसटी विभाग से भी जेल जा चुके हैं। बता दें कि बीते चार मार्च को जीएसटी फर्जीवाड़े में शामिल कुणाल मेहता ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। जिसके पास से अहम दस्तावेज बरामद हुए थे।

पुलिस ने इस पर 25 हजार का इनाम भी रखा था। पुलिस ने उसकी 48 घंटे की रिमांड ली। जिसके बाद उसने पुलिस को कई ठिकानों की जानकारी दी और उसे दिल्ली समेत अन्य ठिकानों पर ले भी जाया गया। फर्जीवाड़े में शामिल कई अन्य आरोपियों के बारे में भी पुलिस को कुणाल से जानकारी मिली थी। रिमांड पर आए आरोपी से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने दो अन्य कारोबारियों को दबोचा।

पार्किंग संचालक पहनेंगे आईकार्ड

गाजियाबाद। जिले के एक बड़े हॉस्पिटल में पिछले दिनों नगर निगम के नाम पर अवैध पार्किंग पकड़ी गई थी। ये मामला सामने आने के बाद नगर निगम सख्त हो गया है। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया है कि नगर निगम के अधीन जहां.जहां पार्किंग संचालित हो रही हैं, उनके संचालक अब आईकार्ड पहनकर रखेंगे। इसके अलावा नगर निगम ने अपने अधिकारियों को निरीक्षण पर भेजकर इनकी मॉनिटरिंग भी बढ़ा दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह ने कहा, अगर कोई पार्किंग संचालक नगर निगम के नाम पर अवैध तरीके से वसूली करता पाया गया तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर जेल भिजवाया जाएगा। जबकि जो पार्किंग हमारे अधीन चल रही हैं, उनके संचालक कोई गड़बड़ी न करें। जितना शुल्क निर्धारित है, उससे ज्यादा पैसा न लिया जाए।

चाक-चौबंद होगी शहर की विद्युत आपूर्ति

- आधुनिकरण के लिए दो हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर की बिजली व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाया जाएगा। ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि नोएडा शहर में पूरे साल एक घंटे का भी बिजली कट नहीं होगा। गर्मी हो या सर्दी चाहे वर्षा का सीजन नोएडा में बिजली का एक भी कट नहीं होगा। इस काम के लिए पूरे दो हजार करोड़ रुपये नोएडा की बिजली व्यवस्था को दुरूस्थ करने पर खर्च किए जाएंगे। नोएडा शहर के लिए बिजली विभाग ने खास योजना बनाई है। वैश्विक शहर बनने की ओर अग्रसर नोएडा का बिजली ढांचा भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित होगा।

इसको लेकर भारत सरकार की पुनरूत्थान वितरण क्षेत्र योजना आरडीएसएस शहर में लगभग दो हजार करोड़ की लागत से बिजली ढांचे का कायाकल्प होगा। इसको लेकर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार हो गई है। चुनाव के बाद केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय से हरी झंडी मिलते ही टेंडरिंग और आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। योजना के तहत स्मार्ट सिटी के तहत देश के कुछ प्रमुख शहरों में स्मार्ट बिजली ढांचा तैयार किया जाना है। इसमें उत्तर प्रदेश से नोएडा, वाराणसी अयोध्या और कानपुर शामिल हैं। विद्युत निगम के अधिकारियों ने बताया कि योजना का लक्ष्य शहरों को पूरी तरह ट्रिपिंग मुक्त करके बिजली कटौती को वर्षभर में एक घंटा से कम लाना है। इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी, आटोमेशन, स्काडा सिस्टम और कंज्यूमर मैपिंग पर काम होगा। इन्फ्रा में 33 केवी और 11 केवी से लेकर एलटी स्तर तक पूरे सिस्टम को बदला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिल्डर और मेंटेनेंस के खिलाफ प्रदर्शन करते सोसाइटी के लोग।

अजनारा होम्स सोसाइटी में बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अजनारा होम्स के निवासियों ने बिल्डर और मेंटेनेंस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। निवासियों ने हाथों में बैनर पोस्टर लेकर सोसाइटी के अंदर पैदल मार्च किया और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कहा, बिल्डर के द्वारा पूरे पैसे ले लिए गए हैं, लेकिन उसके काम अभी तक अधूरे पड़े हुए हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक बार फिर सोसाइटी के निवासियों का बिल्डर के खिलाफ गुस्सा देखने को मिला। अजनारा होम्स के निवासियों ने रविवार को बिल्डर के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल दीपांकर कुमार ने कहा कि बिल्डर के द्वारा मेंटेनेंस कई सालों से पूरे प्लेन्ड एरिया का लिया जा रहा है, जबकि आधा से अधिक कॉमन एरिया बना नहीं है या फिर अतिक्रमित है।

मतगणना की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव की मतगणना की तैयारियों को लेकर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी के साथ बैठक की। बैठक में यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, अल्पसंख्यक कांग्रेस, महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए। पुराना बस अड्डा स्थित कांग्रेस के जिला कार्यालय पर हुई बैठक में जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर मतगणना स्थल पर मुस्तैदी से नजर रखनी है। जब तक मतगणना समाप्त नहीं होती हम सबको मतगणना स्थल पर डटे रहना है। इस दौरान आसिफ सैफी, सलीम अहमद सैफी, संगीता त्यागी, सुरेन्द्र शर्मा, डॉ अमर सिंह राठौड़ आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रामानुजन सदन सम्मानित

गाजियाबाद। मेरठ रोड स्थित डीपीएस एचआरआईटी में स्कॉलर बैच समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि यशिका भारद्वाज, डायरेक्टर वैशाली अग्रवाल एवं प्रधानाचार्या नंदिनी शेखर ने किया। कार्यक्रम में वर्ष 2023-24 में शिक्षा एवं गतिविधियों के क्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन वाले छात्रों को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। रामानुजन सदन को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी प्रदान की गई। इस दौरान छात्रों ने नृत्य, गीत, नाटिका आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नई शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर आधारित नुक्कड़ नाटिका का मंचन किया।

ग्रेटर नोएडा में मेंटेनेंस के लेकर रोष

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में प्रचंड गर्मी के बीच में बिल्डर एवं मेंटेनेंस से त्रस्त निवासियों ने रविवार को सोसाइटी की लंबित समस्याओं को दूर करने के लिए बिल्डर एवं मेंटेनेंस एजेंसी के खिलाफ जमकर हल्ला बोला एवं नारेबाजी की। निवासियों का कहना है कि रूफ टॉप पार्क के एक्सपेंशन जॉइंट की मरम्मत नहीं हुई, जिससे प्रत्येक वर्ष की भांति आने वाले बरसात में फिर से पार्किंग और बेसमेंट तालाब बनेगा। कई भयावह एक्सपेंशन ज्वाइंट हैं जो बच्चों की जान के लिए खतरा हैं। अग्निशमन उपकरण या तो लगे नहीं हैं या फिर बिल्डिंग की शोभा बढ़ा रहे हैं।

जिम्स में पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए मिलीं 59 सीटें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स को डाक्टरी में पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए 59 सीट मिल गई हैं। ग्रेटर नोएडा के जिम्स को भारत सरकार ने पीजी की 59 सीट की मंजूरी देने की विधिवत घोषणा कर दी है। इस घोषणा से जिम्स प्रशासन के साथ ही तमाम कर्मचारी भी खुश हैं। आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा शहर में स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स में नए पोस्ट ग्रेजुएट एमडी व एमएस कोर्स की 59 सीट को मंजूरी मिल गई है। नेशनल मेडिकल कमिशन एनएमसी ने 13 विभाग की 59 सीटों को मंजूरी दी है। इस उपलब्धि पर जिम्स निदेशक ब्रिगेडियर डा राकेश कुमार गुप्ता ने संस्थान के चिकित्सकों व स्टाफको बधाई दी है। इन्हें इसी सत्र से शुरू किया जाएगा।

बीच सड़क पर आग का गोला बनी कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में रविवार को चलती कार में अचानक आग लग गई। कार चालक ने किसी तरह निकलकर जान बचाई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि दूर तक दिखाई दे रही थी। धुएं का गुब्बार भी जबरदस्त था।

आग की सूचना गाजियाबाद के वैशाली फायर स्टेशन को मिली। यहां से यूनिट रवाना हुई। लेकिन उससे पहले ही नोएडा सेक्टर 58 के फायर स्टेशन की यूनिट ने गाड़ी की आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया था। आग किन कारणों से लगी इसका पता नहीं चला है। इंदिरापुरम क्षेत्र थाना में दिल्ली.मेरठ एक्सप्रेस.वे की है। दमकल विभाग के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया की गाजियाबाद के वैशाली फायर स्टेशन को सूचना मिली कि थाना इंदिरापुरम के छिजारसी कट के पास एक कार में आग लग गई है। दमकल की यूनिट दो फायर टेंडर समेत मौके पर रवाना हुई। दमकल कर्मी जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि नोएडा सेक्टर 58 के फायर स्टेशन से आई दमकल की गाड़ी ने कार की आग को बुझा दिया है। कार मारुति की अर्टिगा थी। आग किन कारणों से लगी इसका पता नहीं चल पाया है। लेकिन आग इतनी भीषण थी की आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थी। साथ ही जबरदस्त धुएं का गुब्बार था। वहीं गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में मिनी बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा दिल्ली.मेरठ एक्सप्रेस पर हुआ। मिनी बस में मौजूद 15 लोग इस हादसे में घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायल गुरुग्राम से आ रहे थे और हापुड़ के पिलखुवा रिश्ता लेकर जा रहे थे। गाजियाबाद में एडीसीपी यातायात वीरेंद्र कुमार ने बताया की एक मिनी बस जो की गुरुग्राम से हापुड़ जा रही थी। वह थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकरा के पलट गई।

लिफ्ट में अचानक बेहोश होकर गिरा युवक, मौत

नोएडा। सेक्टर-58 के स्टेलर आईटी पार्क स्थित एक कपंनी में काम करने वाले शख्स की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। नोएडा के अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई, इसके बाद नोएडा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आपको बता दें कि पुलिस ने शव मिलते ही युवक के परिजनो को खबर कर दी। बताया जा रहा है कि युवक पांच साथियों के साथ काम खत्म करने के बाद लिफ्ट से नीचे आ रहा था। इसी वक्त वह लिफ्ट के अंदर बेहोश हुआ और गिर गया। लिफ्ट में मौजूद अन्य युवकों ने उसे सीपीआर दिया, पर युवक की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद उसे युवक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मरा हुआ घोषित कर दिया।

अपहरणकर्ताओं को एनेस्थीसिया देने वाला वार्ड ब्वाय गिरफ्तार

योगेंद्र शर्मा हत्याकांड

- मेरठ के सिवाया में मिली थी लाश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के ईंट भट्ठा व्यवसायी योगेंद्र शर्मा की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी ईश्वरपाल को रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

ईश्वरपाल मेरठ के एक निजी हॉस्पिटल में वार्डबॉय है। इसी ने रुपयों के लालच में हत्यारोपियों को एनेस्थीसिया इंजेक्शन उपलब्ध कराए थे। आरोपियों ने ये इंजेक्शन लगाकर पहले योगेंद्र शर्मा को बेहोश किया, फिर मेरठ ले जाकर हत्या कर दी। थाना नंदग्राम के गांव सिकरोड निवासी देवेंद्र शर्मा भट्ठा व्यापारी हैं।

उनका इकलौता बेटा योगेंद्र उर्फ गोलू उनके साथ कारोबार देखता था। उसने डीके ट्रेडर्स नाम से ऑफिस बनाया हुआ था। एक मई की शाम को वह ऑफिस बंद करके निकला लेकिन घर नहीं पहुंचा। इसके बाद योगेंद्र की लाश मेरठ के गांव सिवाया के पास एक खेत में दबी हुई मिली। इस मामले में विकास, मनीष और रोहित की गिरफ्तारी हुई थी। तीनों ने 10 लाख रुपए फिरौती वसूलने के लिए अपहरण की बात कुबूली। पूछताछ में खुलासा हुआ कि किडनैपरों ने योगेंद्र को बेहोश करने के लिए एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाया, लेकिन ओवरडोज की वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस की जांच पड़ताल में एन्थीसिया का इंजेक्शन सप्लाई करने वाले व्यक्ति का नाम सामने आ गया।

नंदग्राम थाना पुलिस ने रविवार को ईश्वरपाल को गाजियाबाद में गुलधर मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

वो मेरठ में इंचौली थाना क्षेत्र के मेंथना गांव का रहने वाला है और हॉस्पिटल में बतौर वार्डबॉय काम करता है। पूछताछ में ईश्वरपाल ने बताया, पूर्व में गिरफ्तार हुआ रोहित भी इसी हॉस्पिटल में काम करता था।

कुछ दिनों पहले रोहित ने कहा कि बेहोश करने वाले इंजेक्शन की जरूरत है। अगर लाकर देगा तो इसके बदले मैं अच्छे पैसे दूंगा। पैसों के लालच में मैंने एनेस्थीसिया इंजेक्शन रोहित को दे दिए।

चाइल्ड पीजीआई में कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा का इलाज शुरू

- बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरतः डॉ. नीता

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के चाइल्ड पीजीआई में कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा का इलाज शुरू हो गया है। दरअसल, कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा पांच साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में देखने को मिलता है। इसका लक्षण है कि इन बच्चों की आंखों में रेटिना पर सफेद चमक दिखाई देती है।

ऐसे बच्चों का चाइल्ड पीजीआई में तीन डिपार्टमेंट मिलकर इलाज करेंगे। चाइल्ड पीजीआई के हेमेटोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ नीता राधाकृष्णन ने कहा कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। यही कारण है कि इलाज की सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद शुरुआती दौर में बहुत कम पीड़ित बच्चों की पहचान हो पा रही है। रेटिनोब्लास्टोमा सप्ताह के माध्यम से, हम नेत्र रोग विशेषज्ञों, बाल रोग विशेषज्ञों के साथ.साथ परिवार के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं। ताकि अगर बच्चे की बीमारी का शुरुआती दौर में पता चल जाए तो उसे सही इलाज देकर उसकी दृष्टि क्षमता को सुरक्षित रखा जा सके। हमें यह समझना होगा कि आंखों का यह कैंसर बहुत तेजी से फैलता है। अगर समय पर इलाज न मिले तो यह दिमाग तक पहुंच सकता है।

हेमेटोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुज सिंह ने बताया कि रेटिनोब्लास्टोमा का इलाज चाइल्ड पीजीआई में किया जा रहा है। हेमेटोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के पास कीमोथेरेपी और विकिरण सहित इसके खतरों से बचाने के लिए दवाएं हैं।

वहीं, यदि अंतिम चरण में सर्जरी की आवश्यकता होती है तो बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग की आवश्यकता होगी। सामान्य नेत्र विज्ञान जांच के अलावा अल्ट्रासाउंड और एमआरआई स्कैन से भी इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है। कैंसर की स्टेज बढ़ने पर उन्हें रेडियोथेरेपी के लिए एम्स दिल्ली भेजा जाएगा। इसके लिए एम्स चाइल्ड पीजीआई को सहयोग कर रहा है। डॉ अनुज सिंह ने बताया कि अगर रेटिनोब्लास्टोमा का पता शुरुआती दौर में चल जाए तो इलाज के बाद आंखें और दृष्टि बचाने की संभावना 90 फीसदी तक बढ़ जाती है।

एक बार आंख में गांठ बन जाने पर सर्जरी की जरूरत पड़ती है। साथ ही दृश्यता से बचने की संभावना भी कम हो जाती है। सर्जरी के बाद भी बच्चा विकृत नहीं होना चाहिए। इसके लिए आंख की रीस्ट्रक्चरिंग भी की जाती है। दूसरे, यह बीमारी अनुवांशिक भी हो सकती है। ऐसे में अगर माता.पिता में से किसी को भी आंख का कैंसर रहा है तो जन्म के कुछ समय बाद बच्चे की जांच करवाएं। यह रोग बच्चे की दोनों आँखों में भी हो सकता है। ऐसे में जितनी जल्दी इलाज शुरू हो जाए, वही बेहतर होगा।

नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार कार पलटी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर दिल्ली से मेरठ जाते समय कार पलट गई। गनीमत रही कि सही समय पर एयरबैग खुल गए। जिससे चालक सलामत रहा। कार में एक युवक था जो दिल्ली से मेरठ की तरफ जा रहा था। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाया। राहगीरों ने कार को सीधा खड़ा किया।

गाजियाबाद में थाना इंदिरापुरम प्रभारी जितेंद्र दिखित ने बताया कि शनिवार देर रात एक कार में विकास जोशी नाम का युवक दिल्ली से मेरठ की तरफ जा रहा था।

अचानक सीआईएसएफ कट के पास उसकी कार पलट गई। हादसे की खबर परिजनों को दी। पुलिस को किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं दी गई है।

नोएडा के आप कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोका

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- पुलिस से हुई नोकझोंक

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन का एलान किया। दूसरी तरफ सेक्टर-27 स्थित पार्टी कार्यालय पर दिल्ली जाने वाले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया।

इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई। आप पदाधिकारियों ने पुलिस को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन सौंपा। आप जिला महासचिव राकेश अवाना ने बताया कि अरविंद केजरीवाल के आह्वान पर पार्टी कार्यालय से कार्यकर्ता दिल्ली जाने के लिए इकत्रा हुए थे। इस दौरान पहुंची पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने नहीं दिया। महासचिव ने आगे बताया कि आम आदमी पार्टीको बीजेपी खत्म करना चाहती है, इसीलिए आप नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। इसका पार्टी विरोध करती हैं। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, जिलाध्यक्ष प्रशांत रावत, मनोज यादव, प्रवीण धीमन, नितिन प्रजापति आदि मौजूद रहे। केजरीवाल 12 बजे पार्टी दफ्तर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जैसे ही केजरीवाल अपने कार्यकर्ताओं के साथ मार्च के लिए निकले उन्हें रोक दिया गया। पुलिस ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय से आगे नहीं बढ़ने दिया है।

राजधानी में मौसम का सबसे गर्म दिन रहा रविवार

● मौसम विभाग ने लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। रविवार को तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने भीषण गर्मी और लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली वाले का पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी से बेहाल लेकिन हालफिहाल में राहत की संभावना नहीं जताई है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि मौजूदा स्थिति अगले एक हफ्तेतक बनी रहेगी।

दिल्ली में हाल के दिनों में तापमान में लगातार वृद्धि देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप रविवार को इस गर्मी में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। शनिवार को तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस जबकि शुक्रवार को 42.5 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को जहां सफदरजंग स्टेशन पर तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं शहर के अन्य हिस्सों में पारा 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को नजफगढ़ में अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मुंगेशपुर में 47.7 डिग्री, आया नगर में 46.4 डिग्री, पूसा में 46.5 डिग्री, पीतमपुरा में 47 डिग्री और पालम में 45.1 डिग्री दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को दिल्ली में मोटे तौर पर आसमान साफ रहने, कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ने और 25-35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। सात दिन के लिए पूर्वानुमान जताते हुए आईएमडी ने भीषण गर्मी के कारण संवेदनशील लोगों के लिए अत्याधिक एहतियात बरतने का आग्रह किया है। मौसम विभाग ने कहा कि भीषण गर्मी सभी उम्र के लोगों विशेषकर शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों वाले कमजोर व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य के मद्देनजर चिंता का विषय है। मौसम विभाग ने शरीर में पानी की कमी नहीं हो, इसके लिए पर्याप्त पानी पीने और ओआरएस या घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी और छाछ का उपयोग करने का सुझाव भी दिया। मौसम विभाग के अनुसार लू की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब अधिकतम तापमान सामान्य तापमान से 4.5 डिग्री या इससे अधिक होता है और कम से कम 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यदि तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री से अधिक हो तो भीषण लू की घोषणा की जाती है। रविवार को दिन में दिल्ली में सापेक्षिक आर्द्रता 57 प्रतिशत से 15 प्रतिशत के बीच रही।

दिल्ली में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। रुपट्टे से तेज धूप से बचती युवती। फोटो: रंजन डिमरी।

मोदी को पीएम बनाएं, भारत बनेगा विश्व की ताकत : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में आज बुराड़ी के संत नगर में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एवं कमल विहार में भाजपा नेता माधवी लता ने जनसभाओं को सम्बोधित किया। बुराड़ी विधानसभा के झडौंदा वार्ड में भाजपा नेता बृजेश राय द्वारा आयोजित सभा में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा की।

गिरिराज सिंह ने कहा वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिपाही हैं जो लोग कहते हैं हम हिंदू मुस्लिम की बात करते हैं पूछना चाहते हैं कि आखिर हमारे मनोज तिवारी ने कोई जहांगीरपुरी में कहीं आग लगाई जवाब है नहीं लगाई लेकिन जिन्होंने आग लगाई वह एक विशेष सोच के लोग हैं अगर देना है तो मुझे 100 गालियां देना लेकिन तुम अपने दिल पर हाथ रखकर पूछना कि आखिर इसका इलाज क्या है। इस अवसर पर माधवी लता ने कहा कि लोग कहते हैं माधवी तीर चलाती है हम कहते हैं कि हम मां दुर्गा का त्रिशूल भी चलाएंगे मनोज तिवारी के सामने जो चुनाव लड़ रहे हैं उनका नाम कन्हैया है लेकिन करनामें क्रूर हैं।

संक्षिप्त समाचार

मल्टी सिटी वॉक से स्वस्थ रहने का संदेश

नई दिल्ली। लोदी गार्डन में रविवार सुबह फिट रहने के संदेश के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने 3 किमी की वॉक कर स्वस्थ्य और फिट रहने का संदेश दिया। वर्ल्ड एब्डोमिनल कैंसर डे पर इंटरनेशनल मल्टीसिटी अवेयरनेस वॉक का एब्डोमिनल कैंसर ट्रस्ट की तरफ से आयोजित किया गया। इस मौके पर दिल्ली अवेयरनेस वॉक के एंबेसडर इमरोज खान एवं डॉ. मुकेश कुमार बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ.संदीप जैन, पेरीवाल समाजसेवी सुरेश मिश्रा, मुकेश मिश्रा मौजूद थे।

यूनानी चिकित्सा शिविर आयोजित

नई दिल्ली। यूनानी उपचार जनता के द्वार मिशन-2025 के अंतर्गत ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की ओर से कालकाजी, गोविंद पुरी स्थित हनुमान मंदिर में 83 वां नि:शुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। एडवोकेट शभी शाह ज़बी क़ाज़ी और विनोद ने संयुक्त रुप से कैम्प के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदू मुस्लिम एकता के रूप में लोगों ने अपना पूरा सहयोग दिया। इस अवसर पर ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के महासचिव डॉक्टर सैय्यद अहमद खां ने कहा कि आज के समय में शरीर को स्वस्थ रखने में यूनानी दवाएं अपना अहम योगदान दें रही है।उन्होंने कहा कि युनानी दवाएं जड़ी बूटी से तैयार होती है और इनका कोई साइड इफेक्ट नही होता ये शरीर में बीमारी को जड़ से खत्म करने के अलावा शरीर में ताज़गी और नई ऊर्जा पैदा करती है।उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मुफ्त शिविर लगाए जाने का सिलसिला जारी है।

मंगोलपुरी में युवती के साथ मारपीट

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में परिवार में ही प्रॉपर्टी को लेकर चले आ रहे एक विवाद में एक युवती की पिटाई की। पुलिस ने 323/354/354बी/506/509/34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सरस्वती विहार की रहने वाली युवती ने मंगोलपुरी पुलिस को बताया कि बीते शुक्रवार सवा दस बजे घर पर उसकी बुआ को उसी के चाचा-चाची और बेटे ने बुरी तरह से पीटा था। पुलिस घर आई और बुआ का मेडिकल करवाने भगवान महावीर अस्पताल ले गई। वह भी बुआ के साथ चली गई थी। पीड़िता ने बताया कि दादा की एक प्रॉपर्टी को लेकर कोर्ट में केस भी चल रहा है। उनको और उनके परिवार को चाचा और उनका परिवार घर से निकालने की सभी कोशिश कर चुका है।

आप को खत्म करने के लिए भाजपा चला रही ऑपरेशन झाड़ू: सीएम केजरीवाल

● मुख्यंत्री अपने पार्टी नेताओं के साथ गिरफ्तारी देने पहुंचे, पुलिस ने रास्ते में रोका तो सड़क पर बैठे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आप नेताओं के साथ भाजपा आफिस की तरफ मार्च किया। रास्ते में पुलिस के रोके जाने पर सभी नेता सड़क पर धरने पर बैठ गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी को कुचलने के लिए ऑपरेशन झाड़ू शुरू किया है क्योंकि पार्टी को एक चुनौती के रूप में देखती है।

पैदल मार्च से पहले पार्टी मुख्यालय पर नेताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री के पीछे लाइन वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक थे। उनके हाथों में पोस्टर, बैनर और स्लोगन लिखी तख्तियां थी और नारेबाजी करते हुए भाजपा मुख्यालय की तरफ बढ़े, लेकिन दिल्ली पुलिस ने कुछ दूरी पर ही बैरिकेडिंग कर रखा था।

जब सीएम के साथ कार्यकर्ता वहां पहुंचा तो पुलिस ने रोक लिया और आगे नहीं बढ़ने दिया। इसके बाद अरविंद केजरीवाल सड़क पर ही बैठ गए और आधे घंटे तक अपनी गिरफ्तारी का इंतजार किए। जब पुलिस गिरफ्तार नहीं की तो सीएम समेत सभी नेता वापस लौट आए। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री को डर है कि भविष्य में भाजपा के लिए आम आदमी पार्टी चुनौती बनने जा रही है। इसलिए उन्होंने आप को खत्म करने के लिए ऑपरेशन झाड़ू चालू किया है। इसके तहत आप नेताओं को गिरफ्तार करेंगे और बैंक अकाउंट सीज करेंगे। आप देश के 140 करोड़ लोगों के सपने की पार्टी है। स्कूल-अस्पताल अच्छा किए, बिजली-पानी फ्री कर दिया और अब महिलाओं को हजार रुपए महीना देने जा रहे हैं। यही बात भाजपा से देखी नहीं जा रही है। केजरीवाल ने दावा किया कि ईडी का वकील पहले से ही कोर्ट में ये बयान दे चुका है कि चुनाव के तुरंत बाद आप बैंक अकाउंट सीज किए जाएंगे।

गिरफ्तारी देने के लिए जाते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, साथ में राज्यसभा सांसद संजय सिंह, मंत्री आतिशी, सौरभ व अन्य। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगियों ने कभी निर्भया के लिए न्याय मांगा था लेकिन आज वे एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कर रहे हैं जिसने उनके साथ साथ मारपीट की है।

आप ने मालीवाल पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठे मामले में फंसाने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि अगर

निर्भया के लिए न्याय मांगने वाले आज आरोपी के समर्थन में: स्वाति

● राज्यसभा सांसद ने कहा, आरोपी ने उनके साथ की थी मारपीट

आप नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज यहां होते तो शायद मेरे लिए चीजें इतनी बुरी नहीं होतीं। सिसोदिया वर्तमान में आबकारी नीति मामले के संबंध में तिहाड़ जेल में बंद हैं। मालीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह 13 मई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गई थीं तो उनके निजी सहायक (पीए) बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की थी। आप ने उनके आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया है कि मालीवाल केजरीवाल को फर्जी मामले में फंसाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रही हैं।

मालीवाल ने रविवार को कहा, एक समय था जब हम सब निर्भया को इंसाफ दिलाने के लिए सड़क पर उतरे थे, आज 12 साल बाद, हम एक ऐसे आरोपी को बचाने के लिए सड़क पर उतरे हैं जिसने सीसीटीवी फुटेज गायब किए और फोन से सब हटा दिया, काश उन्होंने इतना जोर मनीष सिसोदिया जी के लिए लगाया होता। वो यहां होते तो शायद मेरे साथ इतना बुरा नहीं होता, मालीवाल दस साल से अधिक समय पहले आप की स्थापना के समय से ही उससे जुड़ी हुई हैं।

युवक की हत्या के मामले में दो नाबालिगों समेत चार लोग पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में पुलिस ने 20 वर्षीय एक युवक की कथित रूप से हत्या करने को लेकर दो नाबालिगों समेत चार लोगों को पकड़ा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हत्या से पहले 20 वर्षीय इकबाल की आरोपियों से कई बार कहासुनी हुई थी। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आदिल अंसारी (19), फैसल (18) तथा 15 एवं 17 साल के दो नाबालिगों के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) जॉय तिर्की ने कहा, आरोपी एवं इकबाल एक ही इलाके सीलमपुर के गौतमपुरी से हैं। इकबाल अक्सर उन्हें (आरोपियों को) आसपास नहीं घूमने को कहता था। करीब एक सप्ताह पहले भी छोटी-मोटी बातों को लेकर सड़क पर आदिल की इकबाल से कहासुनी हुई थी। पुलिस उपायुक्त ने कहा, आदिल और उनके साथियों ने इकबाल को सबक सिखाने की साजिश रची।

हत्या के मामले में आठ साल बाद पकड़े गए आरोपी

नई दिल्ली। 2016 में भलस्वा डेयरी इलाके में युवक की चाकू मारकर हत्या में फरार दो आरोपियों विक्रम उर्फ विक्की और शिवा को अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 30 दिसंबर 2016 को मुकुंदपुर में रहने वाली वीणा देवी अपने घर पर थी। उनका बेटा चंचल भी वहां मौजूद था। विक्रम अपने भाई शिवा और दोस्तों इरशाद उर्फ बब्लू, विष्णु, राहुल, जैकी और अन्य के साथ घर में जबरन घुसा। विक्रम ने चंचल की बुरी तरह से पिटाई की विरोध करने पर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। भलस्वा डेयरी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को उनके ठिकानों पर छापेमारी करके गिरफ्तार कर लिया था।

केजरीवाल के कारनामों के राजदार बिभव : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वाति मालीवाल मामले में भाजपा को घसीटने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि घटना सीएम आवास पर हुई। बिभव ने महिला सांसद को पीटा, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मामले की पुष्टि की तो इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा कहां से आई।

सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिन पहले तक केजरीवाल मालीवाल को झांसी की रानी बुलाते रहे पर अब उसके साथ हुए दुर्व्यवहार हुआ तो एक शब्द नहीं बोल रहे। वहीं दूसरी ओर उनके सहयोगी बिभव की गिरफ्तारी का उन्हें बहुत दुख है और वह उसको लेकर सड़क पर उतर कर प्रदर्शन भी करने को तैयार हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर की मौजूदगी में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा के बाद यह

● बोले, घटना सीएम आवास हुई, आरोपी मुख्यमंत्री का सहयोगी है, पुष्टि संजय सिंह ने की, तो इस मामले में भाजपा कहां है

स्थापित हो गया की भाजपा विकास के साकारात्मक ऐजेंडा पर चुनाव जीतने उतरी है। वहीं हार के डर से केजरीवाल भ्रष्टाचार पर बचाव के नाम पर नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल और उनके प्रवक्ता बार-बार स्वाति मालीवाल के साथ हुए अभद्र दुर्व्यवहार में भाजपा का हाथ बता रहे हैं लेकिन केजरीवाल बताएं कि मालीवाल आम आदमी पार्टी की सांसद हैं, जहां घटना हुई वह मुख्यमंत्री केजरीवाल का अपना घर था, जिसने पीटा वह बिभव कुमार मुख्यमंत्री का सहयोगी है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आप संयोजक के साथ दिक्कत है कि हर वह व्यक्ति जो उनके सामने थोड़ा भी सच बोलता की है उसे वह भाजपा का एजेंट करार देते हैं। मालिवाल के साथ हुई घटना के एकमात्र जिम्मेदार केजरीवाल हैं। अब तो कार्यकर्ता भी बोलने लगे हैं कि अगर हम गलती से भी जय श्री राम का नारा बोल दें तो केजरीवाल कहते हैं कि अब तू भी जाने वाला है।

तीन मृत सफाई कर्मचारियों के परिजनों को मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शहर के अधिकारियों को 2017 में नाले की सफाई के दौरान मारे गए तीन सफाई कर्मचारियों के परिवारों को 30-30 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

न्यायालय ने परंपरागत तरीकों से सफाई में अपनी जान गंवाने वाले पीड़ितों के आश्रितों को देय मुआवजा मौजूदा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 30 लाख रुपए कर दिया था।

परिजनों ने याचिका में कहा कि अगस्त 2017 में लाजपत नगर में नाले की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई थी। याचिका में कहा गया है कि मृतकों को दिल्ली जल बोर्ड के एक उप-ठेकेदार ने काम पर लगाया था।

भ्रमित कर मुद्दों से बच रहीं भाजपा : कांग्रेस

● बोले, बेरोजगारी, महंगाई, कानून व्यवस्था, प्रदूषण जैसे ज्वलंत मुद्दो पर कांग्रेस केंद्र सरकार से मांग रही जवाब

अनिल भारद्वाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस के कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा कि लोकसभा चुनाव में आज आम लोगों से जुड़े, रोटी, कपड़ा, मकान और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों विशेषकर राजधानी में पर्यावरण, प्रदूषण, बेरोजगारी, मंहगाई, कानून व्यवस्था के मुद्दों पर कांग्रेस जनता की आवाज बनकर इन विषयों पर केन्द्र सरकार से जवाब मांग रही है, लेकिन भाजपा और उसके नेता इन मुद्दों से बचकर ध्यान भटकाने और भ्रमित करके असली मुद्दों से बच रही है।

अनिल भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस पूछना चाहती है कि दिल्ली 7 सांसदों का रिकॉर्ड ठीक नहीं रहा, जिस कारण भाजपा ने 6 सांसदों टिकट काटकर अपने उम्मीदवार बदल दिए। दिल्ली में विकास की विफलता और नाकामी के लिए जिम्मेदार सिर्फ यह सांसद चेहरे नही है बल्कि सातों सांसदों के साथ-साथ भाजपा सरकार की नीति, रीति और एकपक्ष कार्यशैली भी जिम्मेदार है। जिस वजह से दिल्ली की समस्याएं लगातार बढ़ी है और विकाराल रुप ले रही है। दिल्ली में पिछले 10 वर्षों से भाजपा के सांसद है लेकिन राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समस्याएं बढ़ रही हैं। रोड़ पार्किंग, समुदाय भवन व डीडीए के अंतर्गत आने वाली योजनाओं सहित पर्यावरण, यमुना सफाई की केन्द्र योजनाओं पर राजधानी में कोई ठोस काम नहीं हुआ है।

अभिभावक बढ़-चढ़कर मतदान करें : सीईओ

● संकल्प पत्र पहल के तहत 15.76 लाख से अधिक माता-पिता ने वोट करने का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से 25 मई को बढ़चढ़ कर मतदान करने की अपील है। इसके मद्देनजर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय कई तरह के कार्यक्रम चला है।

इसी कड़ी में सीईओ कार्यालय की संकल्प पत्र पहल ने दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद समेत अन्य सरकारी स्कूलों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब तक लगभग 16 लाख संकल्प पत्र माता-पिता के हस्ताक्षर के साथ वापस प्राप्त हो चुके हैं, जो आगामी चुनावों में भाग लेने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी. कृष्णमूर्ति ने इन सभी अभिभावकों से दिल्ली में 25 मई को मतदान प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महोत्सव में हर एक वोट कीमती है इसलिये अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। दिल्ली के सरकारी स्कूलों से लगभग 16 लाख हस्ताक्षरित संकल्प पत्र सीईओ कार्यालय वापस आने से इस पहल की प्रभावशीलता का पता चलता है। यह माता-पिता के बीच अपने बच्चों के प्रोत्साहन से प्रभावित होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संकल्प पत्र पहल का उद्देश्य मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और स्कूली बच्चों के प्रभाव का लाभ उठाकर उनके माता-पिता को अपने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। 25 मई को निर्धारित इस लोकतंत्र के त्योहार में युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी के कारण उत्साहपूर्ण मतदान देखने को मिलेगा। छात्रों को देश के भविष्य के पथप्रदर्शक के रूप में मान्यता देते हुए, यह पहल न केवल चुनावी भागीदारी को बढ़ावा देती है बल्कि कम उम्र से ही नागरिक कर्तव्य की भावना भी पैदा करती है। इन संकल्प

अभिभावकों के हस्ताक्षर हुए संकल्प पत्र के साथ बच्चे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की एमसीडी की मैराथन रन

● नगर निगम की वोटरों में जागरूकता बढ़ाने की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सात चरणों मे होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में 25 मई को छठे चरण में मतदान होगा। इसको लेकर तमाम राजनीतिक दल पूरे दम-खम के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी बीच दिल्ली नगर निगम ने चुनाव में मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने कई पहल की शुरु की है। इसी सिलसिले में एमसीडी लोस चुनाव में दिल्ली वालों की भागीदारी बढ़ाने के लिए 5 किमी मैराथन, रन फॉर डेमोक्रेसी का रविवार को नजफगढ़ क्षेत्र द्वारा रन फॉर डेमोक्रेसी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह द्वारका स्थित वेगस मॉल से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों की बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। मैराथन 25 मई को होने वाले चुनावों में नागरिकों की प्रतिभागिता को बढ़ाने और नागरिकों को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने की एमसीडी की पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आज के कार्यक्रम में न केवल मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया बल्कि प्रतिभागियों के बीच स्वास्थ्य और फिटनेस की भावना को भी बढ़ावा दिया। इसके अलावा दिल्ली नगर निगम के सभी 12 क्षेत्रों ने मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं। एमसीडी के अनुरोध पर विभिन्न बाजार संघों, गेस्ट हाउस एसोसिएशन, मॉल और भोजनालयों आदि द्वारा उन मतदाताओं को लोकतंत्र छूट की पेशकश की जा रही है जो अपनी उंगली पर स्याही का निशान दिखाएंगे। नजफगढ़ क्षेत्र के उपायुक्त बादल कुमार ने दौड़ के सफलता पर संतोष व्यक्त किया।

नजफगढ़ क्षेत्र में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इस मैराथन की मेजबानी करके खुश हैं। हम नागरिकों द्वारा की गई उत्साहपूर्वक भागीदारी और समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसके फलस्वरूप यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा। उन्होंने कहा कि नजफगढ़ क्षेत्र में आने वाले पांच विधानसभा क्षेत्रों में से द्वारका और मटियाला विधानसभा क्षेत्रों में मतदान में वर्ष 2024 में 65 प्रतिशित और वर्ष 2019 में 59 प्रतिशत तक उल्लेखनीय गिरावट देखी गई थी, इसलिए इस आयोजन के लिए द्वारका को स्थल के रूप में चुना गया है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 मई, 2024

हीट वेव ने बढ़ाई आमजन की परेशानी

चुनावी पारे के बीच गर्मी में गुरुग्राम का पारा पहुंचा 43 के पार, सुबह से लेकर देर रात तक चल रही गर्म हवा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एक तरफ तो चुनावी पारा चढ़ा हुआ है, दूसरी तरफ गर्मी का पारा चढ़ा तो हालात खराब हो गए। रविवार को गुरुग्राम का तापमान 43 डिग्री के पार रहा। सब कुछ जलता महसूस हुआ। सुबह से लेकर देर रात तक गर्म हवा और हीट ने आमजन की परेशानी बढ़ा रखी है। हर कोई इससे प्रभावित हो रहा है।

भीषण गर्मी में आमजन का जीना मुहाल हो गया है। पारा 43 डिग्री पार पहुंचने के साथ ही आम जनजीवन बहुत अधिक प्रभावित हो रहा है। बाजारों में भी वीरानी से छायी रहती है। कई सड़कें सुनसान नजर आ रही हैं। आग की लपटों की तरह धूप महसूस हो रही है। लोग जरूरत होने पर ही अपने घरों से निकल रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों व बीमारों की समस्या को बढ़ाने वाली यह गर्म हवाएं हैं।

झुलसा देने वाली गर्म हवा व चिलचिलाती धूप से खुद को बचातीं दो युवतियां।

गत एक सप्ताह से तापमान इसी तरह से बढ़ रहा है। लगातार तापमान बढ़ने से सामान्य जनजीवन, दुकानदारी, व्यापार आदि सब कुछ प्रभावित हो रहा है। क्योंकि बाजारों से ग्राहक भी गायब हैं। जो भीड़ बाजारों में होनी चाहिए, वह गर्मी के चलते नहीं हो पा रही।

ठंडे पेय पदार्थों की बढ़ी डिमांड: जितनी गर्मी अधिक बढ़ रही है, ठंडे पेय पदार्थों की डिमांड बढ़ रही है। कोल्ड ड्रिंक, आईसक्रीम, ठंडा पानी की खूब बिक्री हो रही है। बाजारों में फास्ट फूड की दुकानों से अधिक ठंडे पेय पदार्थों पर ग्राहकों की भीड़ अधिक नजर आ रही है। डॉक्टर्स की सलाह है कि अधिक गर्मी के बीच एकाएक ठंडे पेय पदार्थ का सेवन भी हमारी सेहत को खराब कर सकते हैं। पसीना आने पर तुरंत ठंडा पानी या कोई पेय पदार्थ नहीं पीना चाहिए। बाजार से अगर घर जा रहे हैं तो कम से कम 30 मिनट तक शरीर का तापमान सामान्य होने पर ही कुछ ठंडा पीयें। घर पहुंचते ही एसी के नीचे ना बैठकर पंखे के नीचे ही पसीने सुखाएं। ऐसा करके हम खुद को बीमार होने से बचा सकते हैं।

झुलसा देने वाली गर्मी पक्षियों की जान की दुश्मन

यह भीषण गर्मी सिर्फ इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पक्षियों की भी जान की दुश्मन बनी है। बेजुबान पक्षी अपने लिए दाना-पानी का जुगाड़ नहीं कर सकते, वे इंसानों पर ही निर्भर रहते हैं। गर्मी में पक्षियों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। बहुत सी जगह पर पक्षियों की जान जा रही है। हम इंसानों को पक्षियों के जीवन का भी ख्याल रखना चाहिए। जगह-जगह पर दाना-पानी रखें। पानी को बार-बार बदलते भी रहें, ताकि गर्म पानी से पक्षियों को दिक्कत ना हो। जिला प्रशासन की ओर से भी हीट वेव से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इंसानों के साथ पशु-पक्षियों को बचाने के लिए भी सलाह दी गई है।

मतदान से 48 घंटे पहले व मतगणना के दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

गुरुग्राम। देश में लोकसभा चुनाव के छठे चरण के तहत गुरुग्राम जिला में 25 मई को होने वाले मतदान व 4 जून को मतगणना की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला में शराब की दुकानें बंद रखने बारे आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि 25 मई को मतदान से 48 घण्टे पूर्व यानी 23 मई की शाम 6 बजे से 25 की शाम 6 बजे तक जिला में सभी शराब की दुकानें बंद रहेगी। इसके साथ ही 4 जून को मतगणना के दिन भी जिला में सभी शराब की दुकान खोलने की मनाही रहेगी। जिलाधीश ने पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 की धारा 54 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) गुरुग्राम को उपरोक्त आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीएम पब्लिक स्कूल में यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते थाना प्रभारी सुरेंद्र।

यतायात नियमों के बारे में किया जागरुक

फरीदाबाद। मुजेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र तथा पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी श्यामबीर की टीम ने सरूरपुर गांव स्थित बीएम पब्लिक स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और उनके परिजनों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नशे की विभिन्न प्रकार के सेवन के दुष्परिणाम आमतौर पर बहुत गंभीर होते हैं। यह एक समस्या है जो आधुनिक समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। नशे के सेवन से शरीर में अस्थिरता पैदा होती है। यह रसायनों के नशीले प्रभाव के कारण होता है, जो अंततः स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, नशे के दुष्परिणाम व्यक्ति, समाज, और स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए, हमें इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलानी चाहिए। इसके साथ ही आमजन को सड़क सुरक्षा यातायात नियमों तथा महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर किसी भी परिस्थिति में पुलिस मदद के लिए संपर्क करने का आह्वान किया।

लूट की फिराक में घूम रहे तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सैंट्रल प्रभारी दीपक लोहान की टीम ने लूट की फिराक में घूम रहे तीन आरोपियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सागर, भारत और विजय शामिल है। आरोपी सागर और भारत नेहरू कॉलोनी व डबुआ का तथा आरोपी विजय गांव समयपुर सेक्टर 58 का रहने वाला है। एएसआई विनोद, मुख्य सिपाही, जगदीप, सिपाही अमन, मोहित, कुलदीप सिंह समय करीब रात्रि 10:30 बजे गस्त पर थे। गस्त के दौरान गुप्त सूत्रों से प्राप्त हुई सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गांव फरीदपुर के एरिया से काबू किया गया है। आरोपी भरत से देसी कट्टा, आरोपी विजय से सरिया आरोपी सागर से डंडा बरामद किया गया है। तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना बीपीटीपी में लूट व अवैध हथियार की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपियों पर पूर्व में चोरी के 6 मुकदमे दर्ज हैं। जिन मुकदमे में आरोपी जमानत पर हैं। आरोपी देसी कट्टे को मथुरा बस स्टैंड किसी अनजान व्यक्ति से करीब 2 महीने पहले 3000 रुपये में वारदात के समय लोगों में भय बनाने के लिए खरीद कर लाया था। पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिला लीडरशिप को बढ़ावा दिया: जेपी नड्डा

- महिला मोर्चा सम्मेलन को भाजपाध्यक्ष ने किया संबोधित, बोले घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का समूह है

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

फरीदाबाद के सेक्टर-10 में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ महिला लीडरशिप को आगे बढ़ाने का काम किया हैं। उन्होंने महिलाओं की तारीफ करते हुए कहा कि महिलाओं के अंदर मल्टि टॉस्किंग स्किल होती है और इस स्किल को मोदी जी ने पहचाना है। महिला शक्तिकरण का परिणाम है कि संसद में 78 महिला सांसद हैं, जिनमें से 41 सांसद भाजपा की हैं। नड्डा रविवार को फरीदाबाद सेक्टर-10 में महिला मोर्चा द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नड्डा ने महिला शक्ति से भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर की जीत को बड़ी जीत में बदलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी महिला शक्ति घर-घर जाकर लोगों से वोटों की अपील करें और कृष्णपाल गुर्जर को 10 लाख से भी ज्यादा अंतर से जिताने में सहयोग करें। नड्डा ने कहा कि मोदी ने 2029 की लोकसभा के लिए नारी वंदन अधिनियम बनाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाते हुए देश की डिफेंस मिनिस्टर और फाइनेंस मिनिस्टर और विदेश मंत्री बनाने का साहस देश में किसी ने किया तो नरेंद्र मोदी ने किया। नेशनल सिक्योरिटी की कमेटी में स्वर्गीय सुषमा स्वराज और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के रूप में किसी महिला को स्थान देने का काम नरेंद्र मोदी ने किया।

नड्डा ने कहा कि नेशनल कमेटी से लेकर प्रदेश, जिला और मंडल तथा बूथ स्तर तक की कमेटी में महिलाओं को भागीदारी देने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया। उन्होंने कहा कि देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। अगर विकास की दृष्टि से बात करें तो चाहे डिफेंस सेक्टर, कारपोरेट सेक्टर, स्टार्टटप में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का काम पीएम मोदी ने किया है।

शादी के कार्ड की तरह दिया जा रहा मतदान का निमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- मतदाता पर्ची के साथ ही बीएलओ बांट रहे मतदाता निमंत्रण पत्र

जैसे विवाह-शादियों में रिश्तेदारों, जानकारों को आमंत्रित करने के लिए निमंत्रण पत्र यानी कार्ड दिए जाते हैं, ऐसे ही लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए निमंत्रण पत्र लोगों को दिए जा रहे हैं।

भारत एवं हरियाणा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला में लोकसभा चुनाव में 25 मई को मतदान करने के लिए बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वोटर स्लिप व आमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। इस बारे सभी विधानसभाओं के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव के मुताबिक लोकसभा चुनाव-2024 चुनाव का पर्व-देश का गर्व के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा कार्यालय द्वारा अनूठी पहल की गई है। मतदाताओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए बेहद सुंदर ढंग से सुसज्जित निमंत्रण पत्र तैयार किया है। जिसमें सभी औपचारिकताएं किसी सामान्य उत्सव के निमंत्रण की तरह ही लिखी गई हैं। इस निमंत्रण पत्र में संलोग्न है-भेज रहे हैं निमंत्रण, मतदाता तुम्हे बुलाने को, 25 को भूल न जाना वोट डालने आने को। उन्होंने बताया कि निमंत्रण पत्र को बड़े ही क्रिएटिव ढंग से तैयार किया गया है, जो मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है। विवाह के कार्ड के डिजाइन से प्रेरित कार्ड पर लिखा है कि हमारे चुनाव में मतदान करने जरूर आना।

मतदान के होते हैं पांच चरण: जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निमंत्रण पत्र के पिछली ओर किस प्रकार मतदान करना है, वह पूरी प्रक्रिया अंकित की गई है। मतदान प्रक्रिया में पांच चरण होते हैं। पहले मतदान के लिए लाइन में खड़ा होना है। उसके बाद मतदान अधिकारी मतदान सूची में मतदाता के नाम और उसके पहचान के दस्तावेज की जानकारी लेगा। तीसरे चरण में मतदान अधिकारी अंगुली पर नीली स्याही लगाएगा।

वृद्धों-दिव्यांगों के बाद कर्मचारियों के लिए बैलेट से मतदान प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बुजुर्गों व दिव्यांगों को घर से मतदान कराने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब कर्मचारियों के लिए बैलेट पेपर से मतदान की प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गई। सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में रविवार को पोस्टल बैलेट पेपर से दूसरे जिलों के गुरुग्राम में सेवारत कर्मचारियों के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू की। मतदान के लिए परिसर में पांच मतदान सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां फार्म 12 जमा करवाने वाले गुरुग्राम जिला में सेवारत तीन हजार 311 कर्मचारी अपना वोट 24 मई तक डाल सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि पुलिस, श्रम, खाद्य एवं पूर्ति, रोजगार विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा, सिंचाई सहित अन्य विभागों में जो कर्मचारी दूसरे जिलों के गुरुग्राम में सेवारत हैं, उनसे फार्म 12 जमा करवाया गया था।

जिले के 3311 कर्मचारियों ने यह फार्म जमा करवा कर पोस्टल बैलेट पेपर से वोट देने की सहमति प्रदान की है।

इन सभी कर्मचारियों के संबधित जिला निर्वाचन कार्यालयों से पोस्टल बैलेट पेपर मंगवाए गए हैं।

'महिलाओं को अधिकारों के लिए सामने आने की ज़रूरत'

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा रविवार को जिला फ़रीदाबाद की फ्रंटियर कॉलोनी में आयोग द्वारा चलायी जा रही मुहीम 'लीगल एवं साइबर अवेयरनेस इन स्लम' के विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने महिलाओं और नगरवासियों को उनके अधिकारों की रक्षा और आदर्श व्यवहार के विषय में जागरुक किया साथ ही जीवन मूल्यों और सामाजिक दायित्वों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति होने वाले संवेदनशील मामलों के ख़िलाफ़ राज्य महिला आयोग सख़्त से सख़्त कदम उठाता है परंतु महिलाओं को भी अपने अधिकारों के लिए सामने आने की ज़रूरत है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को साइबर क्राइम अपराधों के बारे में बताते हुए चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि महिलाओं के प्रति होने वाले साइबर अपराधों में हरियाणा राज्य महिला आयोग अपनी बहन बेटियों के साथ हर वक़्त साथ खड़ा है। उन्होंने महिलाओं को आसवासन दिया कि अगर किसी भी महिला का कोई भी मामला हमारे सामने आता है तो महिला आयोग और सरकार उसपे सख़्ती से काम करेंगे।

किसी भी उद्योग का पहला काम उत्पाद की अच्छी गुणवत्ता हो: डीपी गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ईशिका सैनिटरी उद्योग के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि का स्वागत करते आयोजक।

ईशिका सैनिटरी उद्योग की ओर से यहां एक होटल में डीलर्स के साथ तीसरा स्थापना दिवस मनाया गया। इस समारोह में कैनविन्न फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. डी.पी. गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। ईशिका सैनिटरी उद्योग के चेयरमैन एवं जिला मीडिया प्रमुख भाजपा गुरुग्राम डॉ. गजेंद्र गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस अवसर अपने संबोधन में डा. डी.पी. गोयल ने कहा कि केवल तीन वर्षों में ईशिका सैनिटरी उद्योग ने बाजार में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की कमी महसूस की जा रही थी। उस कमी को ईशिका सैनिटरी ने अपने उत्पादों के द्वारा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता किसी भी उद्योग का सबसे पहला कार्य होना चाहिए। जब तक उत्पाद में गुणवत्ता नहीं होगी, वह उत्पाद ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगा। उद्योग छोटा हो या बड़ा, इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि हम कम मार्जिन लें, मगर गुणवत्ता में समझौता ना करें।

अवैध होर्डिंग वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

- मुंबई जैसी घटना से बचने के लिए निगम बरत रहा सतर्कता
- नोडल अधिकारी तैनात, शहर के विज्ञापनों का करेंगे निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुंबई में पेट्रोल पंप पर गिरे होर्डिंग और उस हादसे में 16 लोगों की मौत, 75 लोग घायल होने की घटना के बाद गुरुग्राम नगर निगम ने अवैध होर्डिंग पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विभिन्न स्थानों पर लगे होर्डिंग को लेकर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है। वे अवैध होर्डिंग की जांच-पड़ताल करके कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

बीती 13 मई 2024 को मुंबई में एक पेट्रोल पंप पर विशाल होर्डिंग गिर गया था। इस हादसे में 16 लोगों की मौत व 75 लोग घायल हो गए थे। मुंबई की घटना को देखते हुए गुरुग्राम शहर भर में अवैध होर्डिंग और विज्ञापनों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। नगर निगम के नोडल अधिकारी संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार अब ऐसे होर्डिंग्स का निरीक्षण करेंगे जो अवैध हैं। उन्हें हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

प्रदीप कुमार ने कहा कि गलती करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त नरहरि सिंह बांगड़ की ओर से इस बाबत आदेश जारी किए गए हैं।

नगर निगम समय-समय पर अवैध विज्ञापनों को हटाने के लिए अभियान चलाता है। इस साल मार्च में नगर निगम ने उन 46 एजेंसियों को रिकवरी नोटिस जारी किया। जिन्होंने नगर निगम की मंजूरी के बिना शहर में विज्ञापन लगाए थे। निगम की ओर से नगर निगम को नुकसान पहुंचाने वाले 36 अनाधिकृत विज्ञापन लगाने वालों के खिलाफ पुलिस शिकायतें भी दर्ज कीं। यदि एजेंसियां होर्डिंग्स के लिए मंजूरी नहीं लेती हैं या विज्ञापन शुल्क का भुगतान नहीं करती हैं तो निगम विज्ञापन राजस्व से वंचित रह जाता है।

एकाग्रता का खेल है कैरम, भविष्य भी बना सकते हैं: बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विजेताओं को सम्मानित करते बोधराज सीकरी।

गुरुग्राम कैरम संघ की ओर से कराई गई अंतर विद्यालय कैरम प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। डीपीएसजी स्कूल सुशांत लोक में आयोजित इस प्रतियोगिता के विजेताओं को गुरुग्राम कैरम संघ के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पुरस्कृत किया।

पुरस्कार छह वर्गों के हर वर्ग में प्रथम चार-चार विजेताओं को दिए गए। इसमें उन्हें ट्रॉफी व डेकाथलॉन के बैग प्रदान किये गए। इस अवसर पर बोध राज सीकरी ने विजेताओं को बधाई दी। सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया। सीकरी ने कहा कि किसी भी प्रतिभागी को हार से निराश नहीं होना चाहिए। क्योंकि प्रतियोगिता में भाग लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है। बोध राज सीकरी ने बताया की कैरम का खेल एकाग्रता का खेल है। उन्होंने बताया जिस प्रकार अर्जुन की नजर सीधी मछली की आंख में टिकी थी, उसी एकाग्रता से विद्यार्थियों को कैरम का खेल भी खेलना चाहिए। अध्ययन भी करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कैरम के खिलाड़ी इस खेल को पेशेवर खेल के रूप में भी अपना सकते हैं। सीकरी ने भगवद् गीता से कुछ उद्धरण देते हुए प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरणा दायक बातें समझाई।

हरियाणा के सभी सरकारी विद्यालयों में स्थापित किए जाएंगे पजल कॉर्नर

- पजल्स से बच्चों में एकाग्रता और व्याख्या कौशल में होता है सुधार

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

अक्सर पहेलियां विद्यार्थियों को हल खोजने के लिए प्रेरित करती हैं। पहेलियों के साथ एक और अच्छी बात है कि इन्हें सुलझाते समय विद्यार्थियों को हल करने का तरीका खुद ही खोजना पड़ता है। पहेलियां हल करने से छात्रों में सोचने का कौशल तो विकसित होता ही है। इसी के चलते अब हरियाणा के सभी सरकारी विद्यालयों में पजल कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे।

गुरुग्राम जिला के विभिन्न खंडों में जिले के सभी प्राथमिक शिक्षकों के लिये निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत चार दिवसीय प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण कायक्रम चलाया जा रहा है। हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा राज्य में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यक्रम का विस्तारीकरण कर कक्षा चौथी एवम पांचवी कक्षा को भी शामिल किया जा रहा है। हरियाणा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) गुरुग्राम के निदेशक सुनील बजाज ने ट्रेनिंग सेंटर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 4/7 का दौरा किया। सभी अध्यापकों के साथ बातचीत करते हुए निदेशक सुनील बजाज ने शिक्षा में पजल्स की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एससीईआरटी द्वारा हरबंस पजल्स एवं कश्मीरी अमृत नामक पजल्स का निर्माण किया गया है। इसके तहत

अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोलते एससीईआरटी के निदेशक सुनील बजाज।

राज्य के सभी स्कूलों में एक पजल कॉर्नर की स्थापना की जाएगी, ताकि बच्चे इनको हल कर सकें। सुनील बजाज ने बताया कि पहेलियों से बच्चे की एकाग्रता और व्याख्या कौशल में सुधार होता है। प्रशिक्षण केंद्र के सभी अध्यापकों ने पजल्स के बारे में अपना फीडबैक लिखित रूप में भी जमा करवाया। उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे प्राथमिक शिक्षकों को बताया कि पूर्व-बीज गणितीय पहेलियां छात्रों को बुनियादी कार्य करने के लिए तैयार करने और उन्हें समस्या-समाधान कौशल बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मजेदार प्रतिस्थापन का उपयोग करती हैं। पजल्स अमूर्त तर्क को बढ़ावा देते हैं। छात्रों को उनके सामने आने वाली समस्याओं के बारे में गंभीरता से सोचने की चुनौती देते हैं।

राष्ट्रपति से शिक्षक अवार्ड से सम्मानित निपुण नोडल अधिकारी मनोज कुमार लाकड़ा के मुताकि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को विभाग द्वारा जारी शिक्षक संदर्शिका के आधार पर ज्ञान दिया जा रहा है। नवाचार और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान में दक्ष बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे वह उन्हीं क्रियाविधियों को अपनाते हुए कक्षा शिक्षण कराकर बच्चों को भाषा और गणित में दक्ष करते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा बालवाटिका से लेकर कक्षा पांचवी तक तक के सभी बच्चों को भाषा और गणित में दक्ष करना है।

मूक-बधिर बच्चों के स्कूल को दी सहायता

- एडीसी ने कंपनी के प्रयास को बताया सराहनीय कदम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के एडीसी को मूक बधिर स्कूल के बच्चों के लिए आर्थिक सहायता भेंट करते परफेटी कंपनी के अधिकारी।

सामाजिक सहभागिता कार्यक्रम के तहत परफेटी कंपनी ने रविवार को गुरुग्राम जिला प्रशासन के साथ मूक एवं बधिर बच्चों के स्कूल की सहायता के लिए एक एमओयू साइन किया है।

सीएसआर ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ गौरव सिंह ने बताया कि परफेटी कंपनी की सीएसआर हेड मोनिका मोर ने रविवार को जिला प्रशासन के साथ एक एमओयू साइन किया। एडीसी को एमओयू सौंपते हुए मोनिका मोर ने बताया कि उनकी कंपनी सेक्टर 15 स्थित मूक एवं बधिर बच्चों के स्कूल को 60 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगा। इस राशि को स्कूल में स्टाफ मुहैया कराने पर खर्च किया जाएगा।

सहायता को सराहनीय बताते हुए एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि निजी कंपनियां इसी प्रकार सामाजिक कल्याण की भावना से कार्य करे तो समाज में शक्ति का संचार होता है। एडीसी ने कहा कि समाज में दिव्यांग और विशेष दक्षता वाले बच्चों को हमें अपने साथ लेकर चलना चाहिए। उनकी उपेक्षा कदापि ना करें। ये बच्चे हमारे समाज का एक विशेष अंग है जिनको मदद और दुलार की जरूरत है। मोनिका मोर ने बताया कि इसी प्रकार की सहायता पुन्हाना के मूक-बधिर स्कूल को भी दी जाएगी।

राजपूतों को मनाने के लिए राजनाथ करेंगे रैलियां

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा 22 मई को राहुल गांधी हरियाणा में बढ़ाएंगे सियासी पारा

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा में 25 मई को होने जा रहे लोकसभा चुनाव के लिए आज से प्रचार अंतिम चरण में प्रवेश कर रहा है। इस अंतिम सप्ताह के दौरान चुनावी रण में उतरे सभी राजनीतिक रैलियों के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन करेंगे।

भीषण गर्मी के बीच प्रत्याशियों के लिए रैलियों में भीड़ जुटाना बड़ी चुनौती से कम नहीं है। हरियाणा में इन दिनों औसतन तापमान 46 डिग्री पर चल रहा है। इसके बावजूद मतदाताओं को रिझाने के लिए भाजपा तथा कांग्रेस पूरा जोर लगा रहे हैं। प्रचार के अंतिम दिनों में भारतीय जनता पार्टी ताबड़तोड़ रैलियां करके माहौल बदलने का प्रयास करेगी। हरियाणा में दो रैलियों को संबोधित कर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रचार समाप्ति से कुछ घंटे पहले फिर से हरियाणा में आएंगे।

भाजपा कार्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह झज्जर, हिसार व करनाल तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिरसा में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। आज ही उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता सतपाल महाराज सोनीपत व भिवानी में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। हरियाणा के कुछ हिस्सों में राजपूत समाज द्वारा भाजपा के बहिष्कार का ऐलान किया गया है। ऐसे में डैमेज कंट्रोल के लिए भाजपा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी हरियाणा के चुनावी रण में उतार दिया है। राजनाथ सिंह 22 मई को प्रदेश में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। जिसके तहत वह करनाल के घरौंडा, कैथल के कलायात तथा भिवानी में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 22 मई को रोहतक लोकसभा के अंतर्गत आते कोसली में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। हरियाणा में 25 मई को वोटिंग से पहले 23 मई की शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से हरियाणा आ रहे हैं। प्रधानमंत्री भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा हलके के अंतर्गत आते पाली में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से अभी तक नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की स्टार प्रचारक की भूमिका में हैं। इसके बावजूद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 21 मई को अंबाला लोकसभा के अंतर्गत आते जगाधरी में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

इसके अलावा 22 मई को राहुल गांधी के हरियाणा आने की चर्चा है। अभी कांग्रेस ने इसका कार्यक्रम जारी नहीं किया है। कांग्रेस में एसआरके ग्रुप की तरफ से किरण चौधरी जहां अपने हलके तक सिमटी हुई हैं वहीं रणदीप सुरजेवाला इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुशील गुप्ता के लिए प्रचार कर रहे हैं। सिरसा से चुनाव लड़ रही कुमारी सैलजा अपने चुनाव प्रचार के बीच अंबाला में वरूण मुलाना के लिए चुनाव प्रचार करने के लिए आ रही हैं।

हीटवेव का कहर, छुट्टी का फैसला ले सकते हैं जिला उपायुक्त

चंडीगढ़। हरियाणा में हीट वेव के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने स्तर पर एक जून से पहले स्कूलों में छुट्टियां करने के संबंध में फैसला कर सकते हैं। रविवार को अवकाश के बावजूद विद्यालय शिक्षा निदेशालय की तरफ से यह आदेश जारी किए।

हरियाणा में शनिवार व रविवार को औसत तापमान 46 डिग्री था। जिसके चलते आज निदेशालय की तरफ से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को यह निर्देश जारी किए गए कि राज्य सरकार द्वारा एक जून से गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई हैं। इसके बावजूद गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में जिला उपायुक्त अपने जिले के मौसम के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ बातचीत करके एक जून से पहले छुट्टियां कर सकते हैं। सरकार द्वारा जिला उपायुक्तों को दिए गए विशेष अधिकार 31 मई तक मान्य होंगे। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है कि वह अपने-अपने जिलों स्कूल प्रबंधकों से बच्चों के बारे में दैनिक रिपोर्ट लेकर जिला उपायुक्त को दें।

सी विजिल की शिकायतों के समाधान में हरियाणा आगे

- एप पर 6540 शिकायतें आईं, 4893 शिकायतों का किया 100 मिनटों में निपटारा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चुनाव आचार संहिता की उल्लंघना से लेकर मतदाताओं को प्रलोभन देना या फिर प्रचार के दौरान घोषणा और भ्रामक प्रचार को लेकर हरियाणा के लोग ज्यादा जागरुक हैं। यह अंदाजा सी-विजिल एप पर पहुंची शिकायतों से लगाया जा सकता है। अभी तक देशभर में चार चरणों के चुनाव में 4 लाख से ज्यादा शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से सबसे ज्यादा हरियाणा से 6 हजार से ज्यादा हैं।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने बताया कि देश के 36 राज्यों के मतदाता सी विजिल ऐप का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। अब तक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की 4 लाख 24 हजार 320 शिकायतें आयोग को प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जो भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है, वहां से मात्र 6 हजार शिकायतें ही प्राप्त हुई हैं जबकि हरियाणा में 6540 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। गुजरात जैसे बड़े राज्य से भी 5347 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें सीधे आयोग तक पहुंचाने के लिए तैयार किया गया सी विजिल ऐप कारगर सिद्ध हो रहा है। सी-विजिल एप के जरिये सीधी शिकायत चुनाव आयोग के पास पहुंच रही है। अभी तक चुनाव आयोग 6540 शिकायतें पहुंची हैं, जिनमें से 4893 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

सी-विजिल एप पर आने वाली शिकायतों का 100 मिनट के भीतर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने हरियाणा के 2 करोड़ 76 हजार 441 मतदाताओं से अपील की है कि जब भी उन्हें चुनाव में किसी प्रकार के प्रलोभन या डरा-धमका कर वोट देने की धमकी की जानकारी मिलती है तो वे सी विजिल ऐप पर आयोग के पास इसकी शिकायत भेजें। उन्होंने 25 मई को प्रदेश में होने वाले चुनाव निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से कराने में आयोग की टीम को सहयोग करने का आह्वान किया।

देश-प्रदेश में बनेगी कांग्रेस की सरकार: महेन्द्र प्रताप

- कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनावी सभाएं कर अपने लिए मांगा समर्थन

दयाराम वशिष्ट। फरीदाबाद

चुनावी सभा में मंचासीन कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र प्रताप सिंह, लखन सिंगला व अन्य।

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व केबिनेट मंत्री चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को अपने चुनावी अभियान के तहत एक दर्जन चुनावी सभाओं को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

महेन्द्र प्रताप ने छोटूराम पॉर्क सेक्टर-7, ईरोज चार्मवुड, दयालबाग, शिवदुर्गा बिहार, नीलम बाटा रोड वैश्य भवन एसी नगर, आई ब्लॉक शिव दुर्गा बिहार, सेक्टर-4, अनाज मंडी किसान भवन, सेक्टर-3 बल्लभगढ़, सेक्टर-11 छोटूराम पॉर्क, जवाहर कॉलोनी व ग्रीन फील्ड में आयोजित चुनावी सभाओं में जहां उनका लोगों द्वारा पगडी बांधकर गर्मजोशी के साथ जोरदार स्वागत किया गया वहीं समाज की ओर से पगड़ी बांधकर व फूलों की बडी माला पहनाकर अपने खुले समर्थन का आर्शीवाद भी दिया गया। सभाओं में भारी भीड़ से उत्साहित कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आपकी हाजरी और उत्साह बता रहा है कि इस बार आपने कांग्रेस को विजयी बनाने का पक्का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां देहात क्षेत्र में कांग्रेस के पक्ष में एकतरफा हवा चल निकली है वहीं शहरी क्षेत्र में भी लोगों के समर्थन से दिन-प्रतिदिन कांग्रेस का ग्राफ बढा है। क्योंकि यह चुनाव भ्रष्टाचार और ईमानदारी पर आकर खडा हो गया है और आप ईमानदारी को चुन रहे हैं जिसकी आवाज समूचे प्रदेश में जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में फरीदाबाद नंबर वन था। परन्तु आज भाजपा के कार्यकाल में फरीदाबाद फकीराबाद बनकर रह गया है।

भाजपाई स्मार्ट स्टी बता रहे हैं जबकि फरीदाबाद कूढा सिटी में तब्दील होती जा रही है। यहां प्रदूषण की समस्या भी विकराल रूप धारण कर रही है। वहीं युवाओं को रोजगार उपलब्ध न होने के कारण बेरोजगारी बढ गई है।

भाजपा नेता धर्मेन्द्र तेवतिया हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि देश में कानून का शासन खत्म हो रहा है। मौजूदा सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किया है। आज देश का युवा बेराजगारी के दलदल में फंसता जा रहा है जो एक बडी चिंता का विषय है। देश-प्रदेश में भाजपा अंग्रेजों की तर्ज पर कार्य करते हुए दमनकारी नीति अपनाकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। लेकिन अब देश-प्रदेश की जनता इनके जोर-जुम्मों के आगे झुकने वाली नहीं है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर वोट की चोट से चलता करेगी। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में दस की दस सीट इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से जीतेगी।

पीवी स्कूल ऑफ डांस ने मनाया छठा वार्षिकोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीवी स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते छोटे बच्चे।

पीवी स्कूल ऑफ डांस द्वारा छठे वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र मित्र मंडल एव फोटो जर्नालिस्ट एसोसिएशन फरीदाबाद के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजन मुथरेजा रहे जिन्होंने अक्षय पांचाल व अन्य साथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मंच संचालन रमाकांत गुप्ता ने किया।

इसके पश्चात सरस्वती वंदना डांस पी.वी स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत थीम के आधार पर नन्हें सितारे ने मम्मी पापा के दुलारे, नन्हें कलाकार की प्रस्तुति दी एवं इसी श्रृंखला में असली हिपहॉप, भंगड़ा फ्यून, बोलीवुड ब्लाक बस्टर, हिपहॉप मास्टर, गेंग ऑफ ब्रदर्स, भंगड़ा धमाल एवं तुलिका पराशर, श्रावणी, समर्थ, पावनी, बल्वीन, शोभित, अंकित, अजय, रिशब, लकी, अक्षय पांचाल द्वारा डांस का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में राजेंद्र पंचाल, डॉली अदलखा, कविता खटाना, डार्क एंजेल्स से मानव जयंत व अरविन्द, गणेशा डांस एकेडमी से अतुल त्यागी, चैतन्य टेक्नो स्कूल से अनिल खटाना, जानवी, गीतांजली, सुरभि, कृति उपस्थित रहे।

एमसीएमसी कमेटी की अनुमति से ही जारी हो विज्ञापन: शांतनु

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव की प्रक्रिया के दौरान सोशल मीडिया, केबल संचालक और सिनेमा हॉल संचालक एमसीएमसी कमेटी के प्रमाण पत्र के बगैर किसी भी चुनाव से संबंधित विज्ञापन का प्रसारण नहीं कर सकते। बिना अनुमति के चुनावी विज्ञापन का प्रसारण करने पर केबल संचालक के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शांतनु शर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) का गठन किया गया है और जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कुरुक्षेत्र को इस कमेटी के सदस्य सचिव बनाया गया है।

जिला के सभी केबल संचालकों को एमसीएमसी के माध्यम से समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन निर्धारित समय पर करना जरूरी है। एमसीएमसी केबल चैनलों की गहनता से मॉनिटरिंग कर रही है।

'आप प्रत्याशी का बहिष्कार करेगा अग्रवाल समाज'

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

- आप व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा, नवीन जिन्दल को दिया समर्थन

आम आदमी पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गर्ग ने रविवार को पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ हुई गुंडागर्दी के विरोध में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन के पहले से जो बेटी हमारे हर सुख-दुख में साथ थी, उसके साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जो मारपीट और बदसलूकी कराई, उससे पूरा अग्रवाल समाज शर्मसार है। इस घटना के खिलाफ पूरा अग्रवाल समाज एकजुट है और वह पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुशील गुप्ता का बहिष्कार करेगा। उन्होंने घोषणा की कि उनका समाज भारतीय जनता पार्टी नवीन जिन्दल का दिल से समर्थन कर उन्हें भारी मतों से जिताएगा।

कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के नेता के साथ-साथ अग्रवाल सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे सुरेश गर्ग ने कहा कि जो व्यक्ति घर की बेटी के साथ गुंडागर्दी कर सकता है, वो किसी के साथ कुछ भी कर सकता है। विडंबना है कि केजरीवाल जुल्म का जवाब वोट से देने की अपील करता फिर रहा है लेकिन वह अपने घर में ही जुल्म कर रहा है।

पूर्व सरपंच ने कांग्रेस छोड़ थामा भाजपा का दामन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

मामराज सैनी व फूल कुमार को पार्टी में शामिल कराने के दौरान साहिल सुधा।

कुरुक्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान गांव भिवानी खेड़ा के पूर्व सरपंच मामराज सैनी, फूल कुमार सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी को अलविदा करके भाजपा युवा नेता साहिल सुधा के नेतृत्व में भाजपा का दामन थाम लिया। साहिल सुधा ने कहा कि पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों को पार्टी में पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। भाजपा की जन हितैषी नीतियों के कारण कई बड़ी पार्टियों के नेता व कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

साहिल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में प्रदेश में बेहतरीन कार्यप्रणाली के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती।

PUBLIC NOTICE

Sat Narayan Hospital, Delhi, registration number DGHS/NH/1410 has decided to destroy the medical records of Indoor patients except (Priag, death, medical cases) those who were admitted during the period of 6 Nov. 2016 to 31 March 2021 patients, relatives, clinics who want to retrive their medical record should contact the Chief of medical administration of Satnarayan Hospital Delhi with in one month from day of advertisement for the process of retrival one must contact with IP No., full name of patient alone with proof of relation with the patient.

Please contact on Email I.D.
contectus@satnt.com
Sat Narayan Hospital
Ph.: 9718639485, oppo. Shri Ram Dharam kanta
Main Kanjhawal Road,
Budh Vihar Phase -I, Delhi-110086

'पारदर्शिता के साथ चुनाव संपन्न कराएं पोलिंग पार्टियां'

- दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारियों ने कर्मचारियों को दिए निर्देश

पीएनएस। पलवल/होडल/ हथीन

मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए पलवल, होडल और हथीन विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त प्रीजाइडिंग ऑफिसर्स, अल्टरनेट प्रीजाइडिंग ऑफिसर्स व पोलिंग ऑफिसर को चुनाव से संबंधित जानकारी देने के लिए विधानसभा वाइज दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर रविवार को सुबह और शाम के सत्रों के साथ संपन्न हो गया। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में पोलिंग पार्टी सदस्यों को वीडियो के माध्यम से ईवीएम व वीवीपैट मशीनों के संचालन के बारे में जानकारी दी गई। जिला के तीनों उपमंडल के सहायक निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पोलिंग पार्टियों को शांतिपूर्वक व पारदर्शिता से चुनाव संपन्न कराने और पूरी सहजता व सतर्कता के साथ ड्यूटी करने की हिदायत दी गई।

पलवल में सरस्वती महिला महाविद्यालय में प्रशिक्षण शिविर का रविवार को दूसरे दिन सुबह व शाम के सत्र में आयोजन किया गया। इस दौरान उपमंडल अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रीजाइडिंग ऑफिसर्स, अल्टरनेट प्रीजाइडिंग ऑफिसर्स व पोलिंग ऑफिसर एक टीम भावना के साथ तालमेल बनाकर कार्य करें।

Format C-7

(for political parties to publish in the newspapers, social media platforms & website of the party)

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates

(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 536 of 2011)

Name of Political Party : INDEPENDENT
***Name of the Election : GENERAL ELECTION TO LOK SABHA 2024**
Name of State/ UT : DELHI
(1) Name of the Constituency - **05-NORTH WEST DELHI**
Name of the candidate - **PARMENDRA MANJHI**

Sl.No.			
1.	**Criminal antecedents**		
(i)	a.	FIR No. With name and address of police station concerned.	656/2015, P.S, Kanjhawala
	b.	Case no. with name of the court	612/2018, SH. BABRU BHAN, ADD. SESSION JUDGE, ROHINI COURT, DELHI
	c.	Section(s) of concerned Acts/Codes involved (give no. of the section, e.g. section.... Of IPC, etc.)	147,149,186,353,332,333,342, 506/34 IPC
	d.	Brief description of offense	ASSAULT BY MOB DURING PUBLIC DEALING
	e.	Whether charges have been framed (mention YES or NO)	YES
	f.	If answer against (e) above is YES, then give the date on which charges were framed.	02/08/2023
	g.	Whether any appeal /application for revision has been filed against the proceedings (mention YES or NO)	YES
2.		The reasons for the selection of the candidate Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words	The candidate is prominent among the people of the constituency and helped the needful people during the hard time. The candidate always ready for social & developmental works of the area. Thus, he has been preferred over others.
3.		Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more needful people during the hard time. not more than 100 words)	The candidate is prominent among the people of the constituency and helped the needful people during the hard time. The candidate is always ready for social & developmental works of the area. Thus, he has been preferred over others.

(2) Name of the Constituency- **05-NORTH WEST DELHI**
Name of the candidate- **Parmendra Manjhi**
* In the case of election to Council of States or States or election to Legislative Council by MLAs. mention the election concerned in place of name of Constituency.

PARMENDRA MANJHI
(Signature of the Candidate INDEPENDENT)

FORMAT C-7

(FOR POLITICAL PARTIES TO PUBLISH IN NEWS PAPERS, SOCIAL MEDIA PLATFORMS & WEBSITE OF THE PARTY)

(As per the Commission's directions issued in pursuance of the order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 OF 2018 WP (C) no. 536 of 2011)

Name of the Political Party : Indian National Congress
Name of the Election : General Election Lok Sabha 2024
Name of State/UT : Delhi
(1) Name of the Constituency : **North - West Delhi**
Name of the Candidate : **Dr. Udit Raj**

s.no.			
1	**Criminal antecedents**		
	a	Nature of Offences	1. Criminal U/S 188/269/283 IPC R/W SEC 3 Epidemic Diseases Act R/W 51(b) Disaster Management Act. 2. Criminal U/S 188 IPC 3. Criminal U/S 153 IPC R/W61(D) IT ACT
	b	Case no.	1. FIR NO. 150/21 Dated 12/08/2021 PS-Parliament Street 2. FIR NO. 12/24 Dated 22/02/2024 PS-Parliament Street 3. FIR NO.158/2021 PS- Kotwali Sadar, Unnao
	c	Name of the Court	1. Case FIR No 150/2021 was pending in the Court of Ms. Anamika, MM, PHC but vide order dated 28/02/2024 the case was transferred for the MP/MLA Court Rouse Avenue and Vide order dated 05/03/2024 Ld. Principal District Judge sent the same to Delhi High Court for the assignment in MP/MLA Court but till date no court has been assigned for the adjudication of the case. 2. Charge-sheet has not been filed in Case FIR No.12/2024 PS-Parliament Street and matter is pending investigation at PS - Parliament-street. 3. Charge has not been framed in case FIR no. 158/2021 PS - Kotwali Sadar.
	d	Whether Charges have been Framed or not (Yes/No)	NO
	e	Detail of punishment undergone, if any	N/A
	f	Any other information required to be given	The above-stated cases are false, fabricated and politically motivated.
2	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the polls (not more than 100 words)		Dr. Udit Raj is former IRS and his vast Knowledge and experience in Public service and impeccable character were inter-alia , reasons for his selection as Candidate for North-West Constituency.
3	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates (not more than 100 words)		Dr. Udit Raj is former member of Parliament and Common People of North-West Delhi Constituency loved his works for the welfare of the Common people and hence on the demand of the people of North-West Delhi, he was preferred over other candidates.

(2) Name of the constituency : **North - West Delhi**
Name of the Candidate : **Dr. Udit Raj**

- In the case of election to council of states of states or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

Signature of Office bearer of the political Party
Name and designation
Davinder Yadav
President

भयानक गर्मी

स्वास्थ्य को खतरा

भारतीय मौसम विभाग-आईएमडी ने भयानक गर्मी की चेतावनी दी है जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों ने उत्तर-पूर्वी भारत में अगले सप्ताह भयानक गर्मी और लू का पूर्वानुमान लगाया है। यह घोषणा लगातार लगातार तापमान बढ़ने के बीच आई है। इससे लोगों की बेहतरी व सुरक्षा के समक्ष व्यापक चुनौतियां पैदा होती हैं। तापमान के खतरनाक स्तर तक पहुंचने को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग-आईएमडी ने नागरिकों, अधिकारियों तथा स्वास्थ्यसेवा प्रदाताओं को इसके प्रभावों से मुकाबला करने की सलाह दी है। भयानक गर्मी का अर्थ लंबे समय तक बहुत अधिक तापमान बने रहने के साथ अक्सर आर्दता का स्तर बहुत बढ़ना होता है। इससे गर्मी-संबंधी बीमारियों व मौत तक का खतरा पैदा हो सकता है। उत्तर पूर्वी भारत में राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ भाग तथा मध्य प्रदेश राज्य शामिल हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण इनको अत्यधिक गर्मी का खतरा खासतौर से होता है। लंबे समय तक बहुत अधिक तापमान के संपर्क में रहने के कारण लोगों को विभिन्न तकलीफें हो सकती हैं। इनमें थकावट, लू लगना, निर्जलीकरण तथा शरीर में ऐंठन शामिल हैं। मौसम की ऐसी अत्यधिक खराबी वाली स्थितियां पहले से ही संकटग्रस्त लोगों के लिए जोखिम और बढ़ा देती हैं जिनमें वृद्ध, बच्चे, गर्भवती महिलायें तथा स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे लोग शामिल हैं। गर्मी-संबंधी बीमारियां तेजी से उभर कर फैल सकती हैं जिससे निपटने के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता जरूरी होती है। पीड़ित लोगों में सुस्ती, मिचली, दिल की धड़कन तेज होना, भ्रम व बेहोशी जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं जिनको गंभीरता से लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से कोई भी व्यक्ति प्रकृति से लड़ नहीं सकता है, पर उसे हमेशा इसके बुरे प्रभावों से अधिकाधिक सीमा तक बचाने का प्रयास किया जा सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के विपरीत प्रभावों से बचाने के लिए नागरिकों में समग्र जन-जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। इन अभियानों में नागरिकों को भयानक गर्मी और लू से पैदा होने वाले जोखिमों से निपटने और इससे बचने के निरोधक उपायों के बारे में जानकारी दी जा सकती है। फुटपाथों व मलिन बस्तियों में रहने वालों के स्वास्थ्य को अधिक खतरा होता है। संकटग्रस्त जनसंख्या को महत्वपूर्ण सहायता देने के लिए 'कूलिंग सेंटरों' की व्यवस्था होनी चाहिए जहां एयरकंडीशनिंग, पंखों व पानी की समुचित व्यवस्था हो। लोगों को समुचित मात्रा में पानी पीते रहने तथा भयानक गर्मी के समय ठंडे व छायादार स्थानों में ठहरने को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। 'प्याऊ' की पुरानी व्यवस्था समाप्त होने के बाद अब पानी केवल बोतलों में ही उपलब्ध होता है। सरकार को 'वाटर कियोस्क' की व्यवस्था करनी चाहिए जहां लोगों को आवागमन के समय मुफ्त स्वच्छ पेयजल मिल सके। इसके साथ ही शहरी नियोजन रणनीतियों में हरित स्थल बनाने, पेड़ लगाने तथा ऐसी प्रत्यावर्तन सतहें बनाने पर ध्यान देना शमिल किया जाना चाहिए जो शहरी 'हीट आईलैंड प्रभाव' को न्यूनतम कर आरामदेह तापमान सुनिश्चित कर सकें। गर्मियों में पानी की कमी और बिजली की कटौती से स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। ऐसे में अधिकारियों को बिजली कटौती न्यूनतम रखने तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। उत्तर-पूर्वी भारत में भयानक गर्मी को देखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान सतर्क व सही सूचनाओं से लैस रहने तथा जोखिम घटाने के प्रयास करने की चेतावनी है।

श्रीलंका में युद्ध के भयावह परिणाम

अवर्णनीय भयावहता तथा लगातार जारी हिंसा की भयानक यादें अभी जनमानस में जीवित हैं। इससे युद्धों की भयावह मानवीय विभीषिका पर गंभीर समझदारी की आवश्यकता उजागर होती है।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पंद्रह साल पहले आज जैसे किसी दिन अंतिम गोली चली थी जिससे श्रीलंका में 30 साल लंबे युद्ध का अंत हुआ था। अब उस समय की भयानक यादें स्मृतियों का हिस्सा बन गई हैं, लेकिन उसकी यादें अभी भी लोगों को झकझोर देती हैं। मेरा उद्देश्य यहां राजनीतिक विश्लेषण करने के बजाय अवर्णनीय मानवीय त्रासदी पर गौर करना है जिसका सामना इस देश के लोगों को करना पड़ा था। यह कष्ट केवल उन लोगों तक सीमित नहीं था जहां भयानक युद्ध छिड़ा था, न ही इसका संबंध किसी खास समुदाय से था जिसे उत्पीड़न के लिए चुना गया था। अनेक प्रकार से उस समय पूरा देश अनेक प्रकार के दुश्मनों से लड़ रहा था। एक मासूम बच्चे के रूप में मेरे मन में उन दिनों की भयानक त्रासदियां जमी हुई हैं। उस समय मेरी आयु केवल 6 साल थी।

गांव में दूसरे लोगों की तरह मैं अपनी मां का हाथ पकड़े उस समय जल्दी से एक स्थान पर पहुंचा था। हम सबने अधजली लाशों को देखा था। मौतों की भयावह छाया हमारे ऊपर हावी थी और हम उसकी पकड़ से किसी तरह बचने का प्रयास कर रहे थे। जहां हमारे समुदाय के लोग रहते थे वहां सड़क के किनारे एक लाश पड़ी थी। कुछ लोग आग से आधे जल चुके थे और उनकी चीखें वातावरण में गूंज रही थीं। ऐसा लगता था कि कुछ क्रूर लोगों ने हमारा भविष्य अंधकारमय कर दिया था। आज भी हमलावरों की पहचान रहस्य बनी हुई है, लेकिन उनकी क्रूरता असीम थी। हिंसा के उस दौर में उनको पीड़ितों के परिवारों की जरा भी चिन्ता नहीं थी। वे लोगों की बेलगाम तरीके से हत्यायें कर रहे थे। वह दुर्भाग्यपूर्ण दिन मुझे आज भी अराजकता और निराशा से ध्वस्त हुई अपनी दुनिया की याद दिलाता है। किसी मरे हुए आदमी की खोपड़ी पीड़ा की प्रतीक की तरह पड़ी थी। कभी यह आदमी भी मुस्कराता होगा, पर अब उसके दांत निर्जीव चेहरे से बाहर झांक रहे थे। किसी जलते हुए टायर के प्रकाश में लाशें ही लाशें दिख रही थीं। ये उन उत्पीड़कों की हिंसा और क्रूरता की निशानी थीं जिन्होंने हमारे समुदाय पर पूरी बर्बरता और नृशंसता से हमला किया था।

लेकिन यह श्रीलंका में जन विमुक्ति पेरामुना-जेवीपी के दूसरे विद्रोह से पैदा अराजकता का केवल एक प्रकरण था। उस समय की भयावहता अब भी मेरे दिमाग में जीवित है। यह इस बात का प्रतीक है कि कैसे एक पीढ़ी हिंसा और निराशा से भरी दुनिया में पली-बढ़ी थी। इस पीढ़ी के माता-पिता के लिए जीवित बचे रहना ही एकमात्र लक्ष्य था और हर दिन वे मौत के शिकंजे में फंसने से बचने के लिए संघर्ष करते थे।

ऐसे में राज्य के साथ खड़े होने पर क्रांतिकारियों के गुस्से का शिकार बनना था जो अचानक कहीं से प्रकट होते और अपनी समझ से 'न्याय' कर गायब हो जाते थे। इसके उलट, क्रांतिकारियों से जुड़ने का अर्थ राज्य मशीनरी से तत्काल क्रूर प्रतिक्रिया का शिकार बनना था जो विरोधियों की तलाश करने और उनसे क्रूरतापूर्वक निपटने में कोई कसर नहीं छोड़ती थी। यह उस युग का कटु यथार्थ था जिसकी कोई सीमा नहीं थी और जिसमें दया का कोई स्थान नहीं था। देश के सिंहली-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में विद्रोह की ज्वालायें बेलगाम होकर भड़क रही थीं, जबकि तमिलों और मुसलमानों के प्रभुत्व वाले उत्तरी व पूर्वी क्षेत्रों में भी आतंक पसरा था। यह उन सभी लोगों के लिए भय का कारण था जो यथास्थिति को चुनौती देने की हिम्मत करते थे। इस प्रकार विभाजित स्थितियों वाले देश में नस्ली और वैचारिक सीमायें धुंधली हो गई थीं तथा लगातार हिंसा व निरपराध लोगों की पीड़ा की कोई सीमा नहीं थी। हाईस्कूल में पढ़ाई के दौरान मैंने देश में तमिल सशस्त्र समूहों व खासकर लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम-लिट्टे की भयावह छाया फैलती देखी। भूटान के थिम्पू में शांति वार्ताओं के बाद लिट्टे ने अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए क्रूर अभियान चलाया। उसने उन सभी तमिल समूहों का सफाया कर दिया जो उसके अधिकार को चुनौती देते थे। श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार तथा तमिलनाडु की राज्य सरकार द्वारा पहले समर्थित समूहों को भी इस अत्याचार से मुक्ति नहीं मिली। लिट्टे स्वयं को तमिल हितों के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में स्थापित करना चाहता था।

इस खूनी संघर्ष के साथ ही लिट्टे ने आतंक की एक लहर पैदा की जिसका उद्देश्य उत्तरी प्रायद्वीप से सिंहलियों व मुसलमानों को जबरन बाहर निकालना था। उसे अपने घर व आजीविका छोड़ कर भागने वालों की जरा भी चिन्ता नहीं थी। अनेक मुस्लिम इस भयानक हिंसा से बचने के लिए हर संभव परिवहन साधन से भाग कर सरकार-नियंत्रित क्षेत्रों में पहुंचने लगे। उनको उम्मीद थी कि वहां वे अराजकता से मुक्त होकर अपने घर बना सकेंगे। इन विस्थापित लोगों में दृढ़ता व विजय की अनेक कहानियां सामने आईं क्योंकि उनमें से अनेक अपना जीवन व्यवस्थित करने में सफल हुए। उनमें से कुछ अंतत: प्रमुख बिजनेसमैन व प्रभावशाली राजनेता बनने में सफल हुए। लेकिन उनकी इन विजय गाथाओं में विस्थापन और नुकसान की त्रासदियां छिपी थीं। इस सफलता के लिए उनको टकराव और उथलपुथल के कारण भयानक मानवीय कष्ट उठाने पड़े थे। लिट्टे द्वारा फैलाया आतंक बहुत सटीक ढंग से काम करता था अपनी फासिस्ट विचारधारा का विरोध करने वाले किसी व्यक्ति को छोड़ता नहीं था।

इसकी शुरुआत प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के सफाए से हुई। इसके बाद उसकी हिंसा का शिकार न केवल दूसरे नस्ली समुदाय, बल्कि तमिल बुद्धिजीवी भी थे जो दूसरे राजनीतिक समीकरणों की वकालत करते हुए आत्मनिर्णय के अधिकार की पैरवी करते थे। जाफना में रजनी थिरांगमा की हत्या हुई जो सम्मानित बुद्धिजीवी तथा तमिल अधिकारों की पैरोकार थीं। यह लिट्टे द्वारा अपने विरोधी स्वर कुचलने का एक उदाहरण था। सुश्री रजनी के पिता ए. राजासिंघम ने कुछ साल बाद कोलम्बो में मुझसे बात करते हुए अपनी बेटी की असमय हत्या का हृदयविदारक वर्णन किया था। उनके वर्णन से स्पष्ट होता है कि लिट्टे तमिल लोगों पर अपनी इच्छा थोपने के लिए हिंसा और दबाव की किस सीमा तक जा सकता था। तमिल बुद्धिजीवियों की संख्या कम करने के बाद लिट्टे ने अपना नया लक्ष्य तय किया। वह बच्चों की अपनी कतारों में भर्ती करने लगा। हजारों मासूम किशोरों को जबरन उनके परिवारों से छीन लिया गया, उनको अथक रूप से 'वैचारिक घुट्टी' पिलाई गई और इसके बाद युद्धक्षेत्र में झोंक दिया गया। इन मासूम बच्चों और किशोरों को इतने भारी हथियार लादने और ढोने के लिए मजबूर किया गया जो उनकी आयु तथा भार वहन सीमा से बहुत अधिक थे।

लिट्टे ने इनमें से कुछ बच्चों और किशोरों को आत्मघाती हमलावरों में बदल दिया। इन आत्मघाती आतंकियों के माध्यम से राजनेताओं तथा निहत्थे नागरिकों को समान रूप से निशाना बनाया गया ताकि लिट्टे का वर्चस्व स्थापित हो सके। युद्ध संवाददाता के रूप में मैंने इन 'बाल सैनिकों' की पीड़ा निकट से देखी है जिनमें से कुछ अपने हथियारों को ठीक से उठा तक नहीं पाते थे। उनमें से अनेक कुपोषित थे और उनके हड्डियों के ढांचे उनकी मजबूरी बताते थे। ये बच्चे भी अन्य बच्चों की तरह स्कूल जाने के सपने देखते थे, लेकिन वे कभी पूरे नहीं हुए। लिट्टे द्वारा ढाए अत्याचारों की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने अनेक निरपराध लोगों पर अत्याचार ढाने के साथ ही उन लोगों की जेबें भी भरीं जो इस अराजकता में मुनाफा कमा रहे थे।

सुदूर पश्चिमी देशों में भी रहने वाले तमिल लिट्टे के आतंक, वसूली और उत्पीड़न का शिकार हुए। उनको हिंसा या श्रीलंका में रहने वाले अपने प्रिय जनों की हत्या की धमकी पर लिट्टे को पैसा देने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन 'ह्यूमन राइट्स वाच' जैसे संगठनों की रिपोर्टों के बावजूद तथाकथित 'स्वतंत्रता संघर्ष' के नाम पर किए गए उसके अत्याचारों पर पर्दा डाला गया तथा उसे महिमामंडित किया गया। अंतत: मई, 2009 में तीन दशक लंबे इस युद्ध का अंत हुआ। इस 'विजय' का उत्सव मनाने के बजाय एक राष्ट्रीय चेतना का विकास किया जाना चाहिए जहां शांति सबका साझा लक्ष्य बने तथा आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षा प्रदान की जा सके।

भारत में परमार्थ का बदलता स्वरूप

परोपकारी आंदोलन में एक बड़ी छलांग के लिए मंच तैयार है, जो 'अधिक, शीघ्र और बेहतर दान' के युग की शुरुआत करेगा।

अमिताभ जयपुरिया
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

भारत हमेशा से परोपकार की अवधारणा वाला देश रहा है। इस लोकाचार ने कई परोपकारी लोगों को जन्म दिया है, जिन्होंने बहुत योगदान दिया है और आधुनिक भारत की कई महान संस्थाओं के निर्माण और समर्थन में मदद की है। टाटा इस तरह के आधुनिक भारतीय परोपकार का सबसे बड़ा उदाहरण है। आज, भारत में परोपकार, दान की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के संदर्भ में एक परिवर्तनकारी मोड़ पर है। नाइट फ्रैंक की 2023 की संपत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स की संख्या अगले पांच वर्षों में 58 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगी। भारत ने पिछले दशक में कई यूनिकॉर्न का उदय देखा है और अगले कुछ वर्षों में 9150+ यूनिकॉर्न का उदय देखने को मिलेगा, जो कि संपत्ति में भारी उछाल का संके त है। यह सौभाग्य की बात है क्योंकि परोपकारियों पर अधिक परोपकार की मांग बढ़ती ही जाएगी, जिसकी हमें उम्मीद है कि परोपकारी दान में भी वृद्धि होगी।

यूएचएनआई भारत में दान के परिदृश्य को फिर से परिभाषित कर रहे हैं- वे अब दान की प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप से शामिल हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए समय समर्पित कर रहे हैं कि उनकी संपत्ति पर्याप्त प्रणालीगत सुधारों को आगे बढ़ाए। अमित और अर्चना चंद्रा, आशीष धवन, अजीत इसाक, हर्ष मारीवाला, क्रिस गोपालकृष्णन, रोमेश और सुनील वाधवानी, देश देशपांडे और विक्रांत भार्गव नए युग के परोपकारियों के कुछ बेहतरीन उदाहरण हैं, जो संस्था निर्माण और प्रणालीगत परिवर्तन परियोजनाओं सहित परोपकारी पहलों का एक पोर्टफोलियो विकसित कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति के वल तेज होने वाली है।

उभरने वाली एक और प्रमुख प्रवृत्ति परोपकारियों की औसत आयु में क्रमिक कमी है। ये युवा और नए दानकर्ता, जो वर्तमान पारिवारिक लाभार्थियों और पहली पीढ़ी के धन सृजनकर्ताओं दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं, दान देने के लिए अभिनव और विघटनकारी दृष्टिकोणों के साथ पारंपरिक बाधाओं को तोड़ रहे हैं और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका के ऐतिहासिक रूप से पसंदीदा क्षेत्रों से परे मुद्दों को संबोधित करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। युवा, प्रतिबद्ध और तकनीक-प्रेमी पेशेवरों द्वारा संचालित जमीनी स्तर के संगठनों की अगली पीढ़ी के साथ मिलकर नेक्स्टजेन परोपकारियों की उभरती हुई जमात आने वाले वर्षों में दान के परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है।

प्रौद्योगिकी उद्यमियों का अनुपात भी बढ़ रहा है और इन परोपकारियों ने अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक उदारता से दान दिया है। जबकि वे इस क्षेत्र में कुल संपत्ति का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा हैं, उनका परोपकारी योगदान सभी दान का लगभग 35 प्रतिशत है-अजीम प्रेमजी, इन्फोसिस के संस्थापक, रोहिणी नीलेकणी, शिव नादर, कामथ बंधु, सुब्रतो बागची और संजीव बिखचंदानी टेक क्षेत्र के नए युग के परोपकारियों के बेहतरीन उदाहरण हैं। परिवार के दानदाताओं की युवा पीढ़ी में विशेषाधिकार के प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ रही है और वे तेजी से उस विशेषाधिकार का उपयोग कर रहे हैं। उनमें से कुछ परोपकार के लिए समर्पित पेशेवर रास्ते भी बना रहे हैं। हालाँकि, भारत में यूएचएनआई दान में कई सकारात्मक रुझानों के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सबसे पहले, भारत के यूएचएनआई को अपने दान के सापेक्ष अनुपात को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। दान की वर्तमान दर धन संचय की गति से मेल नहीं खाती। बैन एंड कंपनी की 2023 इंडिया फिलैंथ्रोपी रिपोर्ट बताती है कि विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी के योगदान को छोड़कर, यूएचएनआई दान में वित्तीय वर्ष 2022 में 5 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि उनकी संपत्ति में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। साथ ही, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूके और चीन में अपने साथियों की तुलना में, भारतीय यूएचएनआई अपनी संपत्ति के सापेक्ष काफी कम योगदान देते हैं, कुछ मामलों में, दान 10 गुना तक कम है। दूसरा, परोपकारी कारण अधिक विविध और विविध होते जा रहे हैं, क्योंकि कुछ कारण अधिक जरूरी हो गए हैं जैसे जलवायु परिवर्तन और मानवीय संकट जबकि पारंपरिक कारण-शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, गरीबी उन्मूलन और आजीविका-एजेंडे में सबसे ऊपर बने हुए हैं। भारत में खेल, कला और संस्कृति और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई अन्य नए और अक्सर उपेक्षित कारणों को संबोधित करने के लिए परोपकारी पूंजी का भी तेजी से उपयोग किया जा रहा है। इसलिए, कारणों के लिए उचित परोपकारी पूंजी को प्राथमिकता देना और आवंटित करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

तीसरा, यूएचएनआई को अधिक समय और प्रयास देकर परोपकार में खुद को अधिक शामिल करने की आवश्यकता है। उन्हें अपने संसाधनों-धन, समय और प्रयास को एकत्रित करने के लिए अन्य परोपकारी लोगों के साथ अधिक सहयोग करने की भी आवश्यकता है और अधिक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने, बेहतर संस्थान बनाने और बदलाव लाने के लिए नए मॉडलों के साथ प्रयोग करने की आवश्यकता है। उन्हें यह देखने के लिए भी प्रयोग करने की आवश्यकता है कि लगभग सभी क्षेत्रों, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल और जलवायु परिवर्तन में सेवाओं और सेवा वितरण को बदलने और बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ कैसे उठाया जा सकता है। इस परिवर्तन में दानकर्ता और दान प्राप्त करने वाले के बीच एक नए समझौते से भी सहायता मिलेगी जो अधिक पारस्परिक सम्मान पर आधारित है और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सभी हितधारकों की अधिक भागीदारी को देखता है कि संसाधनों को कहां, कैसे और कब लगाया जाए और प्रभाव को कैसे मापा जाए। हम उम्मीद कर सकते हैं कि 2024 भारत में परोपकारी आंदोलन के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जिसमें पहले से कहीं अधिक, जल्दी और बेहतर दान दिया जाएगा। व्यक्तिगत परोपकार भारत में कई चुनौतियों को हल करने में एक अद्वितीय उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकता है, समय अभी है।

आप की बात

संपत्ति का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण को लेकर एक अहम फैसला दिया है। अदालत ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को संपत्ति के अधिकार से वंचित करने से पहले उचित प्रक्रिया स्थापित नहीं की गई या उसका पालन नहीं किया गया तो निजी संपत्तियों का अनिवार्य अधिग्रहण असंवैधानिक होगा। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। वर्तमान समय में जमीनों को कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। जहां से भी सड़कें व हाईवे निकलते हैं वहां आसपास की जमीन के दाम कई गुना बढ़ जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब सरकार को अधिग्रहीत की जाने वाली जमीन का मुआवजा बाजार मूल्य से देना चाहिए अथवा संबंधित पक्ष को संतुष्ट कर दूसरी जगह वाणिज्यिक प्रयोग वाली जमीन देनी चाहिए। अनेक मामलों में लोग सरकार द्वारा दिए मुआवजे से अधिक की मांग करते हैं और संगठित रूप से अपनी जमीन नहीं देने के लिए आंदोलन करने लगते हैं। देश के लिए सड़क व अन्य ढांचागत संरचना निर्माण बहुत आवश्यक है। अत: सार्वजनिक उद्देश्य से भूमि अधिग्रहण पर सरकार को समय-समय पर निर्देश जारी करते रहना चाहिए। इसमें निजी क्षेत्र के बिल्डरों को भी सहभागी बनाने से नगर नियोजन में सुविधा मिलेगी तथा लोग ठगी से बच सकेंगे।

-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

मालीवाल से बदसलूकी

महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार द्वारा की गई बदसलूकी की जितनी निंदा की जाए कम है। जो महिला देश में महिला-अधिकार के लिए संघर्षरत है और उत्पीड़ित महिलाओं को राहत दिला रही है उसी के साथ बदसलूकी अत्यंत अशोभनीय और चिंतनीय है। विडंबना है कि इस प्रकरण पर आम आदमी पार्टी-आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल एक शब्द नहीं बोले और उनकी पार्टी की एक महिला मंत्री पूरे मामले पर लीपापोती का प्रयास कर रही हैं। मालीवाल प्रकरण से आप और अरविंद केजरीवाल की असलियत जनता की नजरों में उजागर हो चुकी है। मालीवाल प्रकरण इस बात का उदाहरण है कि प्रधानमंत्री मोदी पर तानाशाह बनने का आरोप लगाने वाले केजरीवाल अपनी पार्टी में मत-भिन्नता तथा उभरते नेताओं को कैसे कुचलते हैं। मालीवाल को भाजपा का एजेंट बता कर अपने पीए को बचाने के प्रयास और निंदनीय हैं। कहा जाता है कि पीए ने केजरीवाल की असलियत उजागर करने की धमकी दी थी, इसलिए उसके बचाव का प्रयास हो रहा है। इस प्रकारण से स्पष्ट है कि आप कोई राजनीतिक पार्टी न होकर बेईमानों का गिरोह है।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

भयभीत केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यदि जनता लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चुनती है तो फिर मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा। वैसे केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 2 जून को फिर पुलिस के समक्ष हाजिर होकर जेल जाना पड़ेगा। यह अलग बात है कि 4 जून को परिणाम आने के बाद नई सरकार का गठन होने और उसे केजरीवाल प्रकरण पर निर्णय करने में कितना समय लगेगा। वैसे तो सारे संकेत इसी बात के हैं कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और वे भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान तेज कर सकते हैं। चुनाव प्रचार में केजरीवाल तथा इंडिया गठबंधन के नेता चाहे जो कहें, पर वे सभी यह हकीकत जानते हैं। ऐसे में केजरीवाल भाजपा-समर्थक मतदाताओं में भय पैदा करने के लिए 75 वर्ष की आयु में मोदी के इस्तीफे, अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाने जैसी अफवाहें फैलाने में जुटे हैं। भयभीत केजरीवाल यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि देश की आम जनता और खासकर भाजपा-समर्थकों में मोदी, शाह और योगी का सम्मान सर्वोपरि तथा विवादों से परे है। इस प्रकार केजरीवाल अपनी हताशा और निराशा की ही अभिव्यक्ति कर रहे हैं।

- एमएम राजावत, शाजापुर

सरकार की जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार को फटकार लगाई है कि जंगलों में लगी आग की रोकथाम के लिए गंभीर और कारगर कदम क्यों नहीं उठाए गए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर विचार करते हुए उत्तराखंड सरकार से पूछा था कि वन कर्मियों को चुनाव संबंधी कार्यों एवं चारधाम यात्रा प्रबंधन में क्यों लगाया गया है? सुप्रीम कोर्ट ने लचर व्यवस्था का हवाला देते हुए यह भी पूछा है कि आपने जंगलों में लगी आग की रोकथाम के लिए पर्याप्त फंड क्यों जारी नहीं किया एवम वन विभाग की रिक्तियां क्यों नहीं भरी जा सकी हैं? उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख़ को देखते हुए उत्तराखंड सरकार वन-प्रबंधन तथा जंगलों को आग से बचाने के ठोस और कारगर उपाय करेगी। उत्तराखंड धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है। यहां देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आने के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश एवं अन्य रमणीक पर्यटक स्थलों पर साल भर आते हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है कि वह चारधाम यात्रा प्रबंधन के साथ ही वनों व प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करे।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

15 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला आज करेंगे मतदाता

●2143 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम छह तक डाले जा सकेंगे वोट

●देर दोपहर तक अपने अपने गंतव्य में चुनाव कराने पहुंचीं 2143 पोलिंग पार्टियां

संवाददाता। फतेहपुर

आखिर जिस पल का बेताबी से इंतजार था। वह आ ही गया। कुछ ही देर बाद यानी सोमवार की सुबह सात बजे से देश की सबसे बड़ी संसद के प्रतिनिधित्व चयन करने वाले लोकसभा के लिए मतदान शुरू हो जाएगा। इस चुनाव में 15 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 19 लाख 35 हजार मतदाता करेंगे। रविवार को पोलिंग पार्टियों की रवानगी हुई। जो देर दोपहर तक निर्धारित पोलिंग बूथ पर पहुंच गईं। पोलिंग पार्टियों की रवानगी का हाल जानने को जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत समूचा जिम्मेदार प्रशासनिक अमला लगा रहा।

पांचवे चरण में फ़तेहपुर संसदीय सीट के लिए वोट डाले जाने हैं। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकेगा। जिले में 2143 मतदेय स्थल पर अपने पंसदीदा उम्मीदवार को वोट किया जा सकेगा। इस सीट में 244 संवेदनशील मतदान व 15 अति संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। जिन पर पुलिस प्रशासन की सख्त नजर रहेगी। लोकसभा चुनाव की होने वाली वोटिंग के लिए रविवार को 2143 पोलिंग पार्टियों की रवानगी की गई। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान प्रशासनिक अमले की मुस्तैदी देखते बनी। सहायक निर्वाचन अधिकारियों की टीम की सुविधाओं का ख्याल रखने को जिला निर्वाचन अधिकारी सी इंदुमती को बराबर राउंड करते देखा गया। एसपी उदय शंकर सिंह को सुरक्षा चौकसी के इंतजाम पर निगाहें गडाए देखा गया। इस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति, इंडिया गठबंधन से सपा उम्मीदवार नरेश उत्तम पटेल व बसपा के डॉक्टर मनीष सचान समेत 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 19 लाख 35 हजार मतदाता करेंगे। जिनमें 10 लाख 78 हजार पुरुष व 8 लाख 57 हजार महिला मतदाता शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी सी. इन्दुमती ने बताया कि प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चुनावी शुचिता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

किसका साथ देगा युवा मतदाता: फ़तेहपुर संसदीय सीट के इस चुनाव में 23 हजार ऐसे मतदाता हैं। जो पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने जा रहे हैं। ऐसे में हरेक पार्टी की निगाह, इस जमात पर भी लगी हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यही एक ऐसा वर्ग है। जो इस बार के चुनावी चर्चा में कुछ हद तक आगे दिखाई दिया है। यही कारण है कि इस चुनाव में भी प्रेश वोटर पर भी पार्टियों ने प्रचार के दौरान पूरा फोकस रखा। दिल खोलकर मनाएं लोकतंत्र का उल्लास: संसदीय सीट के मतदान की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। कुछ ही देर में मतदान शुरू हो जाएगा। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि लोकतंत्र के उत्सव का उल्लास दिल खोल कर मनाया जाए क्योंकि सार्वजनिक है कि एक मत का कितना महत्व है। तभी तो सजग और जागरूक मतदाता तैयार हो चुका है। उसे पता है कि अगर अभी चूक गए तो पांच साल तक इंतजार करना पड़ेगा।

बीएलओ ने घर-घर पहुंचाई पर्चियां: मतदाता की पहचान बयां करने वाली भारत निर्वाचन आयोग की पर्चियां पहुंचाने का काम रविवार की दोपहर तक पूरा कर लिया गया। बीएलओ इस मुहिम को अंजाम देने को मतदाताओं की चौखट पर दस्तक देते रहे। जहां पर काम ज्यादा रह गया। उन मोहल्लों के संभ्रांत नागरिकों का सहारा लिया ताकि काम को समय से पूरा किया जा सके।

इस बार लोकसभा चुनाव में गेम चेंजर की भूमिका में रहेगा युवा मतदाता

संवाददाता। फतेहपुर

फतेहपुर से सांसद चुनकर सदन के अंदर जिले का प्रतिनिधित्व करने को लेकर मतदाताओं के फैसले की घड़ी आ गयी है। कल नए सांसद का चुनाव यहां के मतदाता कर लेंगे। परिणाम कुछ भी है लेकिन जिले के 4.15 लाख युवा मतदाता नए सांसद की तकदीर लिखने का काम करेंगे। देश व प्रदेश में सरकारें आती-जाती रहीं लेकिन रोजगार व हाथों को काम को लेकर सार्थक प्रयास किए ही नहीं गए। रोजी-रोजगार की समस्या एवं बेरोजगारी का दंश झेल रहे ये युवा मतदाता लोकसभा चुनाव में गेम-चेंजर की भूमिका अदा कर सकते हैं।

20 मई को यहां मतदान होना है। 1938562 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1040410 पुरुष 898102 महिला तथा 50 अन्य मतदाता हैं। 20110 दिव्यांग मतदाताओं के साथ-साथ फ़र्स्ट टाइम वोटर 18 से 19 वर्ष आयु के 24834 हैं जिनके सामने मुद्दा भले ही कोई न हो लेकिन पहली बार मतदान करने का उत्साह जरूर नजर आ रहा है। किसानों की तरह ही एक यूथ मतदाताओं का बड़ा वर्ग है जो लंबे समय से रोजी रोजगार के साथ बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है। हाथों को काम के संकट को लेकर परेशान नजर आया है। सरकारें आती-जाती रहीं लेकिन बेरोजगारों के रोजगार की उलझन नहीं सुलझी नौकरी के लिए 39350 ऐसे हाई एजुकेटेड मतदाता हैं जिन्होंने सेवायोजन कार्यालय में अपना पंजीकरण कर रखा है लेकिन 20 से 30 आयु वर्ग के तकरीबन 393000 मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिसके सामने भविष्य के सुनहरे सपने तो हैं लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिए हांथ खाली हैं।

एक रिपोर्ट बताती है कि इन मतदाताओं में 47 फ़ीसदी ऐसे मतदाता है जिनके पास कोई काम ही नहीं है। गांव स्तर पर मनरेगा के जरिए भी इन्हें काम नहीं दिया जा सका। पीछे 5 साल के आंकड़ों पर अगर निगाह डाली जाए तो मनरेगा प्रधानों, सचिवों के साथ-साथ खंड विकास अधिकारियों के लिए कमाऊ पूत साबित हुई है। जॉब कार्डधारी मजदूरों में काफ़ी संख्या युवा बेरोजगारों की भी हैं जिन्हें 100 दिन का निश्चित रोजगार दिया ही नहीं जा सका।

जिले में बंद औद्योगिक इकाइयों ने भी उनके सपनों को चकनाचूर किया है। इसी का नतीजा रहा कि काम की तलाश में इन युवाओं को घर बार छोड़कर प्रदेश के अन्य जिलों या फ़िर बाहर जाना पड़ा। एक बार फ़िर भविष्य के सुनहरे सपने दिखाकर राजनीतिक दलों के नेताओं ने 18वीं लोकसभा के लिए अपने-अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की है।

पूर्व सैनिकों ने सीबीएसई टापर अंजली सिंह को किया सम्मानित

फतेहपुर। इंडियन वेटरन्स आर्गनाइजेशन की ओर से रविवार को सीबीएससी इंटरमीडिएट टापर के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां टापर को सम्मानित करते हुए पूर्व सैनिकों ने टापर के परिवारीजनों को भी बधाई देते हुए सम्मानित किया। आर्गनाइजेशन के जिलाध्यक्ष व पूर्व सैनिक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि रविवार को हवलदार जगनन्दन सिंह के आवास पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में सीबीएससी इंटरमीडिएट की टापर अंजली सिंह को प्रसंशा पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं छात्रा के माता-पिता व दादी को फूल माला पहनाकर उनका भी सम्मान किया गया। इस मौके पर आरपीएस भदौरिया, संतराम फौजी, दिलीप सिंह परिहार, दिलीप सिंह चौहान, बीरेन्द्र सिंह, बिरेन्द्र कुमार साहू, प्रेम कुमार पाल, श्याम किशोर, धर्मेन्द्र सिंह, विनोद कुमार भदौरिया, जितेन्द्र सिंह, संजय सिंह, राजेन्द्र सिंह गौर, श्रीचन्द्र परिहार, संतोष कुमार मिश्र, अखिलेश कुमार, रामेश्वर सिंह आदि कई लोग मौजूद रहे।

चिलचिलाती धूप में हलकान नज़र आए मतदान कार्मिक

●दुधमुंहे बच्चों को लेकर पहुंची महिला कार्मिकों की तो देखते ही बनी मनोदशा

संवाददाता। फतेहपुर

आसमान से बरस रही आग ने मतदान कार्मिकों को बेहाल करके रख दिया। जिसकी हकीकत विज्ञान भवन से लेकर कलेक्ट्रट के गांधी मैदान तक दिखती रही। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना महिला कार्मिकों को करते देखा गया। जो ऐसी चिलचिलाती धूप में दायित्व के निर्वहन को अंजाम देने के साथ गोद में गरमी के मारे चीख रहे दुधमुहे बच्चे और बच्चियों को चुप कराने का नाहक प्रयास करती नजर आई।

इस वक्त जिस तरह से तापमान का पारा चढा हुआ है। इधर कई दिन से फ़तेहपुर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है। उससे रविवार की सुबह 10 बजते ही झुलसाने वाली गरमी का अहसास होने लगा। दोपहर का वक्त होते होते हालात पूरी तरह से बेपटरी हो गई। रविवार होने के कारण आम जिंदगी पर मौसम की इस मार का ज्यादा असर देखने को नही मिला लेकिन सरकारी मशीनरी पर इसका सीधा प्रभाव दिखाई देता रहा। जो कडी धूप में पसीना पोछते हुए कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देता नजर आया।

कहने को गरमी को देखते हुए रवानगी स्थल पर मुकम्मल इंतजाम किए गए थे लेकिन तापमान के आगे जिनकी एक भी चलती नहीं नजर आई। सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना महिला कार्मिकों करते देखा गया जो नौकरी का दायित्व निभाने के साथ साथ अपने वात्सल्य का परिय देती दिखाई दीं।

सबसे ज्यादा परेशानी का सामना गोद में नजर आ रहे बच्चों की माताओं का रहा, जो जिम्मेदारी का अहसास, सीने में जननी की तडप का जीवंत उदाहरण बनी नजर आईं। बेहाल करने वाली गरमी के बीच ऐसी महिला कार्मिक माताएं, बच्चों को मौसम की मार से बचाने के लिए सबसे ज्यादा परेशान नजर आईं। बिंदकी विधानसभा के काउंटर में एक ऐसी महिला कार्मिक का देखा गया जो जिम्मेदारी के बोझ के साथ सीने में चिपके अपने लख्तेजिगर को धूप से बचाने का प्रयास करती देखी गई। अयाहशाह विधानसभा के काउंटर पर भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। गरमी के मारे मां की गोद में चीख रहे नवजात को लेकर परेशान इस महिला कार्मिक पर किसी को तरस नहीं आई। दरअसल बच्चा भूखा महसूस किया गया। चूंकि पोलिंग पार्टी की रवानगी का एनाउंस हो रहा था। ऐसे में इस महिला कार्मिक को मासूम को दुलारते हुए जिम्मेदारी का भार उठाते देखा गया।

लोकसभा चुनाव की डयूटी में लगे सरकारी मुलाजिमों की हालत तेज झुलसाने वाली गरमी में देखते बनी। पानी की बोतल का बार बार सहारा लेने के बावजूद राहत नहीं मिल सकी। गरमी का सितम यह रहा कि वाहनों के अंदर बैठे कार्मिक मौसम की मार से गरमी के मारे उबल पडे। यही कारण रहा कि आसमान से बरस रही आग रूपी गरमी से बचने को मतदान कार्मिक, पार्क वाहनों के नीचे समय काटते नजर आए।

क्विक न्यूज

जानकी जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

फर्रुखाबाद। अर्पण संस्था द्वारा सिक्तर बाग में पूजा अरोड़ा के निवास स्थान पर जनक नंदिनी सीता जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें महिलाओं ने भजन संध्या का आयोजन किया एवं सीता जी की झांकी सजाई जिसमें सीता ;रुद्राक्षी द्विवेदीद्ध एवं सीता जी की मां के रूप में ;काव्य द्विवेदीद्ध को बनाया गयाए वहीं महिलाओं ने जन्मोत्सव आज जनक लली को मनाएंगेए बजत बधाई जनकपुरी में खुशियां घर.घर आईए मिथिला भवन में आज जिया लाली को जन्म भयो आदि भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया जिसमें संगीता चतुर्वेदी,माधुरी सक्सेना, ममता यादव, अंजली यादव, मोहित मिश्रा, दीपा त्रिपाठी, सुशील मिश्रा, आशा, पिंकी, कौशल शर्मा, शिखा, अर्चना , गणेश मिश्रा ,सीमा दीक्षित, रिशु मिश्रा ,नेहा , प्रीति कौर ,गीता सक्सेना, स्मृति सक्सेना, नेहा पाठकए नीलम वर्मा ,रजनी सक्सेना,सोनाली गुप्ता, आदि महिला उपस्थित रहे।

नहर के समीप मिला वृद्ध का हत्यायुक्त शव

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के बड़ौरी गांव निवासी स्व. राम प्यारे का पुत्र रमेश पटेल शनिवार को लगभग ग्यारह बजे घर से निकल गया था और वापस नहीं पहुंचा। उधर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। करीब रात साढ़े दस बजे खोजबीन के दौरान महरहा रोड नहर के समीप वृद्ध का हत्यायुक्त शव बरामद किया है। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक की नातिन ने बताया कि दिन में ग्यारह बजे वह घर से निकल गए थे। दो बजे तक जब वह वापस नहीं आए तो घर वालों ने खोजबीन शुरू की। तभी रात खोजबीन करते हुए घर वाले नहर के समीप पहुंचे तो नाना का शव मिला। जिनका गला कटा था और सिर पर चोट के निशान थे। परिजनों ने बताया कि पुलिस बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के सुजानीपुर गांव निवासी पिंकू पटेल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

भारत विकास परिषद का दायित्व ग्रहण समारोह

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाजसेवा में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद की नगर इकाई के दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन दीक्षित नेत्र चिकित्सालय में किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष मुन्नी देवी गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. रमेश शुक्ला एवं शपथ अधिकारी रमेश मेहरोत्रा मौजूद रहेंगे। यह जानकारी रविवार को नगर के जीटी रोड स्थित दीक्षित नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर एवं संस्था के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ सुधीर दीक्षित एवं प्रांतीय संयोजक ललित मोहन सिंह ने संयुक्त रूप से दी। इस दौरान नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता भारती, सचिव अजीत मिश्रा, एडवोकेट वित्त सचिव अमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

भाकियू आज करेगी विद्युत उपकेन्द्र का घेराव

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्युत कर्मियों की मनमानी के चलते की जा रही अघोषित विद्युत कटौती के कारण जहां एक ओर किसानों की फ़सलें सूखकर नष्ट हो रही हैं। वहीं दूसरी ओर नागरिकों सहित व्यापारियों को भीषण गर्मी में मुसीबतों का समाना करना पड रहा है। कहा कि विद्युत विभाग के मनमानें रवैये के विरोध में सैकड़ों किसानों के साथ 20.05.2024 दिन सोमवार को समय 11 बजे गुरसहायगंज विद्युत उपकेन्द्र का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा तथा समस्याओं से संबंधित ज्ञापन उच्चाधिकारी को सौंपा जाएगा। यह जानकारी भाकियू टिकैत जिलाध्यक्ष मो. शमीम सिद्दीकी ने दी। इस दौरान उनके साथ किसान नेता रंजीत गुप्ता, भाकियू समधन नगर अध्यक्ष मुईन अहमद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हमीरपुर के सत्ताइस पोलिंग बूथों में पानी की भीषण समस्या

हमीरपुर। जिले में सोमवार को मतदान पर्व है, मगर सत्ताइस बूथों में कर्मियों को पेजयल की समस्या का सामना करना पड़ेगा,इसमे इक्कीस बूथ केवल मौदहा तहसील में है जिनमें पानी खारा पीने योग्य नही है। इसकी सूचना बीएसए ने एडीएम नमामि गंगे को दे दी थी। जानकारी के मुताबिक जिले में जल जीवन मिशन चालू होने के बाद अभी पेजयल की समस्या बनी हुई है। लोकसभा चुनाव में 27 बूथों पर मतदान कर्मियों को पेयजल से दो चार होना पड़ेगा हालाकि एडीएम नमामि गंगे ने दावा किया है कि डीपीआरओ के माध्यम से समस्या हल की जायेगी। सुमेरपुर बूथ कंपोजिट विद्यालय में पानी के साथ बालू आती है। राठ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पड़रा में पानी पीने योग्य नही है। प्राथमिक विद्यालय नगर राठ में पानी खारा है। सरीला ब्लाक के जूनि,हाई स्कूल ममना व बगरा में खारा पानी है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति मौदहा ब्लाक की है प्राथमिक विद्यालय भरसवा, उपरी के दो बूथ,सिलौली,भमौरा में पेयजल की सुविधा नही है। प्राथमिक विद्यालय गुढा में पानी पीने योग्य नही है। इसी प्रकार पढ़ोरी,बवक्षा, खैर, विहरका, कपसा, गुसियारी, जिगनौडा बूथों मे पानी की बेहद समस्या बतायी गयी है। बीएसए के मुताबिक इस संबंध में रिपोर्ट भेज दी गई है।

एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

संवाददाता। फर्रुखाबाद

श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट का आज 23 वां स्थापना दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया।

अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ जिला प्रचारक प्रवीण जी द्वारा मां बागीश्वरी के चरणों में पुष्प अर्पित व दीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस अवसर पर लगातार 22 वर्षों से आयोजित सामान्य ज्ञान परीक्षा में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों बंटी यादव, राकेश कुमारए ईशान तिवारी, करण कश्यप,मोवसोहेल,अनुज,तहजीब अली, शुनहम प्रताप, दिव्यांश,अरुण अथर्व,अभय, गुलशामा, जीशान, मो. उजैफ़ असगर आदि को शील्ड व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा आयोजित सीसीसी परीक्षा को पास करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। संस्थान द्वारा आयोजित एंबेसडर ऑफ एशियन द्वारा अंशिका, उमरा, पायल,नेहा को हॉटकेस, जयाए स्नेह,विकास को वॉल क्लॉक आयुषी, छाया, रामसागर, शिवांगी, सुमित्रा, रंगोली, अमित, अनन्या, शिवम, वंशिका मिश्रा आदि को लंच बॉक्स गिफ्ट दिया गया।

इसके साथ ही सीसीसी परीक्षा में पहली बार में सफ़लता प्राप्त करने वाले छात्रों विशाल ,नरायण, तान्या, प्रीति को संस्थान द्वारा रूव 1000 की चेक प्रदान की गई।वार्षिक उत्सव के शुभ अवसर पर संस्थान के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें अभव्या व राशि ने गणेश वंदना, इशू,दिव्यांशी, निशी ने ग्रुप डांस, रितिका, वंशिका ने राधा कैसे न जल,सारिका शिवांश ने एकल नृत्य किया।

संस्थान के निदेशक सुरेंद्र पाण्डेय ने बताया की समय समय पर छात्रों के उत्साह वर्धन के लिए छात्रवृत्ति योजना का आयोजन किया जाता है।प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने बताया की संस्थान का सरकार द्वारा संचालित यूपीडेस्को से संबद्धता हुई है जिससे अब छात्र कम शुल्क में ओ लेवल के समक्ष डीएआईएण्टीएण् कोर्स कर सकेंगे।

उन्होंने कहा संस्थान द्वारा विभिन्न योजनाओं का आयोजन होता रहता है। जिससे छात्रों को अपनी स्किल दिखाने का अवसर मिलता है,साथ ही उन्होंने ये भी कहा की संस्थान में अभी विभिन्न प्रकार के डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स उपलब्ध है जिसमें एडमिशन लेकर छात्र अपना केरियर बना सकते है साथ ही संस्थान में कैरियर काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है जिससे छात्र सही सलाह लेकर उचित कैरियर का चुनाव कर सकें। इस अवसर पर संस्थान में कार्यरत सभी स्टाफ को सम्मानित किया गया।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री टैनी ने जताया कार्यकर्ताओं का आभार

निघासन, खीरी। चुनाव होने के बाद केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। कस्बे के सरस्वती शिशु मंदिर में पहुंचते ही कार्यकर्ताओं द्वारा केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री जी का जोरदार स्वागत किया गया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री ने कहा कि इस बार के चुनाव में दुनियां की निगाहें है। दुनियां लोगों ने माना है कि तिबारा प्रधानमंत्री मोदी जी बनने जा रहे हैं।कई देशों से मोदी जी को आमंत्रण प्राप्त हुए है। दस वर्ष में सेवा करना लोगों के विश्वास को जीतने का काम भाजपा ने किया है। और विश्वास अर्जित किया है।इस लिए बड़ी संख्या में लोग भारतीय जनता पार्टी के पक्ष मे वोट किया है। कार्यक्रम का संबोधन सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय ने भी किया। और कार्यक्रम का संचालन के हरीश पाण्डेय ने किया। और समापन के पी राना ने किया।

कलेक्ट्रेट परिसर से निर्वाचन हेतु रवाना की गईं पोलिंग पार्टियां

संवाददाता। कानपुर देहात

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष रूप में संपन्न कराए जाने हेतु जिलाधिकारी आलोक सिंह के नेतृत्व में आज कलेक्ट्रेट परिसर से 45 जालौन लोकसभा के अंतर्गत 208 भोगनीपुर विधानसभा हेतु 403 पोलिंग पार्टियों व 41 रिज़र्व पोलिंग पार्टियों को सुरक्षा बलों के साथ सकुशल रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि पोलिंग पार्टियों का प्रशिक्षण पूर्व में संपन्न हो चुका है तथा उन्हें निर्देश दिया गया है कि वह आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप मतदान दिवस पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। मतदान पार्टियों को सभी आवश्यक संसाधनों के साथ पोलिंग स्टेशन हेतु रवाना किया जा रहा, सभी पीठासीन अधिकारी को एम पी एस ऐप डाउनलोड करा दिया गया है। उन्होंने कहा मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक सुविधाएं पूर्व में सुनिश्चित करा दी गई हैं। सभी जोनल,सेक्टर मजिस्ट्रेट माइक्रोअब्जॉर्बर का प्रशिक्षण कराया जा चुका है तथा उन्हें मतदान दिवस पर बरती जाने वाली सावधानियो के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश पूर्व में दिया जा चुका है।

इससे पूर्व जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टियों के डिस्पैच सेंटर में बने विभिन्न काउंटरों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया की पोलिंग पार्टियों को वाहनों के माध्यम से रवाना किया जाए तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टियों की सतत निगरानी रखेंगे, उनकी किसी भी समस्या का त्वरित निदान करेंगे। जिलाधिकारी ने मतदाताओं से अपील की है कि मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक सुविधाएं हैं,सभी सम्मानित मतदाता अधिक से अधिक संख्या में पोलिंग स्टेशन पर पहुंचकर मतदान करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाएं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, एडीएम प्रशासन अमित कुमार, जिला विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट , संबंधित उप जिलाधिकारी, तहसीलदार,मतदान कार्मिक आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बैटरी रिक्शा चालक गम्भीर रूप से घायल

मोहम्मदी, खीरी। उचौलिया थाना क्षेत्र के मठ बालदेवता मोड़ के पास एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने बैटरी रिक्शे को मारी जोड़दार टक्कर, हादसे में रिक्शा चालक का सिर फटा, जिसके चलते चालक के सिर में आई गम्भीर चोटे। सूचना के बाद जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा तेजी से बह रहे खून को बहने से रोकने व जान बचाने के उद्देश्य से दिया गया फ्री प्राथमिक उपचार। अज्ञात चार पहिया वाहन बैटरी रिक्शे को टक्कर मारकर मौके से हुआ फरार, हादसे में रिक्शा चालक गम्भीर घायल युवक सोनू पुत्र विनोद उम्र 20 वर्ष उचौलिया थाना क्षेत्र के कोटरा निवासी। फिलहाल खबर लिखे जाने तक गम्भीर घायल युवक सोनू को जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन की टीम ने ब्लीडिंग रोकते हुए फ्री फर्स्ट एड ट्रीटमेंट दिया व ड्रेसिंग करते हुए एम्बुलेंस के सहारे पसगवां सीएचसी भेजा, जहां युवक का इलाज चल चला रहा। वही जनप्रति वेलफेयर फाउंडेशन की तरफ़ से डायरेक्टर सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

चिलचिलाती धूप और तपन के बीच रवाना हुईं पोलिंग पार्टियां

संवाददाता। हमीरपुर

कल सोमवार को लोकसभा चुनाव 46 डिग्री सेल्सियस पर मतदान होगा। तेज धूप व गर्मी वगरम हवा के चलते मतदान की प्रतिशत कम होने की संभावना जतायी गयी है। संसदीय क्षेत्र में 18 लाख 35 हजार से अधिक मतदाता को अपने मत का प्रयोग करने का मौका मिलेगा। इसके लिये आज सुमेरपुर से पोलिंग पार्टिया रवाना हो गयी है। मौसम विभाग के अनुसार मतदान दिवस पर भी जिले में पारा करीब छियालिस डिग्री रहेगा। यही नही इस मौके पर तेज लू की हवाएं चलेंगी।

लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को जनपद की दोनों विधानसभाओं के 508 मतदान केंद्रों के लिए 897 पोलिंग पार्टियों रवाना की गई। सुबह 7:00 बजे से पोलिंग पार्टियों का आना शुरू हुआ और पहली पोलिंग पार्टी करीब 10 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। जबकि आखिरी पोलिंग पार्टी 2:20 पर रवाना हुई। एक पोलिंग पार्टी को बस चालक द्वारा छोड़ दिए जाने पर उसे सेक्टर मजिस्ट्रेट की गाड़ी से बूथ तक पहुंचाया गया। जिलाधिकारी को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को मतदान किया जाना है। इसको लेकर कस्बे की गल्ला मंडी से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। हमीरपुर विधानसभा की 252 मतदान केंद्रों के 455 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों रवाना की गई।

जबकि राठ विधानसभा के 256 मतदान केदो के 442 बूथों के लिए 442 पोलिंग पार्टियों रवाना की गई। कुल 897 पोलिंग पार्टियों मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुई। सुबह 7:00 बजे से पोलिंग पार्टियों की उपस्थिति दर्ज करते हुए उन्हें ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन उपलब्ध कराई गई। साथ ही संबंधित अभिलेख भी पीठासीन अधिकारी को सौंपे गए। पीठासीन अधिकारी मशीनों को चेक करने के पश्चात अभिलेखों से संबंधित सामग्री का मिलान करने के बाद अपनी टीम के साथ वाहनों पर सवार हुए।

सुबह करीब साढ़े दस बजे पहली पोलिंग पार्टी राठ के लिए रवाना हुई। जबकि 2:20 पर आखिरी पोलिंग पार्टी मतदान केंद्र के लिए रवाना हुई। राठ के बूथ संख्या 280 की पोलिंग पार्टी छूट गई। करीब दो बजे जिलाधिकारी राहुल पांडेय पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा के साथ पहुंचे। छूट गई पोलिंग पार्टी को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल बूथ तक पोलिंग पार्टी को भेजने के निर्देश दिए। जिस पर अधिकारियों ने सेक्टर मजिस्ट्रेट के वाहन से पोलिंग पार्टी को रवाना किया। इस दौरान भीषण गर्मी के चलते मतदान कर्मी लू और धूप से बचाव के लिए अंगौछा व दुपट्टे का उपयोग करते नजर आए।

इस मौके पर सीडीओ चंदशेखर शुक्ला, डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्रनाथ, एएसपी मायाराम वर्मा, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, सीओ सदर राजेश कमल, डिप्टी कलक्टर शांतुन कुमार सिनसिनवार, बीएसए आलोक कुमार सिंह, डीटीओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदुओं का आरक्षण किसी को नहीं लेने देंगे: योगी

● मुख्यमंत्री ने जौनपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के पक्ष में की जनसभा

लखनऊ/जौनपुर। सपा व कांग्रेस के रूप में रावण का जिन्न आज भी मौजूद है। इनके कारनामे रावण जैसे हैं। कांग्रेस ने कहा था कि राम हुए ही नहीं। इनके बुद्धिदाता कहते हैं कि राम मंदिर भारत में नहीं बनना चाहिए। सपा ने रामभक्तों पर गोली चलवाई। अब इनके महासचिव कहते हैं कि राम मंदिर बेकार बना है। इन पर जब प्रभु राम की कृपा नहीं हो रही तो यह ऐसा ही कहेंगे। होगा वही, जो रामलला चाहेंगे और रामलला अपने भक्त मोदी को तीसरी बार सत्ता सौंपने का निर्णय ले चुके हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने जौनपुर से भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के पक्ष में नेशनल इंटमीडिएट कॉलेज पट्टी नरेंद्रपुर शाहगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

सीएम ने कहा कि भय बिन होई न प्रीति। पाकिस्तान की बोली बदल गई है। उसे पता है कि यह मोदी का भारत है। घर में घुसकर मारता है। सपा के लोग रामभक्तों पर गोली चलाते थे और संकट मोचन मंदिर काशी, अयोध्या में हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेते थे। यह रामभक्त कल्याण सिंह के निधन पर संवेदना के शब्द नहीं व्यक्त करते, लेकिन पूर्वांचल के दुर्दांत माफिया के मरने पर उसके घर मातम मनाने जाते हैं। सपा और माफिया का चोली-दामन का साथ है। यह अलग हो ही नहीं सकते। हमने भी तय किया है कि उत्तर प्रदेश की धरती से रामद्रोहियों, भारत विरोधियों और गरीबों को खून चूसने वाले माफिया को समाप्त करके रहेंगे।

सपा-कांग्रेस पर हमलावर योगी ने कहा कि इनकी मंशा खतरनाक है। राहुल गांधी ने कहा कि हर व्यक्ति की संपत्ति का सर्वे कराकर एक झटके में गरीबी हटा दूंगा यानी आमजन का घर, खेत-खलिहान, जेवर-पैसा व आधी जमीन सपा-कांग्रेस के गुंडे हड़पेंगे। औरंगजेब मुगल सल्तनत का सबसे क्रूर शासक था। उसने भाई की हत्या की और पिता को कैद कर लिया। सपा-कांग्रेस के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। यह ऐसे लोगों को मानते हैं। औरंगजेब की आत्मा दफन की जा चुकी है। भाजपा उसे फिर से जीवित नहीं होने देगी।

सीएम ने आश्वस्त किया कि भाजपा के विधायक और सांसद प्रत्याशी इतना विकास कराएंगे कि दुनिया नौकरी मांगने जौनपुर आएगी। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस का इंडी गठबंधन के रूप में एकजुट होने खतरे की घंटी का संकेत है। अयोध्या में आतंकी हमले के समय प्रदेश में सपा और केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। संकट मोचन, अयोध्या-वाराणसी व लखनऊ कचहरियों पर हमले के समय भी यह लोग सरकार में थे। भाजपा में सरकार में होती है तो आतंकवाद नेस्तनाबूद होता है। सपा शासन में राशन गुंडे खाते थे और भाजपा सरकार में 80 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा है। सीएम ने कहा कि भाजपा न आपकी संपत्ति का सर्वे कराने देगी और न ही जजिया कर लगाने देगी। पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण पर सेंध भी नहीं लगाने देंगे। आंध्र, कर्नाटक में अपनी सरकार के समय इन्होंने पिछड़ी जाति का आरक्षण मुसलमानों को दे दिया, लेकिन हम हिंदुओं का आरक्षण किसी को नहीं लेने देंगे। राम मंदिर के विरोधियों, आतंकवाद-नक्सलवाद, दंगाइयों के समर्थकों और माफिया के मरने पर मातम मनाने वालों की जमानत जब्त कराइए।

पीओके को भारत का हिस्सा बनाने के लिए चाहिए 400 पार: योगी

● मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित किया

लखनऊ/प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का हिस्सा बनाना है, इसलिए अबकी बार 400 पार सीटें चाहिए। देश में नई सरकार के गठन की तैयारी चल रही है और मुझे 10 राज्यों में जाने का अवसर मिला है। पूरे देश और पूरी दुनिया में चुनाव परिणाम के बारे में हर कोई आश्वस्त दिख रहा है। जनता की ओर से भी आवाज आ रही है चाहे जितना जोर लगा लो आएंगे तो मोदी ही। फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा पूरे देश में गूंज रहा है। कांग्रेस और सपा को 400 पार के नारे से चक्कर आने लगा है क्योंकि प्रयागराज और गाजीपुर वाले इनके शागिर्द मिट्टी में मिल चुके हैं। सीएम योगी रविवार को रामपुर खास में पार्टी प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 10 साल में भारत का कायाकल्प कर दिया है। आज दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद और नक्सलवाद पर नकेल कसी गई है। अब पाकिस्तान को पता चल गया है कि ये नया भारत है। भारत को छेड़ा तो छोड़ेगा नहीं। उन्होंने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वह आतंकवादियों की हितैषी पार्टी है। अयोध्या में और वाराणसी के संकट मोचन मंदिर पर आतंकी हमला हुआ तो प्रदेश में सपा और केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। इन दोनों का गठजोड़ जब जब होता है तब तब अनर्थ होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़ का आंवला बहुत फेमस है। आंवले का ही प्रभाव है कि दुनिया कहती है कि 100 पढ़ा लिखा एक एक प्रतापगढ़ा। यहां के मेडिकल कॉलेज का नाम सोनेलाल पटेल जी के नाम पर रखा है। सीएम ने कहा कि सपा के समय में गरीब भूख से मरता था, उपचार के आभाव में दम तोड़ता था। किसान आत्महत्या करता था। बेटी और व्यापारी असुरक्षित थे। मगर अब तो देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। साथ ही अब 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा मोदी जी देने जा रहे हैं। ये सारे कार्य कांग्रेस और सपा क्यों नहीं करा पाई, क्योंकि इनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं। हमने विकास भी कराया है और वह काम भी किया है जो लोक परलोक दोनों सुधार देगा। हमने अयोध्या में 500 साल के इंतजार को खत्म करते हुए श्रीराम लला का भव्य मंदिर भी बनवा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या नई अयोध्या बन चुकी है, इसीलिए दुनिया कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। हम रामभक्त हैं जो देश, गरीब और विकास के बारे में सोचते हैं। मगर जो रामद्रोही है वो राष्ट्रद्रोही भी है। भ्रष्टाचारी, दुराचारी, माफिया और आतंक पैदा करने वाला भी है। इन सभी के डीएनए एक जैसे हैं। ये मिलकर अराजकता फैलाते हैं। ताड़का, मारीच और सुबाहू की तरह दंगा-फसाद कराते हैं। हर पर्व त्यौहार पर उपद्रव कराते थे ये लोग। आज सभी दंगाई रामनाम सत्य है कि यात्रा पर चले गये हैं। हम लोग इसीलिए आए हैं कि बेटी और व्यापारी सुरक्षित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम ने सपा और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग देश में विरासत टैक्स के जरिए एक बार फिर जजिया कर थोपना चाहते हैं।

विपक्ष की बौखलाहट उनकी हार को स्पष्ट प्रदर्शित कर रही है:योगी

● मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

लखनऊ/आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पिछली सरकारों के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं, मगर आज अयोध्या में रामभक्तों की आवभगत होती है। सीएम योगी रविवार को मेहनगर में पार्टी प्रत्याशी दिनेश लाल निरहुआ के पक्ष में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले आजमगढ़ की पहचान आतंक का गढ़ की बना दी गई थी, देश में कहीं भी आतंकी धमाके होते थे तो आजमगढ़ का नाम आता था, मगर बीते 10 साल में कहीं कोई आतंकी घटना नहीं हुई। आज तो पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। हमें आजमगढ़ को अभी बहुत कुछ देना है, इसे एक औद्योगिक सिटी बनाना है। यह फिल्म सिटी का केंद्र बनेगा, जहां से ढेर सारे निरहुआ और आम्रपाली दुबे निकलेंगे। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो लोग यहां पिकनिक मनाने आ रहे हैं और चुनाव बाद घूमने के लिए इंग्लैंड निकल जाएंगे, क्योंकि वो बड़े लोग हैं। आपको अपने बीच का जनप्रतिनिधि चुनना होगा। सीएम ने वर्तमान सांसद और लोकसभा चुनाव में सांसद प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ की तरीफ करते हुए कहा कि दो साल में निरहुआ ने आजमगढ़ के लिए जितना कार्य किया है, उतना काम कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं कर सकता। सीएम योगी ने कहा कि छठे चरण में आपको देश में सरकार बनाने के लिए अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजना है। चार चरणों के चुनाव के रुझान इस बात को बताते हैं कि विपक्ष में मची खलबली, बौखलाहट उनकी हार को स्पष्ट प्रदर्शित करता है। पूरे देश में एक आवाज आ रही है, एक ही स्वर गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जब 400 पार की बात होती है तो कांग्रेस, सपा, बसपा की हालत खराब होती है। क्योंकि जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे चुनाव को देखें तो ये अब रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच सिमट चुका है। जिन्होंने आपके पहचान पर संकट खड़ा किया था, राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाई थी, जिन्होंने हमारे देवस्थलों को अपवित्र बनाने का प्रयास किया, जिन्होंने प्रदेश को आतंक का गढ़ बनाने का प्रयास किया, विकास को बाधित करने का प्रयास किया, ये चुनाव उन्हें जवाब देने का सर्वोत्तम माध्यम है। निरहुआ ने मात्र दो साल में आजमगढ़ की तस्वीर और तकदीर बदलने का प्रयास किया है। यहां दो लेन और फोर कनेक्टिविटी हो चुकी है, महाराजा सुहेलदेव विवि बन गया है, संगीत महाविद्यालय का निर्माण हो रहा है, एयरपोर्ट भी बन चुका है। अब आजमगढ़ को लोग शक और अविश्वास की नजरों से नहीं देखते, बल्कि आजमगढ़ की पहचान भोजपुरी के सुपरस्टार निरहुआ के संसदीय क्षेत्र के रूप में होती है।

योगी ने कहा कि आप देश में कहीं चले जाइए, सपा के नेता को हर व्यक्ति शक की निगाह से देखता है। लोग मानते हैं कि ये शरीफ तो नहीं होगा, जरूर कोई गुंडा बदमाश होगा। सपा के समर्थक की तलाशी शुरू हो जाती है, लोग समझते हैं कि ये कुछ गड़बड़ करने आया होगा। आज आजमगढ़ के लोगों को शक की निगाहों से नहीं देखा जाता। पहचान का संकट खत्म हो चुका है। मोदी जी ने देश की तकदीर और तस्वीर को बदल करके रख दिया है। भारत को दुनिया में सम्मान मिल रहा है। सुरक्षा की समस्या नहीं है। सीएम ने कहा कि सपा सरकार के समय खाद्यान्न घोटाला होता था, चिकित्सा के आभाव में गरीब दम तोड़ता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था, पर्व त्योहार में कर्फ्यू लग जाता था, कोई कमाकर आता था तो लूट लिया जाता था, सपाई गुंडे संपत्ति पर कब्जा कर लेता था। आज बेटी और व्यापारी सुरक्षित है, गरीब को 5 किलो राशन हर माह फ्री मिल रहा है। इसके बावजूद आज कोई कम्बख्त पाकिस्तान का राग अलाप रहा है तो उसे पाकिस्तान चले जाना चाहिए। आज 80 करोड़ को मोदी जी फ्री राशन दे रहे हैं और पाकिस्तान की 23 करोड़ की जनता भूखों मर रही है। आज हर घर में नल है और उससे शुद्ध आरओ का जल भी बह रहा है। ये सारे कार्य बिना जाति, धर्म, मत मजहब देखे बिना किया गया। योगी ने कहा कि 500 साल की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम लला को अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान किया गया है। पहले रामभक्तों पर गोली चलती थी, आज आवाभगत होती है। पहले सपा सरकार में उन आतंकियों के मुकदमे वापस लेने का कुत्सित प्रयास किया गया था, जिन्होंने अयोध्या में राममंदिर और वाराणसी में संकट मोचन मंदिर पर आतंकी हमला किया था। आज आतंकवादियों की रामनाम सत्य है की यात्रा निकल रही है। आज कोई गुंडा और माफिया किसी गरीब, किसी बेटी किसी व्यापारी की सुरक्षा के लिए खतरा बनने का दुस्साहस नहीं कर सकता। इनके सरगना कह रहे हैं योगी जी को बुलडोजर नहीं चलाना चाहिए, मैं कहता हूं कि चिंता न करो जो बचे हैं वह भी चुनाव बाद पूरा हो जाएगा। सीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधि अच्छा चुनना चाहिए। इस चुनाव में आपको सपा की जमानत जब्त करने का काम करना है।

सपा मुखिया आज संतकबीरनगर एवं बस्ती में करेंगे जनसभा

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 20 मई सोमवार को लोकसभा क्षेत्र डुमरियागंज, संतकबीरनगर एवं बस्ती में सपा इंडिया गठबंधन के पक्ष में चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे। अखिलेश यादव अपराह्न 12:15 बजे बीएसए ग्राउण्ड जिला जेल के सामने सिद्धार्थनगर में लोकसभा क्षेत्र डुमरियागंज से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी श्री भीष्म शंकर को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए अपील करेंगे।

कुछ गुंडे अपराधी, माफिया इंडी गठबंधन के साथ खड़े है: केशव

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को भदोही एवं गोरखपुर मे भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मौर्य ने कहा कि एक तरफ गरीबों की भलाई चाहने वाले, महिलाओं का सशक्तिकरण चाहने वाले, नौजवानों के उज्ज्वल भविष्य के पथ पर हर कांटे को बुनने वाले, बुर्जगों को सम्मान करने वाले, देश की ताकत का डंका पूरी दुनिया में स्थापित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। दूसरी तरफ गुंडे अपराधी, माफिया, दंगाई और भ्रष्टाचारियों का एक गिरोह जिसे इंडी गठबंधन कहते हैं। इंडी गठबंधन का लक्ष्य है हम 2024 में नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री नही रहने देंगे। लेकिन पूरा देश मोदी के साथ है। 4 जून को शाम 04 बजे 400 पार होने जा रहा है। मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ गुंडे अपराधी, माफिया इंडी गठबंधन के साथ खड़े है। उन्होंने कहा जिस टीएमसी को उत्तर प्रदेश में कोई जानता नही है, जिस टीएमसी के राज में रामनवमी का उत्सव नही मनाया जा सकता है। जिस टीएमसी के राज में दुर्गा मैया की पूजा नही की जा सकती है। जिस टीएमसी के राज में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल में दिन रात लड़ रहा है। इंडी गठबंधन ने टीएमसी का प्रत्याशी यहां भदोही में उतारा है।

उन्होंने कहा 2014 से पहले गरीबों के घरों में दोनो समय भोजन नही बनता था, 2014 में जब मोदी जी आए और उन्होंने व्यवस्था किया कि इस देश को कोई भी गरीब अब भूखे पेट नहीं सोयेगा, उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजनाओं का राशन फ्री में देने का काम किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था ना खाऊंगा ना खाने दूंगा और जिसने भी मेरे देश को लूटा है, मेरे गरीब को लूटा है, मेरे किसान को लूटा है, मेरे नौजवान को लूटा है उनसे पाई पाई वसूल करके मेरे देश की भलाई में लगा दूंगा। जैसे ही मोदी जी देश की भलाई की बात करते है कि सपा, कांग्रेस व इंडी गठबंधन बौखला जाती है। इंडी गठबंधन के लोग कहते है हम तो अपनी भलाई की बात करते है मोदी जी देश की भलाई की बात करते है। वो कहते है हम केवल अपने परिवार का सुख चैन चाहते हैं, लेकिन मोदी जी तो देश की 140 करोड़ लोगों का सुख चाहते हैं। मोदी जी कहते सबका साथ व सबका विकास और वो कट्टर बईमान लोग कहते है कुछ का साथ और परिवार का विकास।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 में मोदी जी की लहर थी, 2019 में आंधी थी और 2024 में मोदी जी का तूफान चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने कमल खिलाया तो प्रभु श्रीराम के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण हो गया और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि कमल का बटन दबाने से देश में 4 करोड़ गरीबों को पक्का घर मिला और हर घर में बिजली पहुंची।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि सपा-बसपा व कांग्रेस ने पिछड़ों, अनुसूचितों के वोट तो लिए लेकिन कभी उन्हें सम्मान नही दिया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय कल्याण सिंह जी की पार्थिव देह विधानसभा में अंतिम दर्शन के लिए रखी थी। लेकिन 500 मीटर की दूरी पर बैठे अखिलेश यादव बाबू जी को श्रद्धांजलि देने नही पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार का खात्मा, देश को विकसित राष्ट्र बनाना है, देशवासियों की आत्मनिर्भरता तथा देश के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक केन्द्रों का विकास ही भाजपा का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ कमल वाला बटन दबाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आशीर्वाद दीजिए।

एक वोट भाजपा की मनमानी पर चोट कर सकता है: अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा के पांचवे चरण में 20 मई को होने वाले मतदान में मतदाताओं से सपा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को रिकार्ड मतों से जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पिछले चार चरणों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। आगे भी समाजवादी पार्टी पीडीए इंडिया गठबंधन की भारी जीत होने जा रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। भेदभाव करती है। भाजपा बांटने की राजनीति करती है। भाजपा की गलत नीतियों से देश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। आम जनता परेशान है। युवा बेरोजगार है। लोगों के सामने परिवार के पालन करने का संकट है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई और दवा, इलाज का संकट है। आज जनता के पास एक बार फिर मौका आया है जब वह अपनी परेशानियों से छुटकारा पा सकती है। उसका एक वोट भाजपा की मनमानी पर चोट कर सकता है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति के खिलाफ वोट कर समाज को जोड़ने, एकता भाईचारे, विकास, किसानों, नौजवानों, गरीबों के पक्ष में फैसले के लिए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताएं। यादव ने कहा कि भाजपा ने दस साल की सरकार में लोगों के सामने संकट पैदा किया। आज हर वर्ग परेशान है। भाजपा ने विकास को रोका है। समाजवादी सरकारों में हुए विकास कार्यों को बर्बाद किया।

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार में प्रदेश के सभी स्तर पर विकास के बहुत सारे कार्य हुए। समाजवादी सरकार में छात्र-छात्राओं के लैपटॉप बांटे गए, छात्राओं को कन्या विद्याधन दिया गया और किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा दी गई। महिला अपराध रोकने के लिए 1090 वूमेन पावर सेवा, मरीजों के लिए 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा और अपराध नियंत्रण के लिए यूपी डायल 100 पुलिस सेवा शुरू की गई थी। शानदार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनाया। सेना के युद्धक और मालवाहक विमान हरक्यूलिस उतर सका। राजधानी में मेट्रो ट्रेन अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम इकाना, गोमती रिवरफ्रंट के अलावा समाजवादी सरकार में एशिया का सबसे बड़ा पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क, लोहिया पार्क बना। पराग और अमूल का दुग्ध प्लांट लगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के पास विकास का कोई रोड मैप नहीं है। इस सरकार ने भ्रष्टाचार किया। बजट को लूटा है। कहने को भाजपा की डबल और ट्रिपल इंजन सरकार है लेकिन इन सबने बजट का बंदर बांट किया। भाजपा ने हर स्तर पर लूट मचाई है।

सरदार सेना ने सपा को दिया पूर्ण समर्थन

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश से रविवार को सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल ने अपने साथियों के साथ भेंटकर पीडीए एवं इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिए सपा को पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिया। पटेल ने छठवें और सातवें चरण के चुनाव की शेष बची सीटों पर प्रचार करने का भी इरादा जताया है। स्वतंत्रता सेनानी और केन्द्र सरकार में उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए गठित सरदार सेना के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल ने श्री अखिलेश यादव को दिए समर्थन पत्र में कहा है कि भाजपा संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण को समाप्त करने की दिशा में कुत्सित प्रयास कर रही है। सपा ने पीडीए का नारा देकर इंडिया गठबंधन को बुलन्द किया है। इससे प्रभावित होकर लोकसभा चुनाव में सपा पीडीए इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने हेतु सरदार सेना उत्तर प्रदेश इकाई ने अपना पूर्ण समर्थन दे रही है।

14 लोकसभा क्षेत्रों के अतिरिक्त लखनऊ पूर्व विधानसभा में मतदान आज

● मतदान प्रातः 7.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक

लखनऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों के साथ ही लखनऊ पूर्व विधानसभा उप निर्वाचन के लिए मतदान की प्रक्रिया 20 मई सोमवार को संपन्न होगी। पांचवें चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील करते हुए बताया कि पांचवें चरण में उप्र के मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोण्डा लोकसभा क्षेत्रों के साथ ही लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र में मतदान संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान प्रात: 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 6.00 बजे तक चलेगा। मतदेय स्थलों पर जो मतदाता सायं 6-00 बजे उपस्थित रहेंगे, उन मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि पांचवें चरण में कुल 2 करोड़ 71 लाख 36 हजार 363 मतदाता हैं, जिसमें 1 करोड़ 44 लाख 5 हजार 97 पुरूष तथा 1 करोड़ 27 लाख 30 हजार 186 महिला एवं 1,080 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। पांचवें चरण में मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक मतदाता मोहनलालगंज तथा सबसे कम मतदाता बांदा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 144 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 131 पुरूष तथा 13 महिला प्रत्याशी हैं। पांचवें चरण में सबसे अधिक 15 प्रत्याशी फतेहपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 4 प्रत्याशी कैसरगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं।

पांचवें चरण के चुनाव में कुल 28,688 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) हैं, जिसमें से 4,232 क्रिटिकल हैं। 17,128 मतदान केंद्र हैं। 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (14984 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। 4,199 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है। कुल 561 आदर्श मतदेय स्थल एवं 126 महिला, 53 दिव्यांग तथा 80 युवा कार्मिक प्रबंधित मतदेय स्थल बनाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 35,684 ईवीएम की कन्ट्रोल यूनिट, 36,089 बैलट यूनिट तथा 37,565 वीवीपैट तैयार किए गए हैं। आयोग द्वारा 03 विशेष प्रेक्षक, 14 सामान्य प्रेक्षक, 09 पुलिस प्रेक्षक तथा 15 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 2416 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 327 जोनल मजिस्ट्रेट, 549 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 3619 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराने के लिए 7426 भारी वाहन, 7410 हल्के वाहन तथा 1,28,642 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। मतदाता फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 अन्य फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/ लोक उपक्रम/ पब्लिक लि. कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/ विधायकों/ विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) मतदाताओं की पहचान किए जाने हेतु मान्य होंगे।

कम वोटिंग प्रतिशत वाले बूथों में बुलावा टोलियों को किया जाएगा सक्रिय: नवदीप रिणवा

● मतदान के दिन निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी कार्मिक एवं सुरक्षा बल मतदाताओं के साथ अच्छा व्यवहार करें:

● कोई व्यक्ति मतदान के लिए अपने वाहन से परिवार के साथ बूथ पर जा रहा हो तो उसे निर्धारित स्थान तक जाने दिया जाए

लखनऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में बाकी बचे तीन चरणो में भी निर्भीक, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सभी निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, इसके लिए संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आयोग का मुख्य फोकस प्रदेश में मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है, जिसके लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। इसी क्रम में अब तीनों चरणों के लिए लोकसभा स्तर पर बुलावा टोलियों का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। बुलावा टोलियों में बीएलओ के साथ ही स्थानीय स्तर पर आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री, युवक मंगल दल, पंचायत स्तरीय कार्मिक शामिल होंगे। जनपद में स्थापित कन्ट्रोल रूम तथा एमपीएस एप में कम वोटिंग प्रतिशत वाले बूथों में बुलावा टोलियों को विशेष रूप से सक्रिय किया जाएगा। सीएम योगी अपनी हर जनसभा में अधिक से अधिक मतदान की अपील कर रहे हैं, जबकि पीएम मोदी ने भी हाल ही में वाराणसी में कार्यकर्ताओं को बुलावा टोलियों के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया था।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों व कार्यक्रमों में और गति लाने के निर्देश दिए गए हैं। बुलावा टोलियां भी इसी पहल के तहत किया गया एक प्रयास है। इसके अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर वोटर असिस्टेंस बूथ बनाने के साथ वहां पर बीएलओ की उपस्थिति तथा मतदाता सूची की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। बीएलओ की ड्यूटी कहीं और नहीं लगाई जाएगी, जबकि बीएलओ स्वयं ही ड्यूटी पर रहेंगे, उसके स्थान पर उनके पुत्र, पति, रिश्तेदार ड्यूटी पर न रहें। जिन मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची किन्हीं कारणों से प्राप्त नहीं हो सकीं हैं, वह मतदेय स्थल पर उपलब्ध मतदाता सूची में अपना नाम चेक कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पोलिंग पार्टियों तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित करें कि मतदान के दिन यदि किन्ही कारणों से मतदाता, मतदाता सूचना पर्ची नही लाया है तो उसे लौटाया न जाए और मतदान से रोका न जाए। राजनैतिक दलों द्वारा जारी की गई मतदाता पर्ची लाने वाले मतदाताओं को भी लौटाया न जाए, बल्कि उन्हें मतदान करने की सुविधा दी जाए। पोलिंग पार्टियों की जिम्मेदारी होगी कि मतदान के दिन मतदाता द्वारा उपलब्ध कराए गए पहचान संबंधी दस्तावेज और मतदाता सूची में उपलब्ध विवरण से मामूली भिन्नता की स्थिति में उसे मतदान से वंचित न किया जाए। मतदान के दिन निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी कार्मिक एवं सुरक्षा बल मतदाताओं के साथ अच्छा व्यवहार करें। यदि कोई व्यक्ति मतदान हेतु अपने वाहन से परिवार के साथ बूथ पर जा रहा हो, तो उसे निर्धारित स्थान तक जाने दिया जाए, पुलिस द्वारा उसे रोका न जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही प्रत्येक पोलिंग बूथ की जानकारी, पानी की सुविधा, शौचालय आदि के संबंध में उचित साइनेज होने चाहिए। प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर न्यूनतम जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई जाएं। पोलिंग स्टेशन परिसर में मतदाताओं की कतार तक छाया की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदान प्रक्रिया प्रभावित न हो, इसलिए मतदान के दिन बिजली आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न न हो। लू से बचाव के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर पैरामेडिक्स व आशा कार्यकर्ताओं के साथ पर्याप्त ओआरएस एवं मेडिकल किट उपलब्ध कराए जाएं। सेक्टर टीम के पास एक पैरामेडिक कर्मी भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके। इसके अलावा सभी मतदान केन्द्रों में शीतल पेयजल, शौचालय, दिव्यांग व वृद्धजनों के लिए व्हील चेयर व कुर्सियों की व्यवस्था भी रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 मई, 2024

मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

भाषा। संबलपुर (ओडिशा)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। सिंह ने संबलपुर लोकसभा सीट के अंतर्गत रायराखोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान संबलपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। सिंह ने कहा, जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक, सभी देश से गरीबी खत्म करने में विफल रहे हैं। लेकिन मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जो इस देश में गरीब लोगों के दुखों को कम कर सके हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के गरीब लोगों को पक्का घर, घरों में पाइप से पानी, मुफ्त रसोई गैस, मुफ्त खाद्यान्न, शौचालय और कई अन्य सुविधाएं प्रदान की हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने वादे के मुताबिक अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया, जिससे आलोचक चुप हो गए। सिंह ने कहा, राम लला अपने मंदिर में आ गए हैं, अब भारत में राम राज्य स्थापित होगा। सिंह ने लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं करने को लेकर ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, "सत्ता में आने पर भाजपा सरकार ओडिशा के लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड जारी करेगी"।

उन्होंने लोगों से कहा कि वे मोदी सरकार की गरीब हितैषी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कमल के निशान पर वोट डालें। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि ओडिशा में भाजपा की सरकार बनते ही लोगों

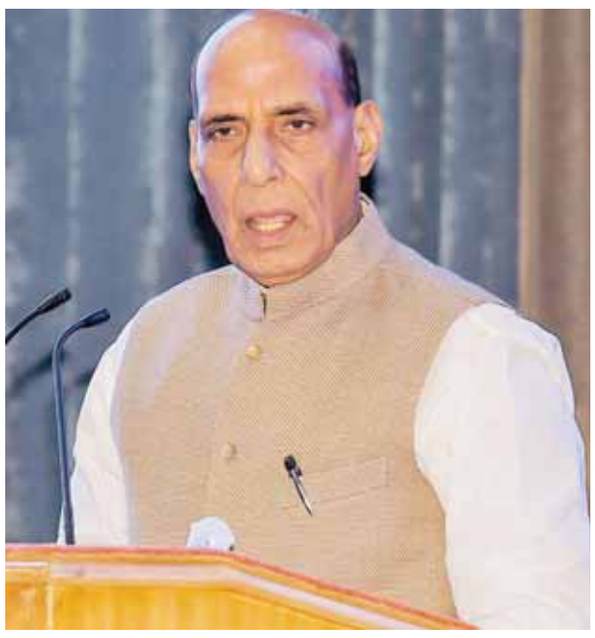

को पक्का घर, पाइप से पानी, आयुष्मान भारत कार्ड और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। सिंह ने कहा कि ओडिशा की खराब स्थिति के लिए कांग्रेस और बीजद दोनों जिम्मेदार हैं। कांग्रेस ने राज्य में 50 साल और बीजद ने 25 साल तक शासन किया है।उन्होंने दावा किया कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसने देश के सभी नागरिकों को कोविड रोधी टीकों की दो खुराक मुफ्त प्रदान कीं।

सिंह ने कहा कि मोदी ने महामारी के दौरान गरीब लोगों को पांच किलोग्राम अतिरिक्त खाद्यान्न भी उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा, "यह गरीब लोगों की जरूरतों के प्रति मोदी की संवेदनशीलता है"। यह दावा करते हुए कि मोदी ने विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया हैसिंह ने कहा कि मोदी ने महामारी के दौरान गरीब लोगों को पांच किलोग्राम अतिरिक्त खाद्यान्न भी उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा, "यह गरीब लोगों की जरूरतों के प्रति मोदी की संवेदनशीलता है"। यह दावा करते हुए कि मोदी ने विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा है, सिंह ने कहा, "हमारे प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन दोनों के अधिकारियों से बात की तथा दोनों देशों के बीच साढ़े चार घंटे के लिए युद्ध रोक दिया गया। इस दौरान 22,000 से अधिक भारतीय छात्रों को युद्ध क्षेत्र से बचाया गया"।

उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी ने ओडिशा के गौरव और संस्कृति पर भी प्रकाश डाला।बीजद पर ओडिशा के साहित्य, कला, संस्कृति और परंपरा को महत्व न देने का आरोप लगाते हुए सिंह ने कहा, ऐसा कोई अंतरराष्ट्रीय नेता नहीं है जिसने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान पृष्ठभूमि में लगे कोणार्क चक्र के साथ तस्वीर न ली हो। रक्षा मंत्री ने रत्न भंडार (भगवान जगन्नाथ का खजाना) का मुद्दा भी उठाया और चाबियां गायब होने के लिए ओडिशा की बीजद सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, "ओडिशा में सरकार बनने के बाद भाजपा पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ का रत्न भंडार खोलेगी"। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का जिक्र करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद कश्मीर में चीजें तेजी से बदल रही हैं। यह उल्लेख करते हुए कि पीओके भी भारत का अभिन्न अंग है, सिंह ने कहा कि पीओके के लोगों ने अब पाकिस्तानी अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, पीओके को पाने के लिए हमें युद्ध करने की जरूरत नहीं है। पीओके के लोग स्वयं ही भारत को अपने देश के रूप में पसंद करेंगे।

यह उल्लेख करते करते हुए कि मोदी ने तीन तलाक को भी समाप्त कर दिया, सिंह ने कहा कि भाजपा वोटों के लिए नहीं, बल्कि देश के निर्माण के लिए राजनीति करती है।

धनशोधन मामले में उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के कारोबारी को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोयला परिवहन पर अवैध उगाही से जुड़े एक धनशोधन मामले में गिरफ्तार छत्तीसगढ़ के एक कारोबारी को इस बात का संज्ञान लेते हुए अंतरिम जमानत दे दी कि वह पहले ही एक साल और सात महीने की कैद काट चुका है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विश्वनाथन की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जांच की स्थिति का पता लगाने और संबंधित सामग्री के साथ अतिरिक्त हलफनामा रिकॉर्ड पर लाने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि आज की तारीख में याचिकाकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 384 या किसी अन्य प्रावधान के तहत कोई पूर्व मूल अपराध (अवैध लाभ देने वाली अंतर्निहित आपराधिक गतिविधि) दर्ज नहीं है।

मोदी सरकार के अन्याय काल का सामना कर रहा है लद्दाख: जयराम

नई दिल्ली (भाषा)।कांग्रेस ने लद्दाख लोकसभा सीट पर मतदान से एक दिन पहले रविवार को आरोप लगाया कि यह केंद्र शासित प्रदेश पिछले 10 वर्षों से मोदी सरकार के दुर्भावनापूर्ण और सौतेले व्यवहार का सामना कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि लद्दाखवासी भीषण ठंड के बीच अपनी जमीन और पानी पर नियंत्रण की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "विरोध प्रदर्शन महीनों से चल रहा है, जिसमें सभी 8 जनजातियां और 30,000 से अधिक लोग भूख हड़ताल और विशाल मार्च के लिए एकसाथ आए हैं"। रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार की एकमात्र प्रतिक्रिया लगातार चुप्पी और उदासीनता रही है।कांग्रेस महासचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 20 मई को, लद्दाख में चुनाव होंगे, और "पिछले 10 वर्षों से, लद्दाख

मोदी सरकार के अन्यायकाल-पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण और सौतेले व्यवहार- का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, अगस्त 2019 में, मोदी सरकार ने लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील करके वहां के लोगों का सारा प्रतिनिधित्व छीन लिया"।रमेश ने दावा किया, मोदी सरकार और उसके करीबी कॉरपोरेट मित्रों का लालच लद्दाख के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डाल रहा है। खनन जैसे क्षेत्रों से जुड़े कॉरपोरेट की नजरें लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों पर हैं और यदि मोदी सरकार को सत्ता में वापस आने दिया गया, तो उन्हें भूमि और लोगों से सम्पदा हथियाने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे क्षेत्र को एक उपराज्यपाल के माध्यम से दिल्ली से रिमोट-नियंत्रित किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री रमेश ने कहा कि पर्यटकों की भारी आमद और शहरीकरण लद्दाख के संसाधनों पर दबाव डाल रहा है, जिससे पानी की कमी पैदा हो रही है।उन्होंने आरोप लगाया, इसके अलावा, मोदी सरकार की कमजोरी ने लद्दाख की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुंचाया है: मोदी सरकार की कायरता ने चीन को लद्दाख में 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा करने दिया और 65 गश्त बिंदुओं में से 26 छीन लिए गए हैं"।

हिमाचल में कांग्रेस सरकार कार्यकाल पूरा करेगी : सुक्खु

बिलासपुर-हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने रविवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी और विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर को प्रदेश सरकार को अपदस्थ करने का दिवास्वप्न देखना बंद कर देना चाहिए। सुक्खु ने बिलासपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, राज्य में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई कांग्रेस सरकार को अपदस्थ करने की भाजपा की कोशिश के बाद जयराम ठाकुर ने जो नया काला कोट सिलने के लिए दिया है, वह दर्जी के पास ही पड़ा रह जाएगा। उन्होंने हमीरपुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल रायजादा के समर्थन में वोट मांगते हुए कहा कि राज्य के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। इससे पहले, हमीरपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए सुक्खु ने आरोप लगाया कि जिले के तीन विधायक--कांग्रेस के दो बागियों और एक निर्दलीय विधायक--ने खुद को बेच दिया।

देश के विकास का है यह चुनाव: मोहन यादव

गाजीपुर। लोकसभा भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय के समर्थन में जंगीपुर विधानसभा के शेखपुर हनुमान मंदिर के बगीचे में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्मए सनातन संस्कृति के अनुसार मैं महाकाल से आता हूं तो आप सभी बाबा विश्वनाथ की धरती के लोग हैं। गंगा जी के किनारे रहने वाले लोग हैं और आप कई बिंदुओं पर पहचाने जाते हैं इतना ही नहीं उन्होंने सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी का बिना नाम लिए कहा कि विपक्ष के प्रत्याशी को यह बता दो की 56 इंच का सीना है। अब ऊंट पहाड़ के नीचे आ गया है समझ में आ जाएगा। गंगा माताएगौ माताएभगवान राम का चुनाव है कंस के कुल का खात्मा होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में फैक्ट्री नहीं है जब मैं इसका कारण पूछा तो लोगों ने बताया कि फैक्ट्री तो है लेकिन यहां पर हथियार और आतंक की फैक्ट्री है ऐसे लोग जनपद की पहचान को धूमिल

करते हैं।इन्हें दूर करें गाजीपुर में टिफ्फिन बमए साइकिल बम फूटा करता था जो लोग देश की खाते हैं लेकिन विरोधी देश का गाते हैं ऐसे लोगों को भारतीय जनता पार्टी का एक.एक कार्यकर्ता अबकी बार जवाब देने के लिए तैयार हो चुका है। यह चुनाव मात्र पार्टी का नहीं है यह चुनाव देश के विकास का है अगर बम और बारूद का राजनीति करने वाले चुनाव जीत कर जाएंगे तो जनपद को कहां ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का गौरव है कि आप भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता है और ऐसी पार्टी में एक छोटे से कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री पद से भी नवाजा जाता है। लेकिन देश में 25 ऐसे परिवार है जो सारे पद चाहते हैं। आज गुंडागर्दी करने वाले बम फेड़ने वाले आतंक के पर्याय ठिकाने लगाए जा चुके हैं। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए उन्होने कहा कि जिनके द्वारा यदुवंशीयों के मौत पर नहीं पर वह यदुवंशियों की हत्या करने वालों के कब्र पर जाकर फूल चढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे लोगों को अब नकार देना चाहिए।सभा को संबोधित करते हुए पारसनाथ राय ने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 2014 से 2019 तक चला विकास का पहिया 2019 के बाद रुक गया है जिसको तेज गति से आगे बढ़ाने का मैं पूरा.पूरा प्रयास करूंगा। इस अवसर पर गाजीपुर सुधार मंडल अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में 8 मटकी दही भी माननीय मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव को भेंट किया गया। कार्यक्रम मे राज्य सभा सांसद संगीता बलवंतएविशाल सिंह चंचल आदि अन्य नेता उपस्थित रहे।

निकोबार द्वीप पर दस्तक दे रहा दक्षिण-पश्चिम मानसून

नई दिल्ली (भाषा)।भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रविवार को देश के दक्षिणी छोर निकोबार द्वीप पर दस्तक दे दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यहां यह जानकारी दी। मौसम कार्यालय ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून रविवार को मालदीव के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र और दक्षिण बंगाल की खाड़ी, निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। मानसून के 31 मई तक केरल पहुंच जाने की उम्मीद है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 150 साल में केरल में मानसून की शुरुआत की तारीख व्यापक रूप से अलग-अलग रही है। केरल में मानसून सबसे देरी से 1972 में 18 जून को और सबसे पहले 1918 में 11 मई को पहुंचा था। मानसून पिछले साल आठ जून को, 2022 में 29 मई

को, 2021 में तीन जून को और 2020 में एक जून को दक्षिणी राज्य में पहुंचा था। आईएमडी ने पिछले महीने ला नीना की अनुकूल स्थितियों के कारण सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान जताया था। ला नीना की स्थितियां भारत में मानसून के दौरान अच्छी बारिश में मदद करती हैं। देश का बड़ा हिस्सा भीषण गर्मी से जूझ रहा है और कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। कई राज्यों में गर्मी का रिकॉर्ड टूट गया है और इसका स्वास्थ्य एवं आजीविका पर गंभीर असर पड़ रहा है। दक्षिणी भारत में अप्रैल में लू का प्रकोप देखा गया था। भीषण गर्मी बिजली ग्रिड पर दबाव डाल रही है और जल निकाय सूख रहे हैं। इसके कारण देश के कुछ हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो रही है। ऐसे में मानसून के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा का पूर्वानुमान तेजी से विकास कर रहे दक्षिण एशियाई देश के लिए एक बड़ी राहत की खबर है।

तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश जारी

चेन्नई। तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश जारी रहने के बीच क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने रविवार को अपने पूर्वानुमान में कहा कि तेनकासी, तिरुनेलवेली और थेनी जिलों में भारी बारिश हो सकती है। रविवार को सुबह 8.30 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि के दौरान, तिरुवन्नामलाई के जमुनामारथुर और कन्याकुमारी के पेचिपराई में क्रमश: 12 सेमी और 10 सेमी वर्षा हुई। तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने उधगमंडलम (ऊटी), तेनकासी, होगेनक्कल और पश्चिमी घाट के अन्य स्थानों पर जाने वाले पर्यटकों को सुरक्षा निर्देशों का पालन करने के लिए कहा है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार और सोमवार को तेनकासी, तिरुनेलवेली और थेनी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट अगले 24 घंटे में 20 सेमी से अधिक बारिश का संकेत देता ह

भारी बारिश के कारण केरल के कई जिलों के लिए चेतावनी जारी, यात्रा पर प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम। केरल के कई हिस्सों में बारिश होने के कारण अधिकारियों ने रविवार को लोगों खासकर पहाड़ी और तटीय इलाकों में रहने वालों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को लेकर पथानामथिट्टा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और चार अन्य जिलों तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा और एर्नाकुलम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम कार्यालय ने रविवार दोपहर एक बजे तक केरल के तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, कन्नूर और कासरगोड जिलों में मेघ गर्जन के साथ एक या दो स्थानों पर मध्यम वर्षा और 40 किमी प्रति घंटा वाली धूलभरी आंधी की भविष्यवाणी की है। इडुक्की जिला कलेक्टर ने रेड और ऑरेंज अलर्ट वापस लेने तक रविवार से जिले के पहाड़ी इलाकों में रात के दौरान यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।

एयर इंडिया विमान के यात्रियों ने बयां किया इंजन में आग लगने के बाद का मंजर

कोच्चि (भाषा)। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर शनिवार रात को आपात स्थिति में उतारे गए कोच्चि जाने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में सवार यात्रियों ने बताया कि किस तरह विमान के एक इंजन में आग लगने के बाद अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। यात्रियों में अधिकांश बेंगलुरु से विमानन कंपनी के दूसरे विमान से रविवार दोपहर के आसपास कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां हवाईअड्डे पर पहुंचने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए यात्रियों ने कहा कि बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (केआईए) से उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद आग लगने की सूचना मिलने पर वे घबरा गए। एक बुजुर्ग महिला यात्री ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, "हर कोई डर गया और जोर-जोर से रोने लगा"। उन्होंने केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग के तुरंत बाद उन्हें विमान से निकालने में दिखाई गई जिम्मेदारी के लिए चालक दल की सराहना की। उन्होंने कहा, वे बहुत

जिम्मेदार थे। उन्होंने बाहर निकलने में हमारी मदद की। उन्होंने हमें बचाने के लिए हर संभव कोशिश की। हम उनके आभारी हैं। एक अन्य बुजुर्ग महिला ने कहा कि आग लगने के बाद विमान के अंदर जोर-जोर से चीख-पुकार मच गई और लैंडिंग के तुरंत बाद सभी लोग बाहर की ओर भागे। एक महिला यात्री ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि चालक दल ने उन्हें शांत रहने की सलाह दी और फिर जल्दी से बाहर निकलने का निर्देश दिया। एक पुरुष यात्री ने कहा कि उड़ान भरने के पांच मिनट बाद आग देखी गई। उन्होंने कहा, इसके तुरंत बाद, आपातकालीन लैंडिंग की गई। हम सभी आपातकालीन निकास द्वार से बाहर निकल गए। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि इंजन में आग लगने से पहले चार या पांच चिंगारियां उठी थीं। हालांकि, यात्रियों ने कोच्चि की यात्रा के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था करने में कथित देरी के कारण निकासी के बाद हवाई अड्डे पर होने वाली कठिनाइयों के बारे में शिकायत की। महिला यात्री ने कहा, हमें वास्तव में अपने हैंड बैग हासिल करने में मुश्किल हुई, जिसमें महत्वपूर्ण चीजें थीं। सौभाग्य से, हम सभी को हमारे हैंड बैग मिल गए, लेकिन मुझे अब भी मेरा चेक-इन सामान नहीं मिला है।

पेज 1 का शेष

शहरी....

कड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चरम पर, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं ने तुष्टीकरण, वंशवादी राजनीति, राम मंदिर, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), भ्रष्टाचार और उनकी सरकार द्वारा की गई कल्याणकारी पहल के मुद्दों पर जोर देकर इंडिया गठबंधन कीचुनौती को रोकने की कोशिश की। पीएम मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सत्ता में आने पर राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगी, जिसके बाद कांग्रेस ने शनिवार को चुनाव आयोग से शिकायत की।

दिल्ली की...

इसके बाद आउटर रिंग रोड में 31, जीटी रोड पर 27, रोहतक रोड में 19, एनएच -8 में 13, मथुरा रोड में 10, नजफगढ़ में नौ और कंझावला रोड में सात घातक दुर्घटनाएँ हुईं। एनएच-24 और वजीराबाद रोड। इन क्षेत्रों में लगभग 163 घातक दुर्घटनाएँ हुईं, जो दिल्ली में नागरिकों की मृत्यु का कारण बनी कुल दुर्घटनाओं का 30 प्रतिशत से अधिक थीं। यह पर्याप्त कमी सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की रक्षा के लिए दिल्ली यातायात पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सकारात्मक दृष्टिकोण, यातायात उल्लंघनों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने वाली पहल के माध्यम से, यूनिट ने शहर भर में सड़क सुरक्षा मानकों को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। कानून प्रवर्तन उपायों के अलावा, दिल्ली यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक भागीदारी और सहयोग को प्राथमिकता दी है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न हितधारकों के साथ साझेदारी में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रम यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहे हैं। घातक दुर्घटनाओं में कमी सभी सड़क उपयोगकर्ताओं का जीवन सुरक्षित करने के प्रति दिल्ली यातायात पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मालिवाल...

रूप से हिरासत में लेने को कहा। अदालत ने हर 24 घंटे में कुमार की चिकित्सकीय जांच कराए जाने का निर्देश दिया और कहा कि जांच एजेंसी आरोपी को किसी भी तरह की यातना नहीं देगी। कुमार को पुलिस हिरासत के दौरान अपने वकील और पत्नी से आधे-आधे घंटे के लिए मिलने की भी अनुमति दी। आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने की कुमार की अर्जी भी स्वीकार कर ली गई। अदालत की कार्यवाही शनिवार रात करीब सवा नौ बजे शुरू हुई और श्रीवास्तव की शुरुआती दलीलों के बाद मजिस्ट्रेट ने कहा, मुझे एपीपी (अतिरिक्त लोक अभियोजक) की दलीलों में दम नजर आता है कि आरोपी को बिना किसी नोटिस के गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त आधार थे। अभियोजक ने कई दलीलें दीं जिनमें रिमांड आवेदन में उल्लेखित तर्क भी शामिल थे। उसने यह भी दलील दी कि जिस साधन या हथियार से कुमार ने मालीवाल पर हमला किया था, उसे बरामद करना होगा। कुमार के वकीलों ने अभियोजन पक्ष की दलीलों का जवाब देते हुए डेढ़ घंटे से अधिक समय तक अपनी दलीलें जोरदार तरीके से पेश की। कुमार के एक वकील राजीव मोहन ने दावा किया कि मालीवाल ने विचार-विमर्श करने और मनगढ़ंत कहानी बनाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस ने कुमार को शनिवार को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और बाद में दिल्ली की एक अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को निरर्थक बताया। उत्तरी जिला अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंजिता चेप्याला द्वारा हस्ताक्षरित रिमांड पेपर में, यह दावा किया गया था कि मालीवाल पर हमला एक गंभीर मामला था और घातक होने की संभावना थी। दस्तावेज में जांच में कुमार की कथित सहयोग नहीं करने की बात कही गई है। कुमार सवालों का जवाब देने में टाल-मटोल कर रहे थे। यह एक बहुत ही गंभीर मामला है जहां एक सार्वजनिक व्यक्ति, संसद सदस्य पर बेरहमी से हमला किया गया है जो घातक हो सकता था। विशिष्ट सवालों के बावजूद, आरोपी ने जांच में सहयोग नहीं किया है और अपने जवाबों में टाल-मटोल कर रहा है। कुमार के वकील राजीव मोहन ने दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि 13 मई से पहले स्वाति मालीवाल के सीएम आवास पर जाने का कोई रिकॉर्ड नहीं था, न ही उन्होंने यह स्पष्ट किया कि एफआईआर 16 मई को ही क्यों दर्ज की गई थी। सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में दलील दी गई कि मालीवाल ने बिना अपॉइंटमेंट के सीएम के आवास पहुंची थी। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर तथ्यों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। मोहन ने तर्क दिया कि मालीवाल ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल करने के बाद कोई चिकित्सा सहायता नहीं मांगी, न ही पुलिस स्टेशन हाउस से। अधिकारी उनसे मिलकर कोई भी मेडिकल शीट तैयार करें। उन्होंने आरोप लगाया कि मालीवाल खुद की चोटों का राजनीतिकरण कर रही हैं और मीडिया में बयान दे रही हैं। रिमांड आवेदन के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष मालीवाल की गवाही चिकित्सा साक्ष्य द्वारा समर्थित थी। याचिका में मालीवाल के आरोपों का विवरण दिया गया है, जिसमें मौखिक दुर्व्यवहार और शारीरिक हमला भी शामिल है, जो कथित तौर पर सीएम के आवास पर हुआ था। मालीवाल के आरोपों के मुताबिक, कुमार चिल्लाए, धमकाए और अपशब्द का इस्तेमाल किया।

वन्य जीव...

खाना पकाने और बेचने से संबंधित लगभग 1300 यूट्यूब वीडियो को वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 52 के साथ पठित धारा 50(7) के तहत, सफलतापूर्वक हटा दिया है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण निकाय ने 'वाइल्ड नेट' भी लॉन्च किया है, जो अवैध पशु व्यापार को ऑनलाइन ट्रैक करने और जांचने के लिए डिज़ाइन किया गया एक कार्यक्रम है। ऑनलाइन कोई भी संदिग्ध गतिविधि देश में प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट भेजेगी। 2019 में, ट्रैफिक ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के सहयोग से गुगल, फेसबुक, यूट्यूब जैसे ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के साथ इंडियामार्ट और फ्लिपकार्ट और जैसी ई-कॉमर्स साइटों के साथ एक बैठक की थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग संरक्षित प्रजातियों के व्यापार के लिए नहीं किया जाता है। यूट्यूब ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम अपने ऑनलाइन समुदाय की सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेते हैं। यूट्यूब की नीतियां ग्राफिक हिंसा और पशु दुर्व्यवहार पर रोक लगाती हैं और हम चिह्नित सामग्री को तुरंत हटा देंगे और बार-बार उल्लंघन करने वालों के चैनल को ब्लॉक कर देंगे या समाप्त कर देंगे। हालाँकि, वास्तविकता में, यूट्यूब इस खतरे से निपटने में विफल रहा है, चौरसिया ने वन्यजीव समुदाय मंच वाइल्ड हब पर अपने विचार पोस्ट करते समय कोई शब्द नहीं कहा। उन्होंने कहा कि, वन्यजीव तस्कर अपने यूट्यूब चैनल बना रहे हैं और वन्यजीवों की संरक्षित प्रजातियों के अवैध शिकार/शिकार, खाना पकाने आदि के वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। वे बिक्री के लिए संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों, उनके हिस्सों, लेखों, डेरिवेटिव आदि के विज्ञापन के लिए यूट्यूब चैनलों का भी उपयोग कर रहे हैं। फेसबुक के बाद, यूट्यूब 27 लाख मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है।

अमेरिका से...

फेनिलकेटोनुरिया (पीकेयू) वाले व्यक्तियों के लिए संकेत दिया जाता है, यह एक आनुवंशिक विकार है जिसमें शरीर अमीनो एसिड फेनिलएलनिन को तोड़ नहीं सकता है, जिससे रक्त में इसका संचय होता है। फेनिलएलनिन का उच्च स्तर विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जिसमें बौद्धिक विकलांगता, विकासात्मक देरी और अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्याएं शामिल हैं। यूएसएफडीए ने कहा कि कंपनी ने दवा वापसी की शुरुआत इस साल 8 अप्रैल को की। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक द्वारा परिभाषित क्लास रिकॉल, दोषपूर्ण उत्पादों से संबंधित है जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। यूएसएफडीए ने यह भी बताया कि सन फार्मा अमेरिकी बाजार से फंगल संक्रमण के इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एम्फोटेरिसिन बी लिपोसोम फॉर इंजेक्शन की 11,016 शीशियों को वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए के अनुसार, सन फार्मा की यूएस-आधारित शाखा ने 'परख के लिए विनिर्देश से बाहर' होने के कारण इस साल 19 अप्रैल से वापस मंगाने की शुरुआत की।

घुसपैठिए बदल रहे बंगाल की जनसांख्यिकी : मोदी

भाषा। मेदिनीपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आरोप लगाया कि वह अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हिंदुओं की आस्था का अपमान कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठिए पश्चिम बंगाल के लिए 'खतरे' हैं क्योंकि उनकी वजह से राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है। दिन के दौरान पश्चिम बंगाल में अपनी तीसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, टीएमसी के वोट बैंक घुसपैठिए राज्य के लिए खतरा हैं क्योंकि कई क्षेत्रों में हिंदुओं की संख्या कम हो गई है। उन्होंने मेदिनीपुर रैली में कहा, बंगाल में टीएमसी आतंकवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और भाई-भतीजावाद का पर्याय है। अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए टीएमसी हिंदुओं की आस्था का अपमान कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए अपमानजनक बयान से पूरा देश गुस्से में है। मोदी रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हालिया टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जारी घुसपैठ से तेजी से राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने कहा, टीएमसी के तुष्टीकरण ने बंगाल की जनसांख्यिकी बदल दी है। घुसपैठ ने राज्य की जनसांख्यिकी परिवर्तित कर दी है। टीएमसी दूसरे राज्यों के लोगों को बाहरी कहती है, लेकिन यह घुसपैठियों को गले लगाती है। मोदी ने कहा, घुसपैठिए बंगाल के लिए खतरनाक हैं क्योंकि वे राज्य की जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं। कई हिस्सों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, घुसपैठिए दलितों और वंचितों की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। हमारी बेटियां और बहनें अब सुरक्षित नहीं हैं।

मोदी ने रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ ममता की टिप्पणी की निंदा की

पुरुलिया। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणियों की रविवार को निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमका रही है। मोदी ने पुरुलिया में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासन की हदें लांघकर इतना नीचे गिर गई है कि वह इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के खिलाफ अपशब्द बोल रही है। उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान बंगाल की जनता को डराने-धमकाने वाली टीएमसी ने इस बार सारी हदें पार कर दी हैं। आज देश-दुनिया में इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ सेवा और नैतिकता के लिए जाने जाते हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री उन्हें खुले मंच से खुलेआम धमकी दे रही हैं...वे केवल अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए उन्हें धमकी दे रही हैं। मोदी ने कहा कि इन संगठनों के दुनिया भर में लाखों अनुयायी हैं और उनका उद्देश्य लोगों की सेवा करना है। मोदी ने रैली में कहा, बंगाल सरकार ने उन पर उंगली उठाई है। इतना साहस। सिर्फ अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए? प्रधानमंत्री ने बिष्णुपुर में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बनर्जी ने मुस्लिम कट्टरपंथियों के दबाव में होने और देश के साधु और संतों पर हमला करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, हताशा में, टीएमसी नेताओं ने इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ जैसे प्रतिष्ठित संगठनों को गालियां देनी शुरू कर दी है।

संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ की जगह 20 मई से पूरी तरह होगी सीआईएसएफ के हवाले

भाषा। नई दिल्ली

संसद की सुरक्षा 1,400 से अधिक सीआरपीएफ कर्मचारियों के हटने के बाद सोमवार से पूरी तरह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हवाले होगी और इसके 3,300 से अधिक कर्मी आतंकवाद रोधी तथा अन्य सुरक्षा दायित्वों की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संसद दायित्व समूह (पीडीजी) ने शुक्रवार को परिसर से अपना पूरा प्रशासनिक और अभियानगत अमला- वाहन, हथियार और कमांडो को हटा लिया तथा इसके कमांडर एवं उपमहानिरीक्षक रैंक के अधिकारी ने सभी सुरक्षा जिम्मेदारियां सीआईएसएफ को सौंप दीं। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पुराने और नए संसद भवन तथा इस परिसर में स्थित संबंधित ढांचों की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के कुल 3,317 कर्मियों को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक की घटना के बाद सरकार ने सीआईएसएफ को सीआरपीएफ से सुरक्षा कार्यभार संभालने को कहा था। साल 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में 13 दिसंबर, 2023 को शून्यकाल के दौरान दो व्यक्ति दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और उन्होंने कैन से पीला धुआं छोड़ा था तथा नारेबाजी की थी। इन लोगों को सांसदों ने पकड़ लिया था। उस दिन लगभग उसी समय संसद परिसर के बाहर दो अन्य व्यक्तियों ने नारे लगाते हुए कैन से रंगीन धुआं छोड़ा था इस घटना के बाद, संसद परिसर के समग्र सुरक्षा मुद्दों को देखने और उचित सिफारिशें करने के लिए सीआरपीएफ महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। अधिकारी ने नाम उजागर न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सीआईएसएफ की आतंकवाद रोधी सुरक्षा इकाई सोमवार, 20 मई को सुबह छह बजे से संसद परिसर का पूरा प्रभार संभाल लेगी। सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके साथ ही अब तक संसद की संयुक्त रूप से सुरक्षा करने वाले सीआरपीएफ पीडीजी, दिल्ली पुलिस (लगभग 150 कर्मी) और संसद सुरक्षा स्टाफ (पीएसएस) को हटा दिया गया है।

उत्तराखंड में पहली बार देखा गया चीनी बगुला

कोटद्वार। आमतौर पर पूर्वोत्तर राज्यों, राजस्थान और भूटान में पाया जाने वाला पक्षी चीनी बगुला (चाइनीज पौंड हेरॉन) पहली बार उत्तराखंड में देखा गया है। वन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।पौड़ी जिले के लैंसडाउन क्षेत्र के प्रभागीय वन अधिकारी नवीन चंद्र पंत ने पीटीआई-भाषा को बताया कि स्थानीय शौकिया फोटोग्राफर किरन बिष्ट ने उन्हें इस बारे में बताया जिसके बाद उन्होंने खुद उसे कोटद्वार मे देखा और अपने कैमरे मे भी कैद किया। उन्होंने बताया कि इसके बारे मे पता चलने पर कोटद्वार क्षेत्र के पक्षी प्रेमी और फोटोग्राफर बहुत उत्सहित है।पंत ने बताया कि विशेषज्ञो के अनुसार अभी तक इस पक्षी की उत्तराखंड मे मौजूदगी का कोई रिकॅार्ड नही था। उन्होने बताया कि प्रजनन के लिए इस पक्षी ने पहली बार लैंसडाउन वन प्रभाग के कोटद्वार क्षेत्र को चुना।ग्रीष्म कालीन प्रवास के दौरान कई पक्षी इन दिनो कोटद्वार के सनेह क्षेत्र और लैंसडाउन वन प्रभाग के घने जंगलो मे दिखाई दे रहे है।

मध्य प्रदेश में बाद मां का शव आटोरिक्शा में ले गया व्यक्ति

दमोह (मप्र)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले मे शव वाहन के लंबे समय तक इंतजार के बाद एक व्यक्ति को 65 वर्षीय अपनी मां का शव कथित तौर पर ऑटोरिक्शा मे ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। महिला की शनिवार रात जिला अस्पताल में मौत हो गई थी।मृतक महिला के बेटे नारायण पटेल ने बताया कि वह अपनी मां को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए थे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया।उन्होंने दावा किया कि अनुरोध के बावजूद, लंबे समय तक शव वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया, इसलिए परिवार ने शुरू मे शव को दोपहिया वाहन पर ले जाने का फैसला किया, लेकिन किसी ने एक ऑटोरिक्शा की व्यवस्था कर दी। घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई है।

तेलंगाना में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में तीन लोगों की जान गई

हैदराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने (तड़ित) की अलग-अलग घटनाओ मे तीन लोगो की मौत हो गई। विकाराबाद जिले मे यलाल मंडल के दो गांवो मे वर्षा के दौरान ए घटनाएं घटी। उसने बताया कि खेत मे दो लोगो की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि पेड़ के नीचे खड़ा एक व्यक्ति एक अन्य घटना मे अपनी जान गंवा बैठा। जिन लोगों की जान गई है, वे 26 से 40 साल तक के थे। रविवार को भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नालगोंडा, सूर्यापेट, सिद्दीपेट, यदाद्रि भुवनगिरि, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरि, विकाराबाद, मेडक, नागरकुरनुल और वनापार्थी जिलो मे छिटपुट स्थानो पर गरज के साथ बौछारें पड़ने, आकाशीय बिजली गिरने और आंधी चलने की आशंका है।

भाजपा आदिवासियों का इस्तेमाल वोट बैंक के रूप में कर रही : अभिषेक बनर्जी

भाषा। नयाग्राम (पश्चिम बंगाल)

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आदिवासी समुदायों के हितों की अनदेखी करते हुए वोट बैंक के रूप में उनका इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल की झारग्राम सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने अपनी ही पार्टी के सांसद को विभिन्न आदिवासी समुदायों के आर्थिक विकास के लिए काम करने से रोका है। बनर्जी ने कहा, रैली में भाजपा से तृणमूल में शामिल हुए झारग्राम सांसद कुनार हेम्ब्रम ने याद किया कि क्षेत्र के विकास के लिए दिल्ली से निधि हासिल करने की उनकी प्रत्एक कोशिश को कैसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बाधित किया गया और उसे नजरअंदाज किया। उन्हें भाजपा में घुटन महसूस हो रही थी और माना कि वह गलत पार्टी में थे।

हम न तो राजनीति में शामिल हैं न ही लोगों से किसी पार्टी को वोट देने को कहा : बंगाल के संत

कोलकाता। लोकसभा चुनाव में दो प्रमुख मठों के कुछ संतों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष मे काम करने से संबंधित पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपो से उपजे विवाद के बीच, दोनो धार्मिक संस्थाओं ने रविवार को दावा किया कि वे हमेशा ही राजनीति से दूर रही है और कभी किसी पार्टी के लिए वोट नही मांगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने शनिवार को एक चुनावी रैली मे आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल के दोनो प्रमुख मठो के कुछ संत भाजपा के निर्देश पर काम कर रहे है। बनर्जी ने आरोप लगाया था कि रामकृष्ण मिशन के कुछ संतों ने आसनसोल में श्रद्धालुओं से भाजपा को वोट देने को कहा था, जबकि भारत सेवाश्रम संघ के एक संत ने बहरमपुर में एक तृणमूल एजेंट को मतदान केंद्र पर बैठने से मना कर दिया था। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनो ने आरोपों को खारिज कर दिया तथा कहा कि वे केवल समाज की सेवा करने पर ध्यान देते है। बेलूर मे रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय के एक वरिष्ठ संत ने कहा, हम आक्षेपो से दुखी और व्यथित है...हम किसी भी विवाद मे फंसना नही चाहते है...प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सहित सभी क्षेत्रों से हजारो आगंतुक हमारे परिसर मे प्रार्थना और ध्यान करने आते है...हमारे लिए सभी समान है।

गठबंधन की सरकार स्थिर व विश्वसनीय नीति निर्माण की शुरुआत करेगी : कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कांग्रेस ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर डर फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार स्थिर, विश्वसनीय नीति निर्माण और समग्र समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगी। विपक्षी दल का यह बयान तब आया जब गृह मंत्री शाह ने एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा कि शेयर बाजार को चुनाव से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, लेकिन एक स्थिर सरकार बेहतर प्रदर्शन करने में इसकी मदद करती है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा और इसके सहयोगियों की जीत के परिणामस्वरूप चार जून के बाद बाजार में तेजी आएगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, वित्तीय बाजारों को लेकर इंडिया गठबंधन की सरकार के बारे में निवर्तमान गृह मंत्री द्वारा फैलाए गए भय का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि मजबूत और समावेशी आर्थिक विकास प्रदान करने में कांग्रेस का रिकॅार्ड खुद इस बारे में बोलता है। रमेश ने कहा, यह रिकॅार्ड की बात है कि डॉ. मनमोहन सिंह के शासनकाल में आर्थिक विकास और निवेश मोदी सरकार की तुलना में बहुत अधिक था। प्रतिशत के रूप में निजी निवेश और विनिर्माण की हिस्सेदारी पिछले दशक की तुलना में डॉ. सिंह के शासनकाल में बहुत अधिक थी।नोटबंदी, जीएसटी और गलत योजना के साथ लॉकडाउन लगाने जैसी नीतिगत त्रुटियों ने पिछले दशक में विकास दर के कम रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण मोदी सरकार द्वारा बनाया गया भय और अनिश्चितता का माहौल भी है, जिसके कारण भारत से दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे स्थानों पर धन सृजन करने वालों का सबसे बड़ा पलायन हुआ है। इस संदर्भ में इंडिया गठबंधन सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कार्य अविश्वास और भय के मौजूदा माहौल को दूर करना तथा एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जहां निजी उद्यम, नियामक प्राधिकरण, कर प्राधिकरण और सरकार आपसी सहयोग एवं सम्मान की भावना से काम करेंगे जैसा कि हमने अपने न्याय पत्र- घोषणापत्र में लिखा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, हमारा यह भी कहना है कि नियामक निरीक्षण स्पष्ट रूप से प्रतिपादित कानूनों और नियमों पर आधारित होगा जिन्हें निष्पक्ष रूप से और बिना किसी भेदभाव के लागू किया जाएगा। यह मोदी सरकार के उस प्रतिशोधी और मनमाने दृष्टिकोणै के बिलकुल विपरीत है, जिसका मुख्य लक्ष्य धन उगाही करना, कुछ पसंदीदा लोगों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा को दबाना और निर्णय लेने में सभी की स्वतंत्रता को खत्म करना है। उन्होंने दावा किया कि इन प्रतिस्पर्धा रोधी नीतियों ने कम निवेश और आर्थिक शक्ति के संकेंद्रण में भूमिका निभाई है। रमेश ने कहा, हमारा घोषणापत्र एक स्पष्ट, पारदर्शी और विश्वसनीय कर व्यवस्था लागू करने का भी वादा करता है। हम मौजूदा जीएसटी को जीएसटी 2.0 से बदल देंगे जो एकल, मध्यम दर (कुछ अपवादों के साथ) होगी। हम एक प्रत्यक्ष कर संहिता लागू करेंगे और अगले पांच वर्षों में स्थिर व्यक्तिगत आयकर दरें बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा, हम इन सभी को राजकोषीय जिम्मेदारी के स्थापित सिद्धांतों के भीतर लागू करेंगे। हम बाजार सहभागियों को याद दिलाते हैं कि डॉ. सिंह की सरकार ने अपना कार्यकाल सकल घरेलू उत्पाद (2013-14) के 4.5 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के साथ समाप्त किया।

केरल के चार जिलों में रेल अलर्ट जारी, 21 मई तक जबरदस्त बारिश की संभावना

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को केरल के चार जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें पत्तनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की और अलाप्पुझा जिले शामिल हैं। इन जिलों में 21 मई तक भारी बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है। मौसम विभाग के भारी बारिश के पूर्वानुमान और इससे उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे को देखते हुए केरल सरकार के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। कम समय के भीतर भारी वर्षा की संभावना के कारण अचानक बाढ़ और शहरों में खास तौर से निचले इलाकों में जलजमाव का खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसके साथ ही लंबे समय तक बारिश होने के कारण भूस्खलन का भी खतरा हो सकता है। इन सबके आलोक में अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों, खासकर पहाड़ी और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने और सतर्क रहने का आग्रह किया है। आईएमडी ने मंगलवार तक तिरुवनंतपुरम और कोल्लम जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों को खुली छूट : सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोपियां और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की रविवार को कड़ी निंदा की तथा कहा कि इन हमलों को अंजाम देने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों को खुली छूट दी गई है। आतंकवादियों ने शनिवार रात कश्मीर में दो स्थानों पर हमले कर शोपियां में एक सरपंच की हत्या कर दी और अनंतनाग में राजस्थान के एक पर्यटक दंपती को घायल कर दिया। बारामूला में लोकसभा चुनाव से दो दिन पहले इन हमलों को अंजाम दिया गया। सिन्हा ने यहां एक बयान में कहा, मैं आतंकी हमले और पूर्व सरपंच एजाज अहमद शेख की बर्बर हत्या से स्तब्ध हूं। वह जमीन से जुड़े नेता थे और लोगों की निस्वार्थ सेवा करने के लिए जाने जाते थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के साथ है। हम इस मुश्किल घड़ी में परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर किया गया जघन्य हमला भी आतंकियों की हताशा को प्रदर्शित करता है। उपराज्यपाल ने कहा, मैंने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को घायल दंपती को हर संभव उपचार मुहैया करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, सरकार ने आतंकवादियों और उसके सहयोगियों को कुचलने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस तथा सुरक्षा बलों को खुली छूट दी है। हमारे सुरक्षा बल उन तत्वों को ढूंढ निकालेंगे जो आतंकियों की मदद कर रहे हैं और जम्मू कश्मीर की विकास यात्रा को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

भाषा। बेंगलुरु

बेंगलुरु में सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने प्रज्वल के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में शनिवार को वारंट जारी किया। इस मामले में प्रज्वल के पिता एवं होलेनरसीपुरा से विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पुत्र एचडी रेवन्ना एक महिला के अपहरण के मामले में सात दिन जेल में बिताने के बाद जमानत पर हैं। हासन लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल के खिलाफ तीन महिलाओं ने यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज कराए हैं। प्रज्वल फिलहाल फरार हैं और उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। हाल में बड़ी संख्या में ऐसे वीडियो सार्वजनिक हुए थे जिसमें प्रज्वल को कथित तौर पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करते दिखाया गया।

क्विक न्यूज

पार्टी कार्यकर्ता की हत्या के खिलाफ जम्मू कश्मीर में भाजपा का प्रदर्शन

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को शोपियां में पार्टी कार्यकर्ता और पूर्व सरपंच ऐजाज अहमद शेख की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर आतंकी खतरों का सामना कर रहे कुछ प्रमुख पदाधिकारियों को सुरक्षा देने के उसके अनुरोधों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। भाजपा कार्यकर्ता शोपियां में लघु सचिवालय के बाहर एकत्र हुए और सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध नही कराने के लिए जिला प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए।शनिवार देर रात जम्मू-कश्मीर के शोपियां और अनंतनाग जिलों में हुए दोहरे आतंकी हमलों में शेख की मौत हो गई और राजस्थान का एक पर्यटक दंपति घायल हो गया।प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा, हम एक साल से उपायुक्त से हमारे नेताओ और कार्यकर्ताओ को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने का अनुरोध कर रहे है लेकिन वह देरी करते रहे। अब हमने एक कार्यकर्ता खो दिया है। पार्टी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि जिला प्रशासन से किसी न किसी स्तर पर चूक हुई है। उन्होंने पीटीआई वीडियो को बताया, कश्मीर में आतंकवाद को दोबारा सिर उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी, लेकिन प्रशासन की ओर से भी चूक हुई है। ऐजाज की शहादत की जिम्मेदारी उपायुक्त की है। ठाकुर ने कहा, कुछ समय पहले, हमने उपायुक्त को लिखा था कि ऐजाज को धमकी भरे फोन आ रहे थे लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। शेख के परिवार मे उनकी मां, उनकी पत्नी शबनम कौसर और तीन बच्चे है।कौसर ने कहा कि शेख ने क्षेत्र के विकास के लिए काम किया और लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं के बारे में जागरूक किया।उन्होंने कहा, मैं उनसे (हमलावर से) पूछना चाहती हूं कि मेरे पति ने उनका क्या बिगाड़ा था? उन्होने क्या उनकी संपत्ति ले ली थी जो उनकी हत्या कर दी? उन्होंने मेरे तीन बच्चों को अनाथ और मुझे बेसहारा कर दिया। अल्लाह उनके (परिवार) के साथ भी ऐसा ही करे। कौसर ने कहा कि हमलावर ने शनिवार देर रात उनके घर का दरवाजा खटखटाया और उनके पति के बारे में पूछा। उन्होने कहा, जब वह दरवाजे पर आया तो मै अपनी नवजात बेटी को दूध पिलाने जा रही थी। जैसे ही मेरे पति ने कहा कि वही ऐजाज है, हमलावर ने सात. आठ गोलियां चलाईं और फरार हो गया।

जड़ी बूटियों से रुक सकता है बाल गिरना

कोलकाता। 21 जड़ी बूटियों के गुणों से भरपूर केश किंग एंटी-हेयरफॉल शैम्पू 98 प्रतिशत तक हेयर फॉल कम करने में क्लिनिकली प्रमाणित है। इसके साथ स्कैल्प को पोषण भी प्रदान करता है और बालों को रेश्मी चमकदार और मुलायम बनाता है। केश किंग एंटी-हेयरफॉल शैम्पू ने अपने नए विज्ञापन में युवा जोश से भरपूर और मनोरंजन की दुनिया के उभरते हुए सितारे पलक तिवारी एवं सदाबहार खूबसूरती की मलिका शिल्पा शेट्टी को एक साथ पेश किया है। सन् 2019 से ही शिल्पा शेट्टी ब्राण्ड की पहचान रही हैं और केश किंग आयुर्वेद ऑइल, भारत का नं-1 हेयरफॉल एक्सपर्ट को एन्डोर्स करते रही हैं। राजू हिरानी फिल्म्स द्वारा तैयार इस नए केश किंग एंटी हेयरफॉल शैम्पू कमर्शियल में दो अदाकारा बहुत ही रोचक बातचीत करती हुई नज़र आएंगी और उड़ें जब जब ज़ुल्फें तेरी जैसे पुराने ज़माने के गीत ने तो इसे और भी खास बनाया है। यह कमर्शियल मई महीने से प्रसारित किया जाएगा। इस नए कमर्शियल के बारे में कहते हुए प्रीति सुरेका डाइरेक्टर ईमामी लिमिटेड ने कहा शिल्पा हमेशा से ही योग के माध्यम से एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह देती आ रही हैं और इसलिए ब्राण्ड के प्राकृतिक समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता के लिए वह बिल्कुल उपयुक्त हैं। रोज़ाना गिरते बालों से परेशान आज की पीढ़ी को एक बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए बहुत ही टैलेंटेड पलक तिवारी को भी हमारे साथ शामिल किया गया है। बॉलीवुड की एक उभरती हुई कलाकार के रूप में पलक तिवारी और शिल्पा की सदाबहार खूबसूरती लोगों में एक नया जोश जगाएगी एवं एकदम नए अंदाज़ में ब्राण्ड की बातों को उन तक पहुँचाएगी।

जेल में बंद प्रवचनकर्ता अमृतपाल के चुनाव मैदान में उतरने से खडूर साहिब सीट पर कांटे की टक्कर

चंडीगढ़। कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह के चुनाव मैदान मे अप्रत्याशित प्रवेश के साथ, पंजाब के सिख बहुल संसदीय क्षेत्र खडूर साहिब मे एक दिलचस्प चुनावी संघर्ष देखने को मिल रहा है। इस सीट को शिरोमणि अकाली दल का गढ़ माना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल मे बंद वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे अपनी किस्मत आजमाई है। खडूर साहिब की चुनावी लड़ाई पंचकोणीय है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पूर्व विधायक विरसा सिंह वल्टोहा को मैदान मे उतारा है, जबकि परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार है। कांग्रेस और भाजपा ने क्रमशः पूर्व विधायक कुलबीर सिंह जीरा और मंजीत सिंह मियांविड को अपना उम्मीदवार बनाया है। खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र को पंथिक सीट के रूप मे जाना जाता है और इसमे सभी तीन क्षेत्रों- माझा, मालवा और दोआबा के मतदाता शामिल है। इसमें नौ विधानसभा क्षेत्र है- जंडियाला, तरनतारन, खेम करण, पट्टी, खडूर साहिब, बाबा बकाला, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी और जीरा। सात विधानसभा क्षेत्रों पर आप का कब्जा है, जबकि एक सीट कांग्रेस और एक निर्दलीय के पास है। शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार रतन सिंह अजनाला और रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा ने क्रमशः 2009 और 2014 के आम विधानसभा चुनावो मे खडूर साहिब सीट जीती थी। हालांकि शिअद उम्मीदवार एवं पूर्व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) प्रमुख बीबी जागीर कौर 2019 के लोकसभा चुनावो मे कांग्रेस उम्मीदवार जसबीर सिंह डिम्पा से हार गईं। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की पत्नी परमजीत कौर खालरा ने भी इस सीट से 2019 का चुनाव लड़ा था और उन्हे महज 20 प्रतिशत वोट हासिल हुआ था और वह हार गई थी। अमृतपाल सिंह के मैदान में कूदने की अचानक घोषणा 24 अप्रैल को हुई, जब उसके वकील राजदेव सिंह खालसा ने दावा किया कि जेल मे बंद उपदेशक उनके अनुरोध पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गए है। बाद में, अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने कहा कि उनका बेटा चुनावी मुकाबला लड़ने का इच्छुक नही था, लेकिन संगत या समुदाय के कहने पर उसने अपना मन बदल लिया, जो उसे चुनाव मैदान में उतारना चाहता था। परमजीत कौर खालरा अमृतपाल सिंह के चुनाव प्रचार का नेतृत्व कर रही है। तरसेम सिंह ने कहा है कि उनके बेटे को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पीएसए के तहत आतंकवादियों के तीन सहयोगियों को हिरासत में लिया गया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले मे रविवार को आतंकवादियो को कथित तौर पर सहयोग करने वाले तीन लोगों को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। पुलिस ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस कार्वाई को आवश्यक करार देते हुए कहा कि तीनों को केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा माना जा रहा है। पुंछ और निकटवर्ती राजौरी जिले में पिछले दो वर्षो में कुछ घातक आतंकवादी हमले हुए है, जिसके परिणामस्वरूप कई सुरक्षाकर्मी और नागरिक मारे गए हैं। पुंछ और राजौरी, अनंतनाग संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां 25 मई को छठे चरण मे मतदान होना है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान मेंढर के गुरसाई गांव के निवासी इफ्तार अहमद उर्फ काका, खुर्शीद अहमद और गुलाम अब्बास के रूप में की गई है।प्रवक्ता ने कहा, उनके (तीनों के) निरंतर कृत्यों ने सार्वजनिक सुरक्षा और शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था की दृष्टि से आपराधिक गतिविधियो को रोकने के लिए, पुंछ की जिला पुलिस ने जिला मजिस्ट्रेट से प्राप्त हिरासत आदेश पर कार्वाई करते हुए तीनों आतंकियों को हिरासत में लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

अपने समुदाय के लिए न्याय की मांग कर रहे अनंतनाग-राजौरी में एकमात्र कश्मीरी पंडित उम्मीदवार

जम्मू। अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे एकमात्र विस्थापित कश्मीरी पंडित उम्मीदवार दिलीप कुमार पंडिता ने अपना अभियान तेज कर दिया है और वह नागरिक समाज की मदद से गंभीर अंतर-समुदाय संवाद के माध्यम से सभी कश्मीरियों को फिर से एकजुट करनै का वादा कर रहे हैं। पंडिता 25 मई को होने वाले चुनाव में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता मियां अल्ताफ अहमद जैसी प्रमुख हस्तियों को चुनौती देने वाले 20 उम्मीदवारों में से एक हैं। पंडिता (56) दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के छोटे से गांव रामहल के निवासी हैं। वह कई दशकों से अपने परिवार के साथ जगती प्रवासी बस्ती में एक सरकारी आवास में रह रहे हैं। भीषण गर्मी में वह समुदाय के 35,000 से अधिक मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए जम्मू में, विशेष रूप से पांच प्रवासी शिविरों में घर-घर जाकर बातचीत और नुक्कड़ सभाओं के साथ जोरदार प्रचार कर रहे हैं। पंडिता ने कहा, हम न्याय नहीं मिलने के कारण 35 वर्षों से अपने घरों से विस्थापित हैं। मैं कश्मीरी पंडितों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने और घाटी में उनकी सुरक्षित वापसी के लिए स्थितियां बनाने के वास्ते चुनाव लड़ रहा हूं।

प्रियंका गांधी छत्तीसगढ़ में पीडीएस के तहत चावल वितरण के बारे में झूठ बोल रहीं: मुख्यमंत्री साय

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा पर राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लोगों को दिए जाने वाले चावल की मात्रा के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। साय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में शनिवार रात कहा कि कांग्रेस की झूठ बोलने की आदत इतनी आसानी से नहीं जाएगी। दरअसल कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने एक समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी तो 35 किलो राशन (प्रति परिवार) दिया जाता था और अब साय नीत भाजपा सरकार में केवल पांच किलो राशन दिया जा रहा है। प्रियंका गांधी के इस बयान पर मुख्यमंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, कांग्रेस को 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी है यह इतनी आसानी से नहीं जाएगी। प्रियंका जी अगर आपको झूठ फैलाने से फुरसत मिल जाए तो पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में किए गए पांच हजार करोड़ के चावल घोटाले पर भी दो शब्द कहिएगा। आपकी अज्ञानता का फायदा उठाकर हर बार छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता आप लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। पिछली बार कांग्रेसियों ने राहुल गांधी से कह दिया था कि कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के हर जिले में फूड पार्क बना दिया है, उस झूठ का जवाब छत्तीसगढ़ की जनता ने आपकी पार्टी को रसातल में पहुंचा कर दे दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी उन्होंने राशन के मुद्दे पर उन्हें मूर्ख बना दिया है। कोई भी बयान देने से पहले थोड़ा अध्ययन कर लें। अगर आप थोड़ा सा गृहकार्य करके बयान देंगी तो आपको बार-बार शर्मिंदा नहीं होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक बयान में कहा कि पीडीएस के तहत केंद्र सरकार से मिलने वाले पांच किलो चावल (प्रति परिवार) के अतिरिक्त राज्य सरकार राशन कार्ड धारक एकल सदस्य परिवारों को 10 किलो चावल, दो सदस्यीय परिवारों को 20 किलो चावल, तीन से पांच सदस्यों वाले परिवारों को 35 किलो चावल और इससे अधिक सदस्यों वाले परिवारों को सात किलो चावल हर महीने मुफ्त में देती है।

मध्य गाजा में हवाई हमले में 20 लोगों की मौत

गाजा पर शासन को लेकर इजराइली नेताओं में मतभेद

भाषा। दीर अल-बलाह

इजराइल द्वारा मध्य गाजा में किए गए एक और हवाई हमले में 20 लोग मारे गए जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। इस बीच हमास के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा पर शासन (यानी शासन किसे करना चाहिए) को लेकर इजराइल के नेताओं में मतभेद के सामने आने के बाद रविवार को पूरे उत्तर में लड़ाई भड़क गई। यह युद्ध फिलहाल आठवें महीने में प्रवेश कर चुका है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपने ही मंत्रिमंडल की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल के तीन सदस्यीय युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने धमकी दी है कि युद्ध के बाद गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासन को समाहित करने वाली कोई नई योजना आठ जून तक तैयार नहीं की गई तो वह सरकार छोड़ देंगे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन रविवार को इजराइल के बड़े नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं, जिसमें सऊदी अरब द्वारा इजराइल को मान्यता देने और अंतत: देश का दर्जा प्राप्त करने के बदले गाजा पर शासन करने में फलस्तीनी प्राधिकरण की मदद करने की एक महत्वाकांक्षी अमेरिकी योजना पर चर्चा की जाएगी। फलस्तीन को देश का दर्जा देने के विरोधी नेतन्याहू ने इन प्रस्तावों को खारिज कर दिया और कहा कि गाजा पर इजराइल सुरक्षा नियंत्रण स्थापित करेगा और पश्चिमी देशों से समर्थित फलस्तीनी प्राधिकरण और हमास से नहीं जुड़े स्थानीय लोगों के साथ साझेदारी करेगा। भले ही युद्धोपरांत योजना की चर्चा जोरों पर हो लेकिन हमास और गाजा के बीच जारी युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। हाल के सप्ताह में हमास उत्तरी गाजा के उन हिस्सों में फिर से संगठित हो गया जिन पर युद्ध के शुरुआती दिनों में भारी बमबारी की गई थी। दीर अल-बलाह के अल-अक्सा शहीद अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, नुसीरात शरणार्थी शिविर पर किए गए हवाई हमले में आठ महिलाओं और चार बच्चों सहित 20 लोग मारे गए।फलस्तीनी रेड क्रिसेंट आपातकालीन सेवा के अनुसार, नुसीरात पर किए गए हवाई हमले में पांच अन्य लोगों की मौत हो गई। दीर अल-बलाह में किए गए हवाई हमले में हमास द्वारा संचालित पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी जाहेद अल-हौली और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हालत गंभीर

भाषा। पेजिनोक।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हालत जानलेवा हमले के चार दिन बाद रविवार को भी गंभीर बनी रही लेकिन उनके स्वास्थ्य में कुछ सुधार से सकारात्मक उम्मीद बंधी है। रक्षा मंत्री रॉबर्ट कलिनक ने यह जानकारी दी। रॉबर्ट कलिनक ने यहां अस्पताल के बाहर संवाददाताओं से कहा, जिस बात का हमें डर था वह सबसे बुरा समय बीत चुका है, कम से कम फिलहाल के लिए। लेकिन, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उनकी हालत में कुछ सकारात्मक सुधार देखने को मिला है। कलिनक ने कहा कि बैंस्का बिस्ट्रिका में स्लोवाक नेता का इलाज करने वाला अस्पताल उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर ताजा जानकारी जारी करता रहेगा। अस्पताल के उप-निदेशक मिलान उर्बनी ने संवाददाताओं से कहा, चिकित्सकों के सुबह के परामर्श के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वह फिलहाल प्राणघातक हालात से बाहर हैं। उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और उन्हें ठीक होने के लिए लंबे समय तक आराम की जरूरत है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि सब कुछ अच्छा रहेगा। बुधवार को हैंडलोवा शहर में एक सरकारी कार्यक्रम के बाद समर्थकों का अभिवादन करते समय फिको (59) पर हमला हुआ था और उनके पेट में गोली लगी थी। संदिग्ध को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया था। गोलियों के घावों से खराब ऊतक निकालने के लिए शुक्रवार को फिको की दो घंटे की सर्जरी हुई, जिसके बाद उनके ठीक होने की काफी संभावना है, लेकिन वह अभी इस हालत में नहीं हैं कि उन्हें राजधानी ब्रातिस्लावा के किसी अस्पताल ले जाया जा सके। रॉबर्ट फिको की हत्या के प्रयास के आरोपी को शनिवार को हिरासत में रखने का आदेश दिया गया। स्लोवाकिया के विशेष अपराध न्यायालय ने संदिग्ध की हिरासत का आदेश दिया। फिको ने पिछले महीने फेसबुक पर कहा था कि उनका मानना है कि देश में बढ़ते तनाव के कारण राजनेताओं की हत्या हो सकती है। उन्होंने 54 लाख की आबादी वाले देश में तनाव बढ़ाने के लिए मीडिया को जिम्मेदार ठहराया था।

कांगो में तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया गया : सेना

किन्शासा। कांगो की सेना ने कहा है कि उसने रविवार सुबह तख्तापलट की कोशिश को विफल कर दिया और सैन्य वर्दी में हथियारबंद लोगों तथा कांगो के राष्ट्रपति के करीबी सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी में तीन लोगों के मारे जाने के बाद कई अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनमें विदेशी लोग भी शामिल हैं।शुरू में स्थानीय मीडिया ने हथियारबंद लोगों की पहचान कांगो के सैनिकों के रूप में की, लेकिन फिर बताया कि वे स्व-निर्वासित विपक्षी नेता क्रिश्चियन मलंगा से जुड़े लोग हैं। मलंगा ने बाद में फेसबुक पर राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी को धमकी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। दिसंबर में अराजकता के बीच हुए मतदान में त्सेसीकेदी को फिर से राष्ट्रपति चुना गया था और पुनर्मतदान की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया गया था। मध्य अफ्रीकी देश में पहले भी चुनावों में इसी तरह का विवाद देखने को मिला है। कांगो की सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सिल्वेन एकेंगे ने रविवार को सरकारी टेलीविजन पर कहा कि तख्तापलट की कोशिश को कांगो के रक्षा और सुरक्षाबलों ने शुरुआत में ही विफल कर दिया और स्थिति नियंत्रण में है। इस बीच, स्व-निर्वासित मलंगा का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति को धमकी दी, फेलिक्स तुम्हारी सत्ता खत्म, हम आ रहे हैं। मलंगा के आसपास सैन्य वर्दी में कई लोग खड़े दिखाई दिए।

इमरान खान पर भ्रष्टाचार के नए आरोप लगाए गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जवाबदेही निगरानी संस्था ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ भ्रष्टाचार के नए आरोप लगाए हैं। मीडिया में रविवार को आई खबरों में यह बात कही गई।खबरों के अनुसार, इमरान पर सत्ता में रहने के दौरान सरकारी तोशाखाना से जुड़ी उच्च मूल्य की सात घड़ियों और 10 अन्य कीमती उपहारों अवैध रूप से रखने और बेचने का आरोप लगाया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा कि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक 71 वर्षीय खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ तोशाखाना के कथित दुरुपयोग की जांच शुरू की थी। तोशाखाना भ्रष्टाचार मामलों में पहले भी इमरान और बुशरा को दोषी ठहराया जा चुका है। खबरों में कहा गया कि एनएबी की जांच उच्च मूल्य की सात घड़ियों और हीरे - सोने के आभूषणों सहित 10 अन्य कीमती उपहारों को अवैध रूप से अपने पास रखने और उन्हें बेचने पर केंद्रित है।

ईरान के राष्ट्रपति को ले जा रहे हेलीकॉप्टर की हार्ड लैंडिंग

भाषा। दुबई

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर ने हार्ड लैंडिंग की है। ईरान के सरकारी मीडिया ने इस हार्ड लैंडिंग का कोई ब्यौरा दिए बिना केवल इतनी जानकारी दी है।सरकारी टेलीविजन की खबर में रविवार को यह जानकारी दी गई है। किसी विमान या हेलीकॉप्टर की हार्ड लैंडिंग से तात्पर्य उसकी अनियंत्रित और अव्यवस्थित लैंडिंग होता है। कुछ लोगों ने जनता से रईसी और हेलीकॉप्टर में सवार अन्य लोगों के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया है। यह घटना तब हुई है जब रईसी और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में ईरान ने पिछले महीने ही इजराइल पर एक जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल हमला किया था। रईसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। सरकारी टीवी ने कहा कि यह घटना ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 600 किलोमीटर (375 मील) उत्तर-पश्चिम में अजरबैजान देश की सीमा पर स्थित जुल्फा शहर के निकट हुई। बाद में हालांकि टीवी ने बताया कि यह घटना उजी के निकट हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए की खबर के अनुसार, रईसी के साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन, ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर और अन्य अधिकारी तथा अंगरक्षक भी यात्रा कर रहे थे। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने घटना का वर्णन करने के लिए दुर्घटना शब्द का इस्तेमाल किया, लेकिन उन्होंने एक ईरानी समाचार पत्र के समक्ष स्वीकार किया कि वह अभी तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे हैं। रईसी की स्थिति के बारे में न तो आईआरएनए और न ही सरकारी टीवी ने कोई जानकारी दी। गृह मंत्री अहमद वाहिदी ने सरकारी टीवी से कहा, राष्ट्रपति और उनके साथ कुछ लोग हेलीकॉप्टर से वापस जा रहे थे और खराब मौसम और कोहरे के कारण हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में उतारना पड़ा। उन्होंने कहा, विभिन्न बचाव दल क्षेत्र में जा रहे हैं, लेकिन खराब मौसम और कोहरे के कारण उन्हें हेलीकॉप्टर तक पहुंचने में समय लग सकता है। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र थोड़ा ऊबड़-खाबड़ है और वहां पहुंचना कठिन है। हम बचाव टीमों के लैंडिंग स्थल पर पहुंचने और उनसे अधिक जानकारी प्राप्त होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकारी टीवी ने बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव अभियान बाधित हो रहा है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और कोहरे की सूचना मिली है। आईआरएनए ने इस क्षेत्र को एक जंगल बताया है। आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता बाबाक एक्तापरास्त ने आईआरएनए को बताया कि बचाव अभियान में लगे एक हेलीकॉप्टर ने उस क्षेत्र तक पहुंचने की कोशिश की जहां अधिकारियों का मानना है कि रईसी का हेलीकॉप्टर है, लेकिन जबरदस्त कोहरे के कारण हेलीकॉप्टर उतर नहीं सका। रईसी रविवार तड़के अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीएव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने के लिए अजरबैजान में थे। यह तीसरा बांध है, जिसे दोनों देशों ने अरास नदी पर बनाया है।रईसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में जा रहे थे। रईसी (63) एक कट्टरपंथी हैं, जिन्होंने पूर्व में देश की न्यायपालिका का नेतृत्व किया था। उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी के रूप में देखा जाता है और कुछ विश्लेषकों का कहना है कि वह 85 वर्षीय नेता (खामेनेई) की मृत्यु या पद से इस्तीफा देने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। रईसी ने ईरान का 2021 का राष्ट्रपति चुनाव जीता था। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर की ईरान में संभावित हार्ड लैंडिंग की खबरों पर बारीकी से नजर रख रहा है। विभाग ने कहा कि इस समय उसके पास इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं है।

यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में रूस का दबदबा जारी, दोनों देशों के बीच हमले तेज

भाषा। कीव

रूस ने अपने क्षेत्र में यूक्रेन के लगभग 60 ड्रोन और कई मिसाइल मार गिराने का दावा किया है, जबकि कीव ने कहा है कि उसने 30 से अधिक रूसी ड्रोन नष्ट किए हैं। खार्किव के बाहरी इलाके में एक हमले में रविवार को कम से कम चार लोगों के मारे जाने की खबर है। रूस ने यूक्रेन के युद्धग्रस्त उत्तर-पूर्व इलाके में नए सिरे से आक्रमण शुरू कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी हवाई सुरक्षा ने दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में रात भर में 57 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय सैन्य अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन का मलबा स्लावियांस्क-ऑन-क्यूबन शहर में एक तेल रिफाइनरी पर गिरा, लेकिन इससे आग की कोई घटना अथवा किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। समाचार आउटलेट एस्ट्रा ने वीडियो प्रकाशित किया, जिसमें रिफाइनरी में एक विस्फोट दिखाया गया, क्योंकि इससे एक ड्रोन टकराया। वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। शुक्रवार की सुबह बड़े पैमाने पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप पर लंबी दूरी की नौ बैलिस्टिक मिसाइल और एक ड्रोन नष्ट कर दिया गया, जिससे सेवस्तोपोल शहर में बिजली कट गई। यूक्रेन की सीमा से लगे बेलगोरोद क्षेत्र में तीन और ड्रोन मार गिराए गए। क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव के अनुसार, ड्रोन का मलबा गिरने से एक चर्च की छत पर आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेन के आंशिक रूप से कब्जे वाले खेरसॉन क्षेत्र के रूस द्वारा स्थापित गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने कहा कि रविवार सुबह एक यूक्रेनी ड्रोन के एक मिनीबस से टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 घायल हो गए। यूक्रेन में, वायुसेना के अधिकारियों ने कहा कि वायु रक्षा बलों ने रात भर में उसके इलाकों पर हमलों के लिए इस्तेमाल में लाए गए सभी 37 रूसी ड्रोन को मार गिराया।

यूक्रेन को लेकर यूरोप अभी भी अल्पकालिक संकट की स्थिति में

कोवेंट्री (ब्रिटेन)। कुछ लोगों का मानना है कि यूक्रेन में युद्ध ने यूरोप को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिससे एक अलग तरह की यूरोपीय व्यवस्था ने जन्म लिया है। यानी ऐसा प्रतीत होता है कि यह यूरोप को चलाने और संगठित करने के तरीके में संरचनात्मक बदलाव ला रहा है। रक्षा और सुरक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों में यूरोपीय एकीकरण गहरा हो रहा है और यूरोपीय संघ नए सदस्यों को शामिल करने के लिए अपनी भौगोलिक सीमाओं का विस्तार करने के लिए तैयार है। इसे दर्शाते हुए, यूरोपीय संघ के नेता, राजनेता और लेखक आम तौर पर 2022 के आक्रमण की तुलना 1945 और 1989 के विभक्ति बिंदुओं से करते हैं। इनमें से प्रत्येक ने नए संगठन और नियम बनाए जिन्होंने यूरोपीय सहयोग, राजनीति, अर्थशास्त्र और सुरक्षा को फिर से परिभाषित किया। 1989 में शीत युद्ध की समाप्ति यूरोपीय एकीकरण को आगे बढ़ाने वाली थी और इसने कई पूर्वी यूरोपीय देशों को यूरोपीय संघ में लाने का रास्ता खोल दिया। सरकारों ने विशेष रूप से रक्षा खर्च बढ़ाया है और यूरोपीय संघ ने दर्जनों नई सुरक्षा पहल शुरू की है। हालांकि, यह यूरोपीय व्यवस्था में कितना बदलाव लाता है यह अनिश्चित है। कुछ बदलाव यूरोपीय व्यवस्था में संभावित परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं। नए सदस्य देशों को लाने के लिए यूरोपीय सीमाओं को फिर से बदला जा रहा है। यूक्रेन, मोडलोवा और जॉर्जिया को वर्षों तक बाहर रखने के बाद यूरोपीय संघ ने निष्कर्ष निकाला है कि इन देशों के साथ परिग्रहण वार्ता शुरू करना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यूरोपीय संघ ने लोकतांत्रिक मानदंडों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को मजबूत किया है क्योंकि रूसी आक्रमण ने अधिनायकवादी शक्ति के खतरे को और अधिक बढ़ा दिया है। एक भूउदारवादी यूरोप-अनेक सुधार प्रस्तावों के बावजूद यूरोपीय संघ के बुनियादी संस्थागत स्वरूप में बदलाव नहीं लाए गए हैं। वर्तमान में यूरोपीय संघ में शामिल होने की उम्मीद कर रहे देशों को रूस से खतरों के बावजूद लंबी तकनीकी प्रक्रियाओं का इंतजार करना पड़ रहा है। सरकारों ने युद्ध के जवाब में मौजूदा यूरोपीय संघ की नीतियों पर रक्षा खर्च में वृद्धि कर दी है, बिना यह स्पष्ट किए कि ए संघ के कथित मूल उदारवादी और शांति-उन्मुख सिद्धांतों से कैसे संबंधित है। यूरोपीय नेता अब औपचारिक रूप से दावा करते हैं कि यूक्रेन के प्रति अपनी प्रतिक्रिया के कारण यूरोपीय संघ एक मजबूत भूराजनीतिक शक्ति बन गया है, लेकिन इसका विस्तार साहेल या गाजा में संघर्ष जैसी जगहों पर किसी स्थिति तक होता नहीं दिख रहा है।

क्विक न्यूज

अमेरिका के पहले अश्वेत अंतरिक्षयात्री ने 60 साल बाद की अंतरिक्ष की यात्रा

वैन हॉर्न (अमेरिका)। अमेरिका के पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवार का आखिरकार 60 साल बाद रविवार को अंतरिक्ष में जाने का सपना पूरा किया। वह जेफ बेजोस की कंपनी के राकेट में उड़ान भरते हुए अंतरिक्ष में पहुंचे।एड ड्वाइट वायु सेना के पायलट थे जब राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने उन्हें नासा के शुरुआती अंतरिक्ष यात्री कोर के उम्मीदवार के रूप में चुना था। लेकिन 1963 में अंतरिक्ष में जाने के लिए उनकी बारी नहीं आई।अब 90 वर्ष के हो चुके ड्वाइट को ब्लू ओरिजिन कैप्सूल में सवार पांच अन्य यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में पहुंचने पर कुछ मिनटों के लिए भारहीनता (शून्य गुरुत्वाकर्षण) का अनुभव हुआ।प्रक्षेपण अधिकारियों ने कहा कि लगभग 10 मिनट की उड़ान के बाद कैप्सूल के पैराशूट से नीचे उतरने के तुरंत बाद सभी अंतरिक्षयात्री सकुशल थे।वेस्ट टेक्सास से संक्षिप्त उड़ान के बाद ड्वाइट अंतरिक्ष में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति का नया रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहे। इससे पहले स्टार ट्रेक अभिनेता विलियम शेटनर के नाम यह रिकॉर्ड था जब वह 2021 में अंतरिक्ष में गए थे। ड्वाइट की उम्र अंतरिक्ष यात्रा के समय उनसे दो महीने ज्यादा थी। यह लगभग दो वर्षों में ब्लू ओरिजिन का चालक दल के साथ पहला प्रक्षेपण था। डेनवर के एक मूर्तिकार ड्वाइट के साथ अमेरिका और फ्रांस के चार व्यावसायिक उद्यमी और एक सेवानिवृत्त एकाउंटेंट भी शामिल हुए। इनकी अंतरिक्ष यात्रा के टिकट के दाम का खुलासा हालांकि नहीं किया गया है।ड्वाइट 1966 में सेना से अलग हो गए थे।

उत्तरी अफगानिस्तान में भारी बारिश के चलते अचानक आई बाढ़ में कम से कम 84 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। उत्तरी अफगानिस्तान में भारी बारिश के चलते अचानक आई बाढ़ में कम से कम 84 लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। फरयाब प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता इस्मतुल्ला मुरादी ने कहा कि शनिवार रात प्रांत के चार जिलों में भारी बारिश हुई और बाढ़ आई, जिसमें कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए, आठ लोग लापता है। उन्होंने बताया कि अन्य लोगों की मौत शुक्रवार को आई बाढ़ में हुई। मुरादी ने कहा कि 1,500 मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, सैंकड़ो हेक्टेयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई है और 300 से अधिक पशु मारे गए हैं। अफगानिस्तान में असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश हो रही है। पश्चिमी प्रांत गोर के गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद हमास के अनुसार, बुरी तरह प्रभावित प्रांत में शुक्रवार को आई बाढ़ से 50 लोगों के मरने की खबर है।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने सुरक्षा समझौते को लेकर की चर्चा

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने रविवार तड़के सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात कर चर्चा की। सऊदी अरब ने इस चर्चा को दोनों देशों के बीच व्यापक सुरक्षा समझौते के सेमी-फाइनल संस्करण के रूप में वर्णित किया है। सऊदी अरब ने सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी ने इसकी घोषणा की। इसके पहले हमास की ओर से पिछले वर्ष सात अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमले के कारण रणनीतिक समझौता नहीं हो सका था। हमास के हमले में 1200 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजराइल की ओर से किए गए जवाबी हमले में अब तक 35 हजार से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। इससे सुरक्षा समझौते पर खतरा मंडरा रहा था, जिसमें सऊदी अरब की ओर से 1948 में स्थापना के बाद से पहली बार इजराइल को कूटनीतिक रूप से मान्यता दिया जाना शामिल था। सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने हालांकि धहरान में जेक सुलीवान और मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई इस मुलाकात की कोई तस्वीर जारी नहीं की है। सऊदी अरब की मीडिया ने इस मुलाकात के बाद एक बयान जारी कर कहा, सऊदी अरब और अमेरिका के बीच रणनीतिक समझौतों के मसौदे के सेमी-फाइनल संस्करण, जिसे लगभग अंतिम रूप दिया जा रहा है, पर चर्चा की गई। इस बात पर भी चर्चा हुई कि एक विश्वसनीय तरीका खोजने के लिए फलस्तीनी मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच क्या काम किया जा रहा है।

अमेरिका: इडाहो में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत, 10 घायल

इडाहो फॉल्स (अमेरिका)। अमेरिका के इडाहो में शनिवार को दो चौपहिया वाहनों की टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। इडाहो राज्य पुलिस ने एक बयान में बताया कि इडाहो फॉल्स में यूएस हाईवे 20 पर एक पिकअप वाहन और एक वैन के बीच सुबह करीब साढ़े पांच बजे टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।उसने बताया कि वैन चालक और पांच यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, वैन में सवार नौ अन्य यात्रियों और पिकअप वाहन के चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हंगरी में डेन्यूब नदी में नौका दुर्घटना में दो लोगों की मौत, पांच लापता

बुडापेस्ट। हंगरी में डेन्यूब नदी में हुई एक नौका दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। हंगरी पुलिस को शनिवार देर रात एक रिपोर्ट मिली कि वेरोसे शहर के पास डेन्यूब के तट पर एक व्यक्ति के सिर से रक्तस्राव हो रहा है। पुलिस ने जांच में पता लगाया कि वह व्यक्ति एक नौका दुर्घटना का शिकार हुआ है, और बाद में पास में एक पुरुष और एक महिला के शव पाए गए। पुलिस अभी भी नौका पर सवार पांच अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने कहा कि उन्हें पता चला है कि दुर्घटना के समय होटल की एक नौका इलाके में थी। उन्होंने नदी से 80 किलोमीटर आगे कोमारोम शहर के पास होटल वाली नौका को रोका, जिसका पतवार क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने जल परिवहन को खतरे में डालने और कई लोगों की मौत का कारण बनने के संदेह में एक अज्ञात अपराधी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की है।

धूप का अच्छा चश्मा खरीदते समय रखें ध्यान?

भाषा। गैलिसिया (स्पेन)

आपको आजकल सुपरमार्केट एवं पेट्रोल पंप से लेकर आम दुकानों और ऑनलाइन फैशन खुदरा विक्रेताओं तक, कहीं से भी सस्ता धूप चश्मा आसानी से मिल सकता है लेकिन इस बात को लेकर हमेशा संदेह रहता है कि क्या ए चश्मे आंखों को धूप से बचा सकते हैं या नहीं। इस प्रकार के चश्मों में लगे लेंस आमतौर पर यूवी (अल्ट्रावॉयलेट) किरणों से पर्याप्त सुरक्षा मुहैया नहीं कराते और दिखने में स्पष्टता जैसे अन्य मामलों में भी उनकी गुणवत्ता निराशाजनक होती है। ऑप्टिशियन (चश्मा बनाने वाला) को राष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों का पालन करना होता है यानी चश्मा बनाते समय उनके लिए उच्च मानकों का पूरा करना अनिवार्य है। इसका अर्थ यह है कि पेशेवर ऑप्टिशियन ग्राहकों को अपने लिए ऐसा धूप चश्मा चुनने में बेहतर तरीके से मदद कर सकते हैं जो न केवल उनकी व्यावहारिक जरूरतों को पूरा करता हो, बल्कि आरामदायक भी हो और उनके चेहरे की बनावट के भी अनुकूल हो। सुरक्षा के नियम: यूरोपीय कानून धूप के चश्मे के लेंस को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के रूप में वर्गीकृत करता है, जिसे सुरक्षा के पांच स्तरों को पूरा करना चाहिए। श्रेणी शून्य के लेंस 80-100 प्रतिशत प्रकाश को अंदर जाने देते हैं, जबकि श्रेणी चार के लेंस केवल तीन से आठ प्रतिशत को ही चश्मे से अंदर जाने देते है जिसका अर्थ है कि वे वाहन चलाते समय पहने जाने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। श्रेणी तीन का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है, क्योंकि ए वाहन चलाने सहित अधिकतर स्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। तो, क्या गहरे रंग के लेंस आपकी बेहतर सुरक्षा करते हैं? इसका संक्षिप्त उत्तर है: ऐसा जरूरी नहीं है। प्रकाश अवशोषण की डिग्री इस बात पर निर्भर करती है कि उनका उपयोग कैसे और कहां किया जाएगा: श्रेणी चार के लेंस ऊंचे पहाड़ों या रेगिस्तान जैसे अत्यधिक रोशनी वाले क्षेत्रों के लिए बनाए गए हैं, लेकिन वास्तव में अन्य स्थितियों में इनका इस्तेमाल करने पर आपकी दृश्यता कम हो सकती है।बहरहाल, स्थापित मानकों को पूरा करने वाले धूप के सभी चश्मे आपकी आंखों को यूवी विकिरण से बचाएंगे। दृश्यता की गुणवत्ता: धूप का चश्मा पहनने से ऐसा महसूस हो सकता है कि आपको देखने में दिक्कत हो रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लेंस प्रकाश को चुनिंदा रूप से छानते हैं: यह एक प्रकार के विकिरण को अंदर आने देता है और अन्य की पहुंच को सीमित कर देता है। रंग मायने रखता है: हमें लेंस की गुणवत्ता पर ध्यान देने के साथ ही इसके रंग पर भी गौर करना चाहिए। चश्मे के लेंस का रंग धूप से मिलने वाली सुरक्षा को प्रभावित नहीं करता, लेकिन यह आंखों में लगने वाली चमक पर असर डालता है क्योंकि प्रत्येक रंग प्रकाश की एक अलग तरंगदैर्ध्य (वेवलैंथ) को छानता है।प्लास्टिक या कांच के लेंस? -केवल रंग ही दृश्यता स्तर की गुणवत्ता को प्रभावित नहीं करता। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि लेंस किस चीज से बने हैं। हालांकि ए आमतौर पर विशेष प्लास्टिक से बने होते हैं लेकिन आप शीशे वाले लेंस भी पहन सकते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड को सोमवार को विश्वास मत जीतने का भरोसा

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने विश्वास जताया है कि वह सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत जीत जाएंगे। एक गठबंधन सहयोगी द्वारा उनकी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व गुरिल्ला नेता प्रचंड (69) नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) से संबंधित हैं। यह पार्टी प्रतिनिधि सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। वह पद संभालने के 18 महीने के भीतर चौथी बार संसद में विश्वास मत हासिल करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने 25 दिसंबर 2022 को पद संभाला था। प्रधानमंत्री प्रचंड ने शनिवार को काठमांडू में सत्तारूढ़ पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा,"इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरी सरकार शक्ति परीक्षण में सफल रहेगी। उन्होंने कहा,"सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं यदि वह विभाजित हो जाती है या गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले लेता है तो प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर विश्वास मत हासिल करना आवश्यक होता है। जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) ने पिछले हफ्ते गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था।नई सरकार को विश्वास मत जीतने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 मतों की आवश्यकता है।

शर्मा-त्रिपाठी ने कराया सनराइजर्स का अभिषेक

● हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को चार विकेट से शिकस्त दी

भाषा। हैदराबाद

अभिषेक शर्मा की अगुवाई में बल्लेबाजों की बेखौफ पारियों से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार के यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ पांच गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच अभिषेक ने 28 गेंद की पारी में पांच चौके और छह छक्के लगाने के साथ दूसरे विकेट के लिए राहुल त्रिपाठी (33) के साथ 30 गेंद में 72 और तीसरे विकेट के लिए नीतिश कुमार रेड्डी (37) के साथ 31 गेंद में 57 रनों की साझेदारी कर टीम की जीत की नींव रखी। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 214 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 215 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत से सनराइजर्स के 14 मैचों में 17 अंक हो गए जबकि पंजाब का अभियान 10 अंकों के साथ नौवें पायदान पर खत्म हुआ। सनराइजर्स की टीम तालिका में अभी दूसरे स्थान पर है लेकिन उसका इस स्थान पर बने रहना शाम को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले जाने वाले मैच के परिणाम पर निर्भर करेगा। त्रिपाठी ने 18 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के जड़े जबकि रेड्डी ने 24 गेंद की पारी में तीन छक्के और एक चौके की मदद से 37 रन का योगदान दिया।उन्होंने क्लासेन के साथ चौथे विकेट के लिए 23 गेंद में 47 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 26 गेंद में 42 रन की पारी के दौरान तीन चौके और दो छक्के लगाए। अर्शदीप सिंह ने 37 रन और हर्षल पटेल ने 49 रन देकर दो-दो विकेट लिए। पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 45 गेंद में 71 रन की पारी के अलावा पहले विकेट के लिए अथर्व तायडे के साथ 55 गेंद में 97 और दूसरे विकेट के लिए रिली रोसेयु के साथ 32 गेंद में 54 रन की साझेदारी की। उन्होंने अपनी आक्रामक पारी में सात चौके और चार छक्के जड़े।तायडे और रोसेयु दोनों अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। तायडे ने 27 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 46 तो वही रोसेयु ने 24 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 49 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन के इंग्लैंड लौटने के कारण टीम की अगुवाई कर रहे जितेश शर्मा ने आखिरी ओवरों में 15 गेंद में नाबाद 32 रन बनाकर टीम के स्कोर को 214 रन तक पहुंचाया।

स्कोरबोर्ड

पंजाब किंग्स पारी: तायड़े का सनवीर बो नटराजन 46,प्रभसिमरन का क्लासेन बो व्यासकांत 71,रोसोयु का समद बो कमिंस 49,शशांक सिंह रन आउट 02, जितेश शर्मा नाबाद 32,आशुतोष का सनवीर बो नटराजन 02,शिवम सिंह नाबाद 02,अतिरिक्त: 10,**कुल योग:** (20 ओवर में पांच विकेट पर) 214 रन,**विकेट पतन:** 1-97, 2-151 , 3-174, 4-181, 5-187 ,**गेंदबाजी:**भुवनेश्वर 4-0-36-0,कमिंस 4-0-36-1,नटराजन4-0-33-2,व्यासकांत 4-0-37-1, शाहबाज1-0-13-0,रेड्डी 3-0-54-0

सनराइजर्स हैदराबाद पारी: हेड बो अर्शदीप 00,अभिषेक का शिवम बो शशांक66,त्रिपाठी का अर्शदीप बो हर्षल 33, रेड्डी का शिवम बो हर्षल 37,क्लासेनबो बरार 42,अहमद का शशांक बो अर्शदीप 03,समदनाबाद 11,सनवीर नाबाद 06,**अतिरिक्त:** 17,**कुल योग:** (19.1 ओवर में छह विकेट पर) 215 रन,**विकेट पतन:** 1-0, 2-72, 3-129, 4-176, 5-197, 6-208,**गेंदबाजी:**अर्शदीप4-0-37-2,ऋषि 3-0-35-0,हर्षल4-0-49-2,चाहर4-0-43-0,बरार 3-0-36-1,शशांक1-0-5-1,तायडे0.1-0-4-0

बारिश के कारण केकेआर बनाम राजस्थान रॉयल्स मैच रद्द

भाषा। गुवाहाटी

बारिश के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स के बीच रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग मैच टॉस होने के बाद रद्द करना पड़ा। गीली आउटफील्ड के कारण इसे सात सात ओवर का कराने का फैसला लेने के तुरंत बाद बारिश आ गई और मैच रद्द करना पड़ा। केकेआर नौ जीत से 20 अंक लेकर पहले स्थान पर रही, उसे दो मैच रद्द होने से एक एक अंक भी मिले। दिन के दोपहर के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (17 अंक) की पंजाब किंग्स पर चार विकेट की जीत के बाद संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स (17 अंक) अंक तालिका में दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गई थी जिससे वह इसी स्थान पर कायम रही। सनराइजर्स हैदराबाद बेहतर रन रेट 0.414 से राजस्थान रॉयल्स (0.273) से आगे दूसरे स्थान पर रही। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 14 अंक से चौथे स्थान पर रही। अब 21 मई (मंगलवार) को पहले क्वालीफायर में केकेआर का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के बीच 22 मई को एलिमिनेटर खेला जाएगा। ए दोनों मैच अहमदाबाद में ही होंगे।

त्वेसा 67 के कार्ड से संयुक्त 21वें स्थान पर

ब्रेंडनबर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने अमुंडी जर्मन मास्टर्स के तीसरे दौर में पांच अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 21वे स्थान पर बनी हुई है। यह लेडीज यूरोपीय टूर में करीब चार साल में त्वेसा का सर्वश्रेष्ठ राउंड है। वह अपना लेडीज यूरोपीय टूर कार्ड (एलईटी) बरकरार रखने की कोशिश में जुटी है। उन्होने तीसरे दौर मे एक ईगल और पांच बर्डी लगाई जबकि दो बोगी कर बैठी। यह 2021 के बाद एलईटी पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में सनशाइन लेडीज टूर पर 65 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला था। भारत की कट हासिल करने वाली अन्य दो खिलाड़ी प्रणवी उर्स (71) और दीक्षा डागर (73) क्रमशः संयुक्त 31वे और संयुक्त 43वे स्थान पर बनी हुई है। वाणी कपूर, अमनदीप द्राल, स्नेहा सिंह और एमेच्योर अवनि प्रशांत कट हासल करने से चूक गई थी।

चेन्नइयिन ने मिडफील्डर जितेश्वर का करार बढ़ाया

चेन्नई। पूर्व चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग मे शानदार प्रदर्शन करने वाले मिडफील्डर युमखाइबाम जितेश्वर सिंह का करार 2025 तक बढाने का फैसला किया। मणिपुर के इस मिडफील्डर ने 2022 मे चेन्नइयिन एफसी के लिए पदार्पण किया था। वह टीम के लिए 44 मैच खेल चुके है। टीम के मुख्य कोच ओवेन कॉयल ने कहा , जीतू कही नही जा रहा है। वह अगले सत्र मे भी हमारे साथ होगा। जितेश्वर पिछले साल एएफसी अंडर 23 एशियाई कप खेलने वाले भारतीय टीम का भी हिस्सा थे।

अरविंद ने शारजाह मास्टर्स शतरंज में एकल बढ़त बनाई

शारजाह। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने स्थानीय खिलाड़ी ए आर सालेह सलेम को हराकर शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट मे एकल बढत बना ली। चिदंबरम के बाद चार खिलाड़ी दूसरे स्थान पर है जिनमे ईरान के अमीन टाबाटाबाइ और बर्डिया दनेश्वर और अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और सैम शांक्लैड शामिल है। शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगेसी आठ अन्य खिलाड़ियों के साथ तीसरे स्थान पर है जिनमे भारत के संकल्प गुप्ता भी है।टूर्नामेट के चार दौर अभी बाकी हे और 16 खिलाड़ी तीन अंक लेकर अगली पायदान पर है। एरिगेसी और वोलोडार मुरजिन की बाजी बराबरी पर छूटी जबकि संकल्प ने अजरबैजान के तैमूर राजदाबोव को ड्रॉ पर रोका। अभिमन्यु पुराणिक को ईरान के टाबाटाबाइ ने हराया।

कृतज्ञ सिंह का कमालए लखनऊ की शानदार जीत

लखनऊ। मैन ऑफद मैच कृतज्ञ सिंह 94 की उपयोगी पारी से क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ सीएएल ने 40वीं ऑल इंडिया उत्तराखंड गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफउत्तराखंड को 3 विकेट से पराजित किया। आयुष क्रिकेट अकादमी देहरादून में खेले गए मैच में उत्तराखंड ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 254 रन का स्कोर बनाया। टीम से सलामी बल्लेबाज युवराज चौधरी 67 रन, 104 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का के बाद अग्नि चोपड़ा 93 रन, 84 गेंद, 8 चौके 5 छक्के ने भी अर्धशतक जड़ा। निचले क्रम में निखिल पुंडीर ने नाबाद 33 रन जोड़ें। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ से रोहित द्विवेदी और अभिषेक कौशल ने 2-2 विकेट चटकाए। जमशेद आलम, नमन तिवारी व कृतज्ञ सिंह को 1-1 विकेट मिले।जवाब में लखनऊ ने 46.4 ओवर में 7 विकेट पर 257 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अजीत वर्मा 11 व मोहित यादव 32 ने पारी की शुरुआत की। हालांकि अजीत वर्मा चौथे ओवर की पहली गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।

निजता के उल्लंघन को लेकर आईपीएल प्रसारक पर भड़के रोहित

भाषा। नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टीवी प्रसारक पर निजता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि एक्सक्लूजिव और व्यूज के चक्कर में एक दिन प्रशंसकों, क्रिकेटरों और क्रिकेट के बीच का विश्वास खत्म हो जाएगा। रोहित ने उनके और कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच अभिषेक नायर के बीच बातचीत का वीडियो वायरल होने पर निराशा जताई थी। इस वीडियो में वह मुंबई इंडियंस के साथ अपने भविष्य पर बात करते नजर आ रहे थे। रोहित ने एक्स पर लिखी पोस्ट में आईपीएल के टीवी प्रसारक स्टार स्पोटर्स पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा , मेरे मना करने के बावजूद स्टार स्पोर्ट्स ने मेरी बातचीत को न सिर्फ रिकॉर्ड किया बल्कि प्रसारित भी कर दिया। यह निजता का उल्लंघन है। उन्होंने आगे लिखा , क्रिकेटरों की जिंदगी में इतना दखल हो रहा है कि कैमरा हर कदम पर पीछा करता है। चाहे हम निजी तौर पर अपने दोस्तों, साथी खिलाड़ियों से अभ्यास या मैच के दिन बात कर रहे हों। दर्शकों की संख्या बढाने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर मची होड़ से निराश भारतीय कप्तान ने कहा , एक्सक्लूजिव पाने और व्यूज तथा इंगेजमेंट पर ही फोकस रखने से एक दिन प्रशंसकों , क्रिकेट और क्रिकेटरों के बीच का विश्वास खत्म हो जाएगा। रोहित ने नायर से बातचीत के दौरान प्रसारकों से ऑडियो बंद करने का अनुरोध किया था। यह बातचीत 11 मई को मुंबई और केकेआर के बीच आईपीएल मैच के बाद हुई थी। विवाद के बाद केकेआर की सोशल मीडिया टीम ने भी वह वीडियो हटा दिया था। इसके बाद 17 मई को रोहित लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई के मैच से पहले मुंबई इंडियंस के पूर्व खिलाड़ी धवल कुलकर्णी से बातचीत कर रहे थे। बातचीत की रिकॉर्डिंग करते देख उन्होंने हाथ जोड़कर प्रसारकों से ऑडियो बंद करने का अनुरोध किया। भाई ऑडियो बंद करो, ऑलरेडी एक ऑडियो ने मेरा वाट लगा दिया है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप खेलेगी।

धोनी सीएसके परिवार का हिस्सा या मेंटोर नहीं रहेंगे तो मुझे आश्चर्य होगा: हेडन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज मैथ्यू हेडन का मानना है कि करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना आखिरी मैच खेल लिया है लेकिन वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ किसी भूमिका में जुड़े रहेंगे।सीएसके का इस आईपीएल मे शुक्रवार को अपने आखिरी लीग मैच मे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुसे हार के बाद सफर खत्म हो गया। इस मैच मे धोनी ने 13 गेंद मे 25 रन की आतिशी पारी खेली लेकिन यह टीम को प्लेऑफ मे पहुंचाने के लिए काफी नही था। जीत के लिए 219 रन का पीछा करते हुए सीएसके को फाइनल में पहुंचने के लिए 201 रन की जरूरत थी लेकिन टीम सात विकेट पर 191 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर फाइनल मे पहुंचने के लिए टीम को 17 रन की जरूरत थी। धोनी ने यश दयाल की गेंद पर इस सत्र का सबसे लंबा 110 मीटर का छक्का लगाकर चेन्नई की उम्मीदे बनाए रखी थी लेकिन वह अगली गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद टीम चार गेंद मे सिर्फ एक रन ही बना सकी। धोनी ने मौजूदा सत्र मे 220.55 की शानदार स्ट्राइक रेट से और 53.67 की औसत से 161 रन बनाए। वह इस अब तक इस आईपीएल के सबसे बड़े आकर्षण रहे है और हर मैदान मे बड़ी संख्या मे उनके प्रशंसक पहुंच रहे थे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल मे खेल चुके पूर्व सलामी बल्लेबाज हेडन ने कहा कि धोनी अगले सत्र मे अगर सीएसके का हिस्सा या मेंटोर नही होंगे तो उन्हें काफी आश्चर्य होगा। हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर कहा, मुझे लगता है कि धोनी ने अपना आखिरी मैच खेल लिया है। ऐसा नही है कि हम आईपीएल मे धोनी को आखिरी बार देख रहे है। मुझे बहुत आश्चर्य होगा अगर वह आधिकारिक क्षमता मे सीएसके के परिवार का मार्गदर्शन नही करेंगे या उसका हिस्सा नही बनेंगे। जब आप किसी के करियर का अंत होता देख रहे होते हो तो आप यह नही चाहते कि उस खिलाड़ी को असफलता के साथ विदाई मिले। धोनी की कप्तान मे खेल चुके हेडन ने कहा, एक कप्तान के तौर पर वह चेन्नई सुपर किंग्स के थाला (बड़ा भाई) है। वह अपने दिमाग और क्रिकेट के सारे ज्ञान का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते है। इसी कार्यक्रम मे भारतीय टीम के खिलाड़ी अंबाती रायुडू ने उम्मीद जताई कि धोनी आगामी सत्र मे खेलना जारी रखेंगे। मुझे नही लगता कि यह उनका आखिरी मैच था। मै उन्हे इस तरह से करियर खत्म करते नही देख सकता। धोनी की अगुवाई मे आईपीएल चैंपियन टीम का हिस्सा रहे रायुडू ने कहा, वह जब आउट हुए उस समय काफी निराश दिख रहे थे। यह धोनी का अंदाज नही था। वह क्वालीफाई (प्लेऑफ) करके अपने करियर को शीर्ष पर अलविदा कहना चाहेंगे।

रिंकू के रैपिडफायर की कड़वी यादों को एक ओवर में धो दिया दयाल ने

बेंगलुरू। महेंद्र सिंह धोनी ने 20वे ओवर की पहली फुलटॉस गेंद को चिन्नास्वामी स्टेडियम की छत के ऊपर भेजा तो गेंदबाज यश दयाल को पिछले साल रिंकू सिंह के बल्ले से निकले लगातार पांच छक्के याद आ गए लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को आईपीएल प्लेआफ मे जगह दिलाई। रिंकू ने पिछले सत्र मे दयाल को लगातार पांच छक्के जड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स को चमत्कारिक जीत दिलाई थी। दयाल को शनिवार को जब आखिरी ओवर सौपा गया तो सामने धोनी और रविंद्र जडेजा थे जिन्हें बस 17 रन की जरूरत थी। दयाल ने पिछले अनुभव से सबक लेते हुए धोनी के छक्के के बाद धीमी गेंद डाली और भारत के पूर्व कप्तान का विकेट लेकर चेन्नई की उम्मीदो पर पानी फेर दिया। अगली चार गेंदो पर उन्होंने एक ही रन दिया। पिछले सत्र के बाद दयाल को गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया था। आरसीबी ने उन्हें नीलामी मे पांच करोड़ रूपए मे खरीदा और टीम के भरोसे पर खरे उतरते हुए दयाल ने पिछले जख्मो पर मरहम भी लगा दिया। जब पहली गेंद पर छक्का लगा तो मुझे पिछले साल की याद आ गई। लेकिन मैने पूरे सत्र में अच्छी गेंदबाजी की थी और मै खुद से कहता रहा कि सिर्फ एक अच्छी गेंद की जरूरत है। मुझे स्कोरबोर्ड देखने की जरूरत नही थी। मुझे बस अच्छी गेंद करनी थी। मैने आत्मविश्वास बनाए रखा। पिछली बार जो कुछ हुआ , उससे मै नर्वस हो गया था। लेकिन आरसीबी टीम में आने के बाद से मैने काफी मेहनत की और अच्छी गेंद डालने पर ही फोकस रहा। सीनियर्स ने मुझे डांटा नही और हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। इससे मुझे बहुत मदद मिली। प्रयागराज के इस गेंदबाज को असल में 19वां ओवर डालना था लेकिन अचानक उन्हें आखिरी ओवर देने का फैसला लिया गया। मुझे 19वां ओवर फेंकना था लेकिन अचानक डीके भैया (दिनेश कार्तिक) और फाफ (डु प्लेसी) ने बात की।

कैसा लग रहा है मां , आखिरी ओवर डालने के बाद मां को वीडियो कॉल किया दयाल ने

कोलकाता। अपने बच्चे की पीड़ा एक मां ही समझ सकती है और ठीक 405 दिन पहले एक ओवर मे रिंकू सिंह के पांच छक्के झेलने के बाद यश दयाल के कैरियर को बिखरता देख उनकी मां राधा दयाल बीमार हो गई थी लेकिन एक ओवर ने सब कुछ बदल दिया। रिंकू के बल्ले से हुई आतिशबाजी वाला वह ओवर दयाल के कैरियर के रास्ते बंद करने वाला भी हो सकता था लेकिन निर्मम सोशल मीडिया के बहाव मे नही बहने वालो को पता था कि यह लड़का वापसी करेगा। और उसने की भी। दयाल ने आईपीएल के महानतम फिनिशर्स महेंद्र सिंह धोनी और रविंद्र जडेजा के सामने एक ओवर में 17 रन नही बनने दिए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को आईपीएल प्लेआफ में पहुंचाने वाला करिश्माई 20वां ओवर डालकर दयाल ने अपने और अपनी मां के हर जख्म पर मरहम लगा दिया। यहां तक कि रिंकू ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा , यह ईश्वर की इच्छा थी। उस ओवर के बाद दयाल ने अपनी मां को वीडियो कॉल किया और पूछा , कैसा फील कर रही हो। दयाल परिवार मे देर रात तक जश्न चलता रहा। उनके पिता चंद्रपाल ने कहा कि उनके बेटे ने अपनी मां से कहा था कि उसे यकीन है कि वह एम एस धोनी को विजई रन नही बनाने देंगे। क्लब स्तर पर क्रिकेट खेल चुके चंद्रपाल 2019 में प्रयागराज में महा लेखाकार के कार्यालय से रिटायर हुए है। नौ अप्रैल को अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम पर रिंकू सिंह के पांच छक्के झेलने वाले अपने बेटे के साथ वह चट्टान की तरह डटे रहे है। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा , वो डरावना सपना फिर से आ रहा था जब धोनी ने पहली गेंद पर छक्का लगाया। लेकिन मुझे भीतर से लग रहा था कि इस बार कुछ अच्छा होगा। यह उसकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। ईश्वर की कृपा है। पिछले साल गुजरात टाइटंस ने दयाल को रिलीज कर दिया लेकिन आरसीबी ने उस पर भरोसा जताया।

आरसीबी के चमत्कारिक प्रदर्शन से दूसरी टीमों को प्रेरणा मिलेगी : कार्तिक

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि लगातार छह जीत दर्ज करके आईपीएल प्लेआफ में जगह बनाने वाली उनकी टीम के चमत्कारिक प्रदर्शन से भविष्य मे दूसरी टीमो को प्रेरणा मिलेगी। पहले आठ मे से सात मैच हारने वाली आरसीबी ने बाहर होने की कगार से निकलकर वापसी की और अंतिम चार में जगह बनाई है। फाफ डु प्लेसी की कप्तानी वाली टीम ने शुक्रवार को गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को 27 रन से हराकर चौथा स्थान हासिल किया। कार्तिक ने आरसीबी की विज्ञप्ति में कहा , लोग कुछ सफर को हमेशा याद रखेंगे। जिस तरह आठ मैचो के बाद हमने वापसी की। हमें छह मैच जीतने थे। लोग इस टीम को याद रखेंगे। इस टूर्नामेंट में हर साल सात मैचो के बाद ऐसी एक या दो टीमें जो सिर्फ एक या दो मैच जीती होंगी, हमें याद करके कहेंगी कि आरसीबी ने यह कर दिखाया था और हम भी कर सकते है। आप इसी के लिए क्रिकेट खेलते है जिसमें लोग आपका अनुकरण करेंगे और विश्वास करें कि वे भी कुछ खास कर सकते है। यह आसान नही है। हमने जो आज हासिल किया, वह बहुत खास है। प्लेऑफ में आरसीबी का सामना तीसरे स्थान पर रहने वाली राजस्थान रॉयल्स या सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

अभिषेक को गेंदबाजी करना डरावना है: कमिंस

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र मे 209.41 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक शर्मा के कसीदे गढ़ते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान और अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि वह इस वामहस्त विस्फोटक बल्लेबाज को गेंदबाजी नही करना चाहेंगे क्योंकि यह काफी डरावना है। अभिषेक ने लीग के मौजूदा सत्र मे गेंदबाजो के मन मे खौफ पैदा किया है, जिसमे उनकी आईपीएल टीम और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस भी शामिल है। अभिषेक ने रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ 28 गेंदो मे 66 रनो की पारी में छह छक्के और पांच चौके जड़े जिससे उनकी टीम ने पांच गेंद शेष रहते 215 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। कमिंस ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह मे कहा, वह (अभिषेक) अद्भुत है. मै उसे गेंदबाजी नही करना चाहूंगा. यह डरावना है क्योंकि वह तेज गेंदबाजो और स्पिनरो के खिलाफ बेखौफ होकर खेलता है। घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले 23 साल के अभिषेक ने इस आईपीएल सत्र मे 13 मैचो में लगभग 210 की स्ट्राइक रेट से 467 रन बनाए है। उन्होंने इस दौरान 41 छक्के और 35 चौके लगाए है। वह एक आईपीएल सत्र में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए है। कमिंस ने नितीश रेड्डी की भी सराहना की जिन्होंने चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदो में 37 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने कहा, नीतीश एक स्तरीय खिलाड़ी है, अपनी उम्र से कही अधिक परिपक्व है, ऐसा लगता है कि वह खेल को बहुत अच्छी तरह से समझता है। वह हमारे शीर्ष क्रम के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। मैन ऑफ द मैच चुने गए अभिषेक ने कहा कि महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के साथ काम करने के बाद उन्हे काफी फायदा हुआ है। लारा इस सत्र पहले इस फ्रेंचाइजी से जुड़े थे। मैने उनके साथ कुछ काम किया है, वह मेरे संपर्क में हैं। अब भी मुझे मदद मिल रही है। अभिषेक ने पंजाब के खिलाफ 21 गेंद मे अर्धशतक बनाया जो इस सत्र मे उनका सबसे धीमा पचासा है। उन्होंने इससे पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ 16 गेंदो पर और लखनऊसुपर जायंट्स के खिलाफ 19 गेंदो पर 50 रन पूरे किए थे।मै लय मे हू इसलिए मुझे इसे अपनी टीम के लिए उपयोग करना चाहिए।

सात्विक-चिराग को थाईलैंड ओपन खिताब

भाषा। बैंकॉक

भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए चीन के लियू यि और चेन बो यांग को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन पुरूष युगल खिताब जीत लिया। पेरिस ओलंपिक की तैयारियां पुख्ता करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 29वीं रैंकिंग वाली विरोधी टीम पर 21-15, 21-15 से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की चैम्पियन जोड़ी का यह सत्र का दूसरा और कैरियर का नौवां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। उन्होंने मार्च में फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब जीता था। दोनों मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रहे थे। चिराग ने जीत के बाद कहा , बैंकॉक हमारे लिए खास है। हमने 2019 में यहां पहली बार सुपर सीरिज और फिर थॉमस कप जीता था। उम्मीद है कि इस जीत के बाद आने वाले टूर्नामेंटों में भी हम लय कायम रखेंगे। पेरिस ओलंपिक के बारे में पूछने पर चिराग ने कहा , हम ही नहीं सभी खिलाड़ी वहां पदक जीतने ही जाना चाहते हैं। उम्मीद है कि हम वहां भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। सात्विक और चिराग आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दूसरे दौर में हार गए थे। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण एशियाई चैम्पियनशिप नहीं खेल सके। थॉमस कप में भी वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। वे एक भी गेम गंवाए बिना थाईलैंड ओपन फाइनल में पहुंचे थे। लियू और चेन ने भी फाइनल तक के सफर में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन भारतीय जोड़ी के शानदार फॉर्म का उनके पास कोई जवाब नहीं था। सात्विक और चिराग ने जल्दी ही 5-। की बढ़त बना ली। इसके बाद चेन और लियू ने लगातार चार अंक लेकर वापसी की। जब स्कोर 7-7 था तब चीनी जोड़ी ने 39 शॉट की रेली लगाई और 10 -7 से बढत बना ली। उन्होंने कुछ लंबी रेलियां लगाई लेकिन चिराग ने तूफानी रिटर्न के जरिए स्कोर 10-10 कर लिया। ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने 14-11 की बढत बनाई। यह बढत जल्दी ही 16-12 की हो गई। चीनी जोड़ी ने तीन अंक बनाए लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार पांच अंक लेकर गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 8-3 के साथ शुरूआत की और ब्रेक तक पांच अंक की बढत बनाए रखी। चेन और लियू ने तीन अंक लगातार बनाए लेकिन सात्विक ने उनकी लय तोड़ी। जब स्कोर 15-11 था तब सात्विक को खेल में विलंब करने पर चेतावनी मिली और चिराग ने दो अंक गंवाए जिससे चीनी जोड़ी ने 15-14 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें फिर कोई मौका नहीं दिया।

सुकांत कदम, तरूण और सुहास ने पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम, तरूण और सुहास ने पेरिस में आगामी पैरालंपिक के लिए अपने स्थान पक्के किए।सुकांत कदम पहली बार पैरालंपिक में हिस्सा लेंगे और वह पुरुषों के एसएल 4 वर्ग में खेलेंगे। एसएल 4 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके शरीर के एक तरफ या दोनों पैरों में निचले स्तर पर मूवमेंट प्रभावित होता है। उनके अलावा तरूण और सुहास ने भी इसी वर्ग में क्वालीफाई किया। एसएल3 महिला वर्ग (शरीर के एक तरफ, दोनों पैर या अंगों की अनुपस्थिति वाले खिलाड़ियों के लिए) में मनदीप कौर ने जबकि मिश्रित युगल एसएल6 वर्ग में निथ्या और शिवराजन ने भी कट हासिल किया। पेरिस पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक आयोजित होंगे। कदम पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पदक जीत रहे हैं। कदम ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह मेरे लिए सपने का साकार होने जैसा है।

भारत ने तीसरे दिन एक रजत और एक कांस्य पदक जीता

● पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप

भाषा। कोबे (जापान)

भारत के लिए ऊंची कूद के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने रविवार को यहां कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप के तीसरे दिन रजत पदक और प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निषाद ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया और भारत का खाता खोला। निषाद ने पेरिस में 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था। अमेरिका के रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.05 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एक अन्य भारतीय राम पाल अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 1.90 मीटर के प्रदर्शन से छठे स्थान पर रहे। टी 47 में वो पैरा ट्रैक एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनका कोहनी या कलाई के नीचे का हिस्सा कटा होता है या इसमें विकृति होती है। फिर प्रीति पाल ने महिलाओं की टी 35 वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में 30.49 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल कर भारत को दूसरा पदक दिलाया। टी 35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिन्हें समन्वय संबंधित विकृति होती है। दीप्ति जीवनजी ने महिला टी20 400 मीटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 56.18 सेकंड के एशियाई रिकॉर्ड समय से अपनी हीट रेस जीती। चीन 26 पदक के साथ तीसरे दिन तालिका में शीर्ष पर है। भारतीय टीम अभी 29वें स्थान पर है। चैम्पियनशिप 25 मई तक चलेगी।

ओलंपिक चयन ट्रायल में सबसे सफल निशानेबाज रही मनु भाकर

भोपाल। ओलंपियन निशानेबाज मनु भाकर राइफल और पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में सबसे सफल निशानेबाज रहीं, उन्होंने रविवार को यहां अंतिम दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी4 मैच में जीत हासिल की। मनु की दो स्पर्धाओं के ट्रायल में यह चौथी जीत रही। उन्होंने महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल के ट्रायल भी जीते। मनु ने ओएसटी टी4 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 240.8 का स्कोर बनाया। उन्होंने हांग्झोउ एशियाड की चैम्पियन पलक को 4.4 अंक से पछाड़ा। रिदम सांगवान ने तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले इलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल ओएसटी टी4 में 254.3 के स्कोर से जीत दर्ज की। यह स्कोर चीन की हान जियायू के इस महीने बाकू में आईएसएसएफ विश्व कप में बनाए गए 254.0 के मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.3 अंक अधिक रहा। रमिता (253.3) और मेहुली घोष (230.3) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। दिव्यांश पंवार ने पुरुषों की एयर राइफल ओएसटी टी4 में 253.3 के स्कोर से जीत दर्ज की। यह स्कोर उनके मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.4 कम रहा। अर्जुन बबूता (250.0) और रुद्रांक्ष पाटिल (229.5) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी4 फाइनल में रविंदर सिंह 242.2 के स्कोर से विजेता रहे। वरुण तोमर (239.4) दूसरे और सरबजोत सिंह (218.9) तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ पेरिस ओलंपिक के लिए टीम चुनने के लिए दिल्ली और भोपाल में पिस्टल और राइफल में चार ट्रायल्स की सीरीज आयोजित कर रहा है। भारतीय निशानेबाज अब म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल और पिस्टल (31 मई से आठ जून) में हिस्सा लेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।